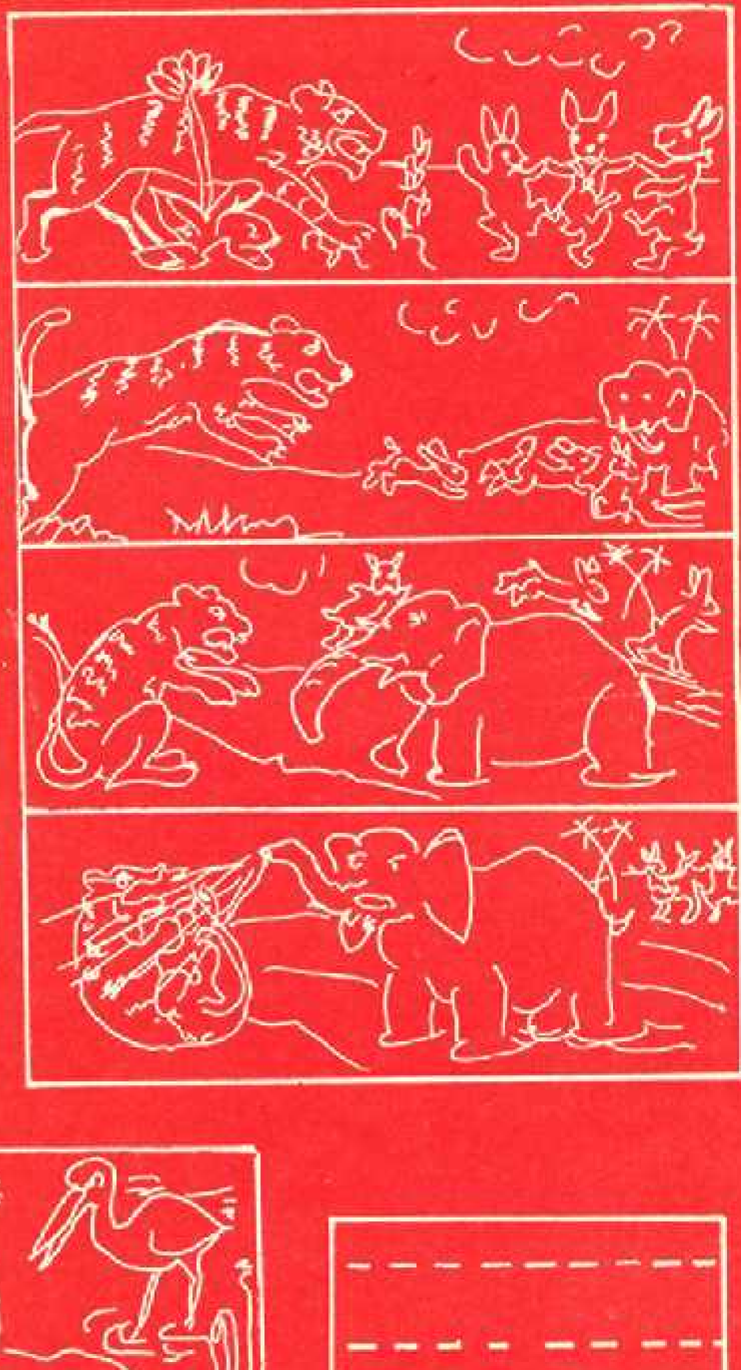

खुशी-खुशी

कक्षा - 1

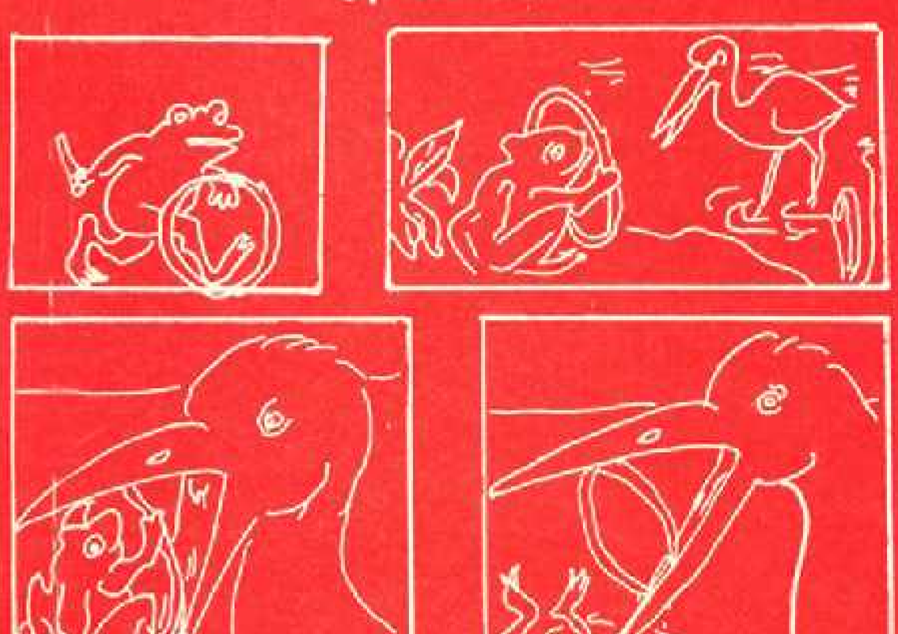

गुरुजी की किताब

यह पुस्तक एकलव्य के प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम के तहत तैयार एवं एकलव्य, अरेरा कॉलोनी, भोपाल द्वारा प्रकाशित की गई है। इस पुस्तक की सामग्री तैयार करने के लिए कई स्रोतों की मदद ली गई है।
मुद्रण : राजकमल ऑफसेट प्रिंटर्स, भोपाल। वर्ष 2001

अन्दर का कवर एवं पृष्ठ 1

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र है। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियाँ भी सोचें व कराएँ।
- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ, अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।
- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।
- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा कम करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।
- एक गतिविधि से कई दक्षताएँ विकसित की जा सकती हैं। गतिविधियाँ इस प्रकार से कराएँ कि पाठ्यक्रम की कई दक्षताओं का विकास हो सके।

गतिविधियाँ -

- चित्रों पर चर्चा- बच्चों का ध्यान चित्रों की ओर आकर्षित करें; क्या है, क्या हो रहा है, के अलावा।
- हाथी कहाँ है? दुकान में क्या-क्या है? यह क्या हो सकता है? जैसे प्रश्न भी पूछें।
- बच्चों को आपस में चित्रों पर बातचीत करने के लिये प्रोत्साहित करें।
- कुछ चित्रों को मिला कर कहानी/घटना सुनें-सुनाएँ। जैसे, एक दिन श्याम गाड़ी पर बैठ कर जा रहा था। उसे एक हाथी मिला। हाथी ने कहा...
- कुछ चित्र जैसे या को काल्पनिक नाम देकर पात्र बनाएँ।
- चित्रों में गिनने के अभ्यास करें।
- कविता/गीत गाना आगे बढ़ाना। कविता कई तरह से आगे बढ़ाई जा सकती है -

घोटल मोटल खोपरा खाए गाड़ी पे बैठ कर जतरा जाए
***आगड़ बागड़** खोपरा खाए गाड़ी पे बैठ कर जतरा जाए*
***लछमी रानी**..*

या

*घोटल मोटल खोपरा खाए **साईकिल** पे बैठ कर जतरा जाए....*

एकलव्य
चक्कर रोड मालाखेड़ी
होशंगाबाद (म.प्र.) 461001
फोन (07574)

बच्चों को काल्पनिक चीज़ें जोड़ने के लिये प्रोत्साहित करें। जैसे कागज़ पर बैठकर बादल पर जाएँ।
- चित्रों में जतरा जाने या उस से संबंधित कौन से चित्र हैं?
- बच्चों के जतरा के अनुभवों पर चर्चा।
- खाली जगह पर बच्चे अपने मन से, अनुभव और कल्पना से चित्र बनाएँ।
- पृष्ठ1के ☐ में बच्चे अपना चित्र भी बनाएँ। चित्र के नीचे अपना नाम लिखें।

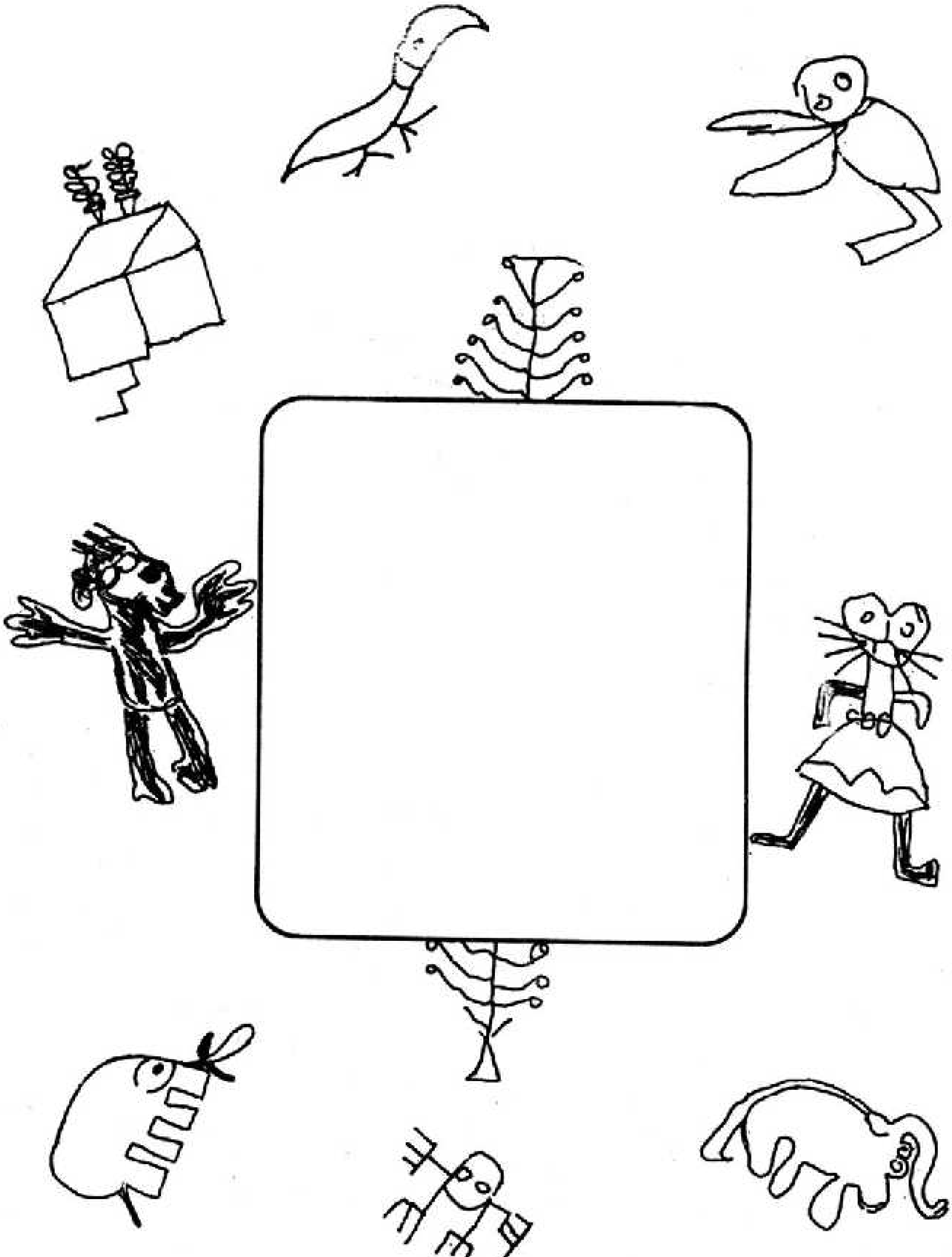

- नाम कार्ड ढूँढने की गतिविधि। खाली कार्ड पर बच्चों के नाम लिख दें। तख्ते पर एक बच्चे का नाम लिखें, बच्चे अपना-अपना नाम कार्ड ढूँढें और अपनी पट्टी पर भी लिखें।

नोट- इन पन्नों पर दिये गये चित्र अलग-अलग बच्चों द्वारा बनाए गये हैं। ऐसे चित्र चुने गये हैं जिनमें चर्चा की अनेक संभावनाएँ हैं। इन पर चर्चा करते समय, यह क्या है? के उत्तर में एक उत्तर की अपेक्षा न करें परंतु जो भी बच्चा कहे, उसका कारण जानने की कोशिश करें, जैसे यदि.......... को एक बच्चा बिल्ली कह सकता है, दूसरा कुछ और - मुख्य बात अपने कारण देने से हैं।

- बच्चों को अपनी तरह के चित्र बनाने के लिये प्रोत्साहित करें- आपके हिसाब से चित्र अच्छा या संतुलित बनाने पर बिल्कुल ज़ोर न दें। बच्चों ने जो चित्र बना लिए हैं, उनमें और चीज़ें जोड़ने के लिये प्रोत्साहित करें।

- घोटल मोटल वाली कविता बच्चों द्वारा स्वयं गाँवों में गाई जाती है। बच्चों के अपने गीतों को कक्षा में जगह देना, उनको पढ़ना सीखने की ओर प्रोत्साहित करने के लिये बहुत ज़रूरी है। आप बच्चों के और स्थानीय गीत, चाहे वे उनकी मातृभाषा में हों, भी कक्षा में गवाएँ।

इस पन्ने पर आपने कौन-सी गतिविधियाँ कराईं-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन-सी नई गतिविधियाँ बनाईं व कराईं?(संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को कौन-सी गतिविधियों में ज़्यादा मज़ा आया? किसमें दिक्कत आई?

फल

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र हैं। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियाँ भी सोचें व कराएँ।
- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।
- ठोस वस्तुओं व कार्डो का अधिक से अधिक उपयोग करें।
- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा न करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।
- एक गतिविधि से कई दक्षताएँ विकसित की जा सकती हैं। गतिविधियाँ इस प्रकार से कराएँ कि पाठ्यक्रम की कई दक्षताओं का विकास हो सके।

गतिविधियाँ -

- फल कविता एक्शन के साथ करना-कराना।
- चित्र पर चर्चा; कौन से फल दिख रहे हैं? पेड़ पर क्या होता है? कौन रहता है?
- बच्चों द्वारा बताए गये नाम तख्ते पर लिखना व उनका शब्द-चित्र कार्डो से मिलान करना।
- आसपास से अलग-अलग तरह की चीज़ें फल, फूल, बीज, पत्ती, तीली लाकर चीज़ें बनाना व उन पर बातचीत करना।।
- फलों व पत्तियों के हरेक चित्र पर बारी-बारी से एक-एक कंकड़ रखना। फल और पत्ती अलग-अलग गिनना। कौन-सी चीज़ अधिक है?
- खाली जगह पर अन्य फल, फूल आदि के चित्र बनाना।
- शब्द-चित्र कार्डो में से फलों के कार्ड छाँटना। शब्द-चित्र कार्ड से देख कर चित्रों के नीचे फलों के नाम लिखना। शब्द-कार्डो से वाक्य बनाना, जैसे *आम का पेड़ है। सेब-——।*
- कविता के शब्दों पर उंगली रखकर ज़ोर से पढ़ना। पन्ने में नीचे लिखे शब्द कविता में पहचानना।
- कुछ अक्षरों की पहचान जैसे *स र ट प ल* आदि। इनके अक्षर-कार्ड ढूँढना। इन अक्षरों से नए शब्द बनाना और पट्टी पर लिखना।

नोट- अक्षर पहचान के समय ध्यान रहे कि मात्रा-युक्त एवं बिना मात्रा के अक्षर अलग-अलग देखें जैसे ल-ली त-ती...
अक्षर आकृति एवं ध्वनि में सामंजस्य बैठाने की कोशिश करें।
किसी अक्षर को किसी विशेष शब्द से जोड़कर न कहें, जैसे स सरोते का न कहें।

इस पन्ने पर आपने कौन-सी गतिविधियाँ कराईं-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन-सी नई गतिविधियाँ बनाईं व कराईं? (संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को कौन-सी गतिविधियों में ज़्यादा मज़ा आया? किनमें दिक्कत आई?

फल

चली हवा है सर सर सर
झड़ती पत्ती झर झर झर
टपक रहे हैं टप टप फल
ढूंढो इनमें कितने फल।

सर   झर   टप   फल

बिल्ली और मछली

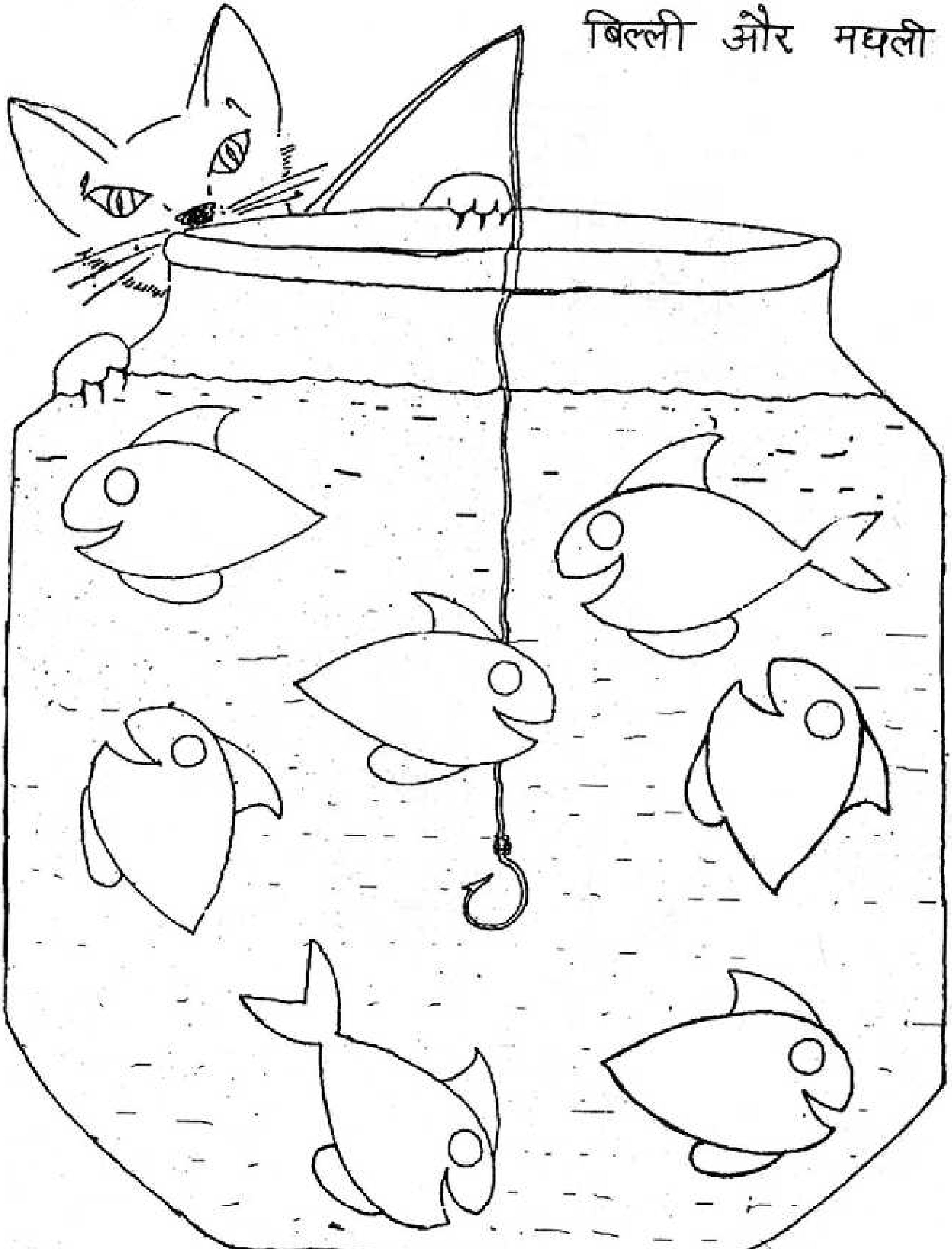

बिल्ली और मछली

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र है। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियाँ भी सोचें व कराएँ।
- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।
- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।
- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा न करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।
- एक गतिविधि से कई दक्षताएँ विकसित की जा सकती हैं। गतिविधियां इस प्रकार से कराएँ कि पाठ्यक्रम की कई दक्षताओं का विकास हो सके।

गतिविधियाँ -

- चित्र पर चर्चा करें व कहानी बना कर सुनाएँ। अच्छा हो अगर कहानी सुनाते-सुनाते चित्र की ओर ध्यान आकर्षित करें, जैसे दुर्गा ने एक बर्तन में मछलियाँ पाली थीं। कुछ बिना पूँछ की थी और कुछ पूँछ वाली। बिना पूँछ की मछलियों पर एक-एक कंकड़ रखो...
- बच्चों के सहयोग से कहानी आगे बढ़ाएँ। जैसे बिल्ली को पता चल गया कि दुर्गा के पास मछलियाँ हैं। वह एक दिन मछलियां खाने आई... फिर क्या हुआ?
- चित्र में कई तरह की मछलियाँ हैं - ऊपर जाने वाली, नीचे जाने वाली, दाएँ व बाएँ जाने वाली, बिना पूँछ वाली आदि। अलग-अलग तरह की मछलियाँ गिनवाएँ और कम-ज़्यादा, बराबर का अहसास कराएँ। दुर्गा ने दो और मछली डालीं तो कितनी हुईं? बिल्ली ने एक मछली खाली तो कितनी बचीं? ऐसे सवालों पर चर्चा करो।
- कागज़ या पत्तों फाड़ कर मछलियों की पूँछ बनाकर मछलियाँ पूरी करवाएँ।
- बिल्ली, मछली, पानी व ज़मीन पर रहने वाले जीवों पर चर्चा, कविता आदि।
- मछली व बिल्ली का शब्द चित्र-कार्ड बच्चे ढूँढें। उसे देख कर हर मछली पर मछली लिखें।
- म से शुरू होने वाले और शब्द बोलना। तख्ते पर शिक्षक इन्हें लिखें बच्चे उतारें। अक्षर-कार्डों से मछली शब्द बनानन।

नोट - चित्र पर चर्चा करते समय बच्चों को बताएँ नहीं कि ये मछली है, ये बिल्ली है। बच्चों से स्वयं पूछें। बच्चे बताएंगे, भले ही अपनी भाषा में। यदि वे अपनी भाषा में बोलते हैं, तो उसे स्वीकारें और साथ में उन्हें हिन्दी का शब्द भी बताएँ।

इस पन्ने पर आपने कौन-सी गतिविधियाँ कराईं-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन-सी नई गतिविधियाँ बनाईं व कराईं ?(संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को कौन-सी गतिविधियों में ज़्यादा मज़ा आया? किनमें दिक्कत आई?

कौन कहाँ

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र हैं। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियाँ भी सोचें व कराएँ।
- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।
- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।
- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा न करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ

- कविता का एक्शन के साथ गाना व रोल प्ले (बच्चे ताला-चाबी और सुई-धागे की जोड़ियाँ बना लें) वस्तुएँ किससे बनीं......मेले आदि पर चर्चा।
- संबंधित शब्द चित्र-कार्ड ढूँढना और जोड़ियाँ बनाना व नाम लिखना। अन्य चित्र-कार्डों से और भी जोड़ियाँ बनाना व कविता में जोड़ना। मौखिक रूप से भी और जोड़ियाँ बनाना जैसे रस्सी-बाल्टी, स्लेट-कलम आदि। मिट्टी से चीज़ें बनाना, मेले का चित्र बनाना।
- एक से अधिक बार आने वाले शब्दों की जोड़ी ढूँढना। जोड़ी वाले शब्द का क्रम बदलकर लिखना व पढ़ना, जैसे **ताला-चाबी** को **चाबी-ताला**।
- अक्षर व मात्रा पहचान; रेले मेले निकले, कहाँ यहाँ वहाँ, रोए गए खोए...ऐसे शब्दों को बोलकर व लिखकर फिर एक-से अक्षर व एक-सी मात्रा पर गोले लगाकर उन्हें अक्षर-कार्ड के साथ पहचानना व नए शब्द बनाना।
- एक जोड़ी के चित्रों के पास एक लाइन खींचकर अंक लिखना जैसे गिल्ली 4 डंडा 4 चित्रों के संबंध के आधार पर जोड़ी बनाना; पहले कुछ वस्तु रखकर जैसे, सुई और धागे पर पत्ती, चकला बेलन पर कंकड़ फिर लाइन खींचकर।

नोट- शब्दों के लिखित व बोले गए रूप में सामंजस्य बैठाना ज़रूरी है।

- रुचिकर संदर्भ (जैसे कहानी-कविता, चित्र) से शब्दों पर ध्यान केंद्रित करें। पर इससे पहले पर्याप्त मौखिक गतिविधियाँ कराएँ। संबंधित अभ्यास पृष्ठ 39 एवं 57 जैसे कुछ उपयुक्त अभ्यास कराएँ।

इस पन्ने पर कौन-सी गतिविधि कब कराई?

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

इस पन्ने पर कौन-सी नई गतिविधियाँ आपने बनाईं व कराईं। (संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को किन गतिविधियों में ज़्यादा मज़ा आया? किनमें दिक्कत आई?

कौन कहाँ

ताला - चाबी निकले साथ,
सुई धागे से करते बात।
पहुँचे सब एक मेले में,
खो गए सब एक रेले में।
ताला पूछे चाबी कहाँ,
धागा रोए सुई कहाँ।

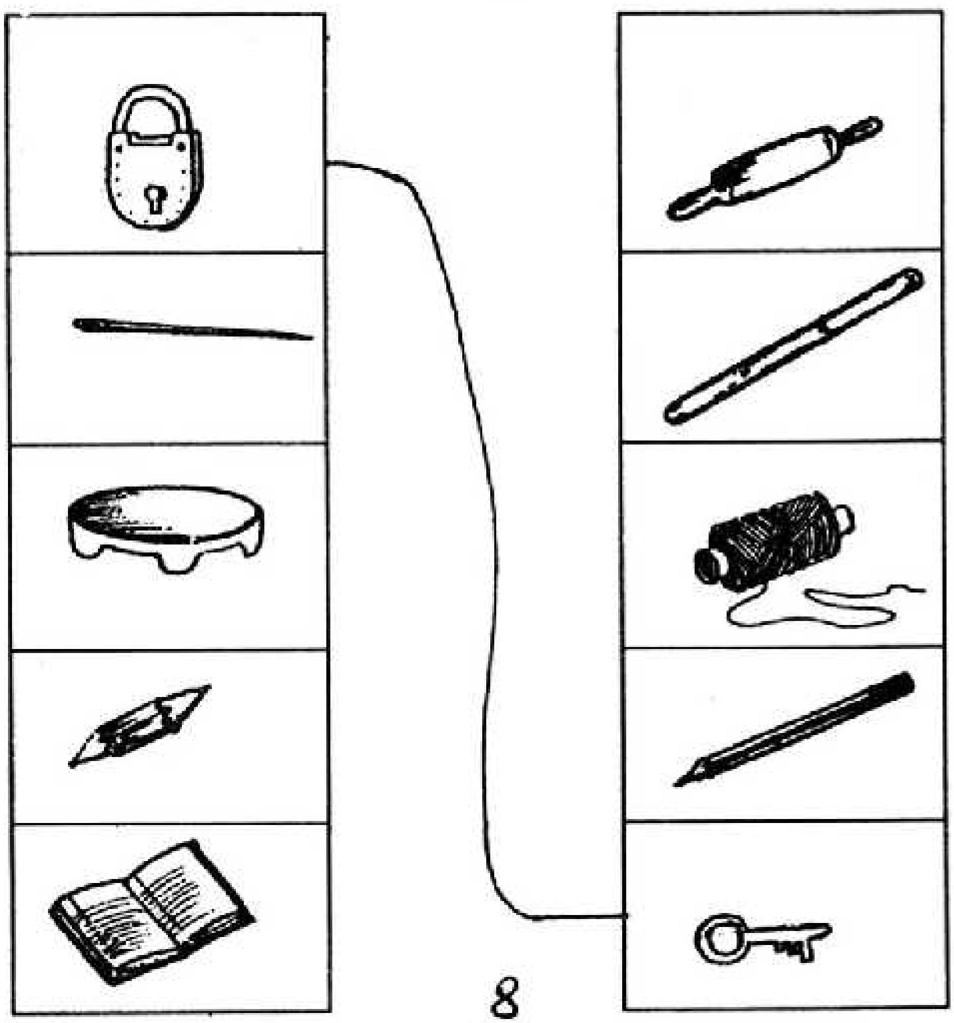

ताला	बेलन
सुई	डंडा
चकला	धागा
गिल्ली	पेंसिल
कापी	चाबी

भूल भुलैया

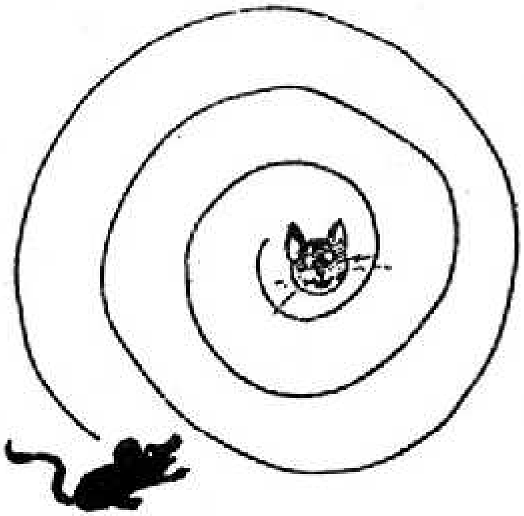

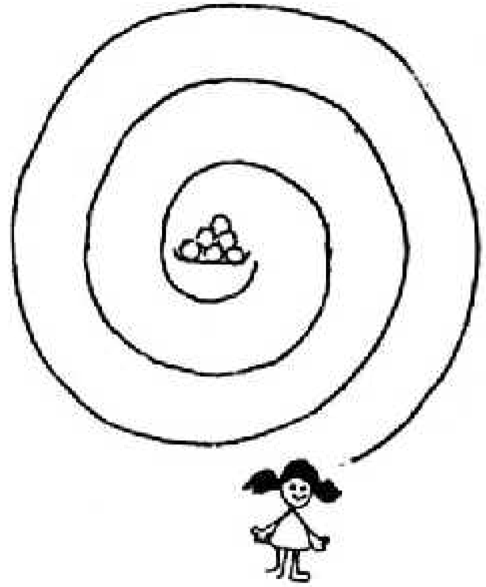

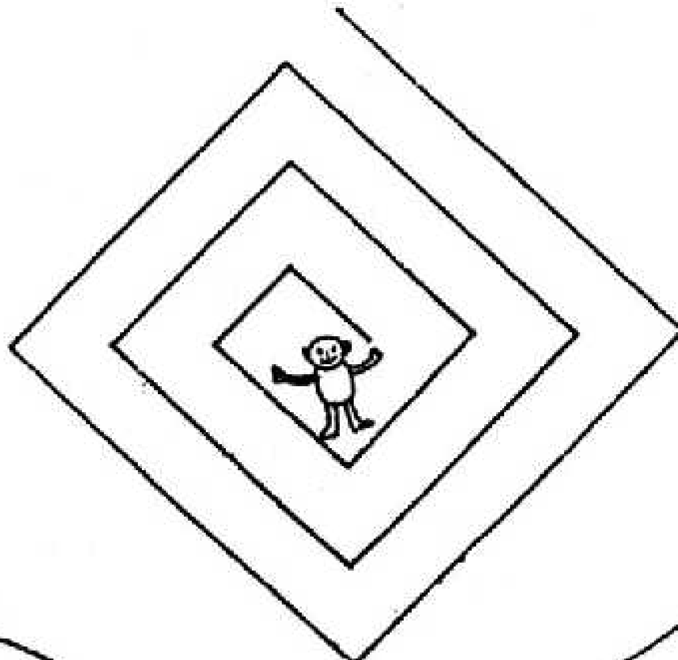

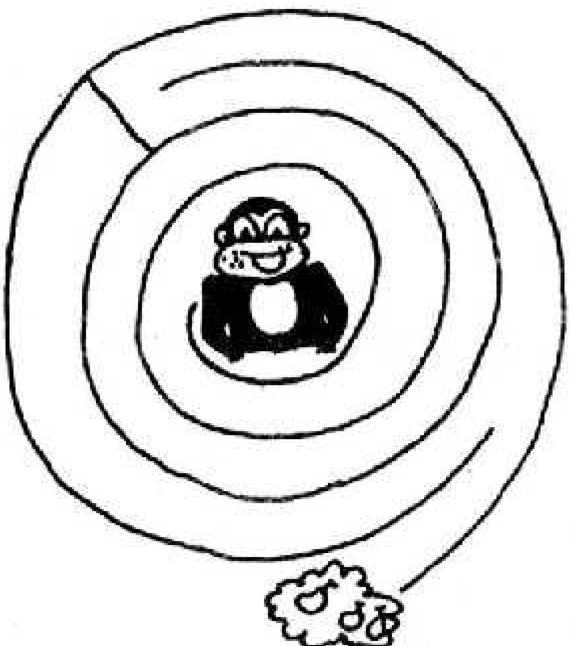

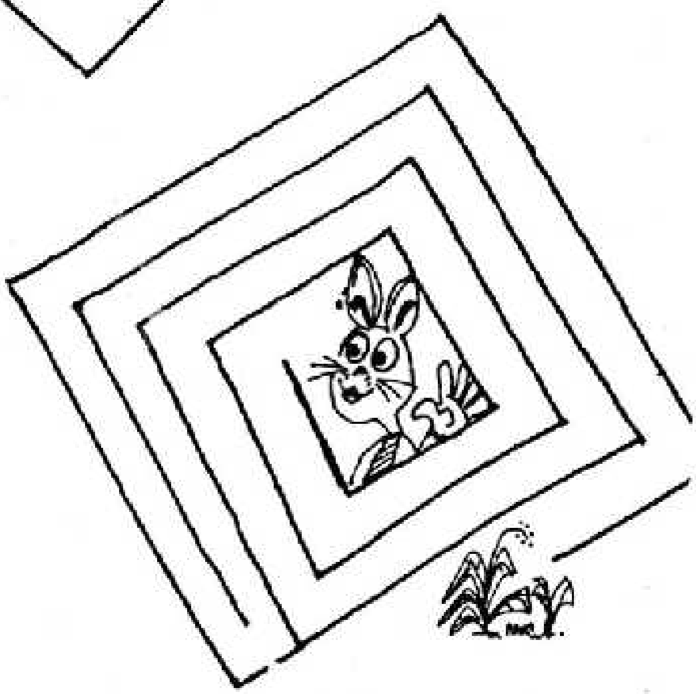

भूल-भुलैया

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र है। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियाँ भी सोचें व कराएँ।
- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।
- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।
- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा न करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ-

- हरेक भूल-भुलैया की छोटी-छोटी कहानी या कविता सुनाना, बच्चों से सुनना। तख्ते पर शिक्षक लिखकर पढ़े।
- इस प्रकार की आसान भूल-भुलैया धूल में और पट्टी पर बनाना व बच्चों से उसमें उंगली, तिनका, कलम घुमवाना।
- ज़मीन पर बड़ी भूल-भुलैया बनाना और बच्चों से उसमें चलने को कहना।
- चित्र में बनी चीज़ों के नाम लिखवाना।
- ओर भी तरह की भूल-भुलैया बनवाना व करवाना।
- खाली जगह पर बच्चे अपने मन से भूल-भुलैया और चित्र बनाएँ ।

नोट - ऊपर की तीन भूल-भुलैया आसान हैं क्योंकि एक ही तरफ पेंसिल घूमती है। नीचे की दो थोड़ी मुश्किल हैं क्योंकि रास्ता एक जगह जाकर रुक जाता है फिर पलटना पड़ता है। इस तरह की भूल-भुलैया पहले पट्टी या धूल पर आप बना लें और बच्चों से करवा लें।

इस पन्ने पर कौन-सी गतिविधियाँ बनाईं व कराईं?

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

आपने इस पन्ने पर और कौन-सी नई गतिविधियाँ बनाई व कराईं?

आपको व बच्चों को किन गतिविधियों में ज़्यादा मज़ा आया? किन में दिक्कत आई?

बराबर जोड़े मिलाओ

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र है। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियाँ भी सोचें व कराएँ।
- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।
- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।
- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा न करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ -

- चित्रों की पहचान व चर्चा; चित्र का नाम लेकर पूछना, कितनी लड़कियाँ हैं? इतनी चीज़ें और किस घेरे में हैं आदि
- दो या तीन समूहों के आधार पर कहानी जैसे कछुए और गेंद या तितली व चिड़िया आदि पर बनाना।
- हर घेरे की संख्या का अंक-कार्ड ढूँढना व घेरे के नीचे संख्या लिखना।
- बराबर वस्तुओं के घेरों को लाईन से मिलाना।
- गिनती की कविताएँ सुनाना। जैसे एक राजा की राजकुमारी
- ठोस वस्तुओं से कम-अधिक-बराबर का अभ्यास कराना। कंकड़, पत्ते, तिनके, बीज के ढेर, धूल में या पट्टी पर गोला बना कर रखना और उनकी तुलना कराना।
- पन्ने में किस घेरे में कम हैं? कितने कम या कितने अधिक हैं?
- जोड़, घटा, कम, ज़्यादा के मौखिक सवाल जैसे मिसराम के पास 3 कंचे हैं व श्याम के पास 5। किस के पास अधिक हैं? कितने अधिक?
- हर समूह की संख्या के पहले व बाद की संख्या ○ और □ में लिखना जैसे ② 3 [4]
- संबंधित अभ्यास 0 से 5 तक की संख्या के लिये पृष्ठ 48 जैसे अभ्यास कराना।
- यदि बच्चे गिन न पाएं तो दो समूहों की हर चीज़ लाईन से जोड़ कर तुलना कराएँ। यह तख्ते पर करा सकते हैं।

नोट - ध्यान रहे कि बच्चे अंतर्राष्ट्रीय अंक लिखें।
- 2 व 5 में बच्चों को भ्रम हो सकता है। यदि ऐसा हो तो बच्चे का ध्यान अब कार्ड के पीछे बनी बिन्दियों की ओर आकर्षित करें।
- वस्तुओं के आकार की बजाए उनकी संख्या पर ध्यान दिलाएं।
गणित में बराबर शब्द आकार और संख्या दोनों संदर्भों में उपयोग होता है। यह आम बोलचाल में "लगातार" के रूप में भी उपयोग होता है। इसीलिये ध्यान देना ज़रूरी है।

इस पन्ने पर आपने कौन-सी गतिविधि कब कराई?

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

आपने और कौन कौन-सी गतिविधियाँ बनाई व कराई? (संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को कौन-सी गतिविधियों में ज़्यादा मज़ा आया? किनमें दिक्कत आई?

बराबर जोड़े मिलाओ

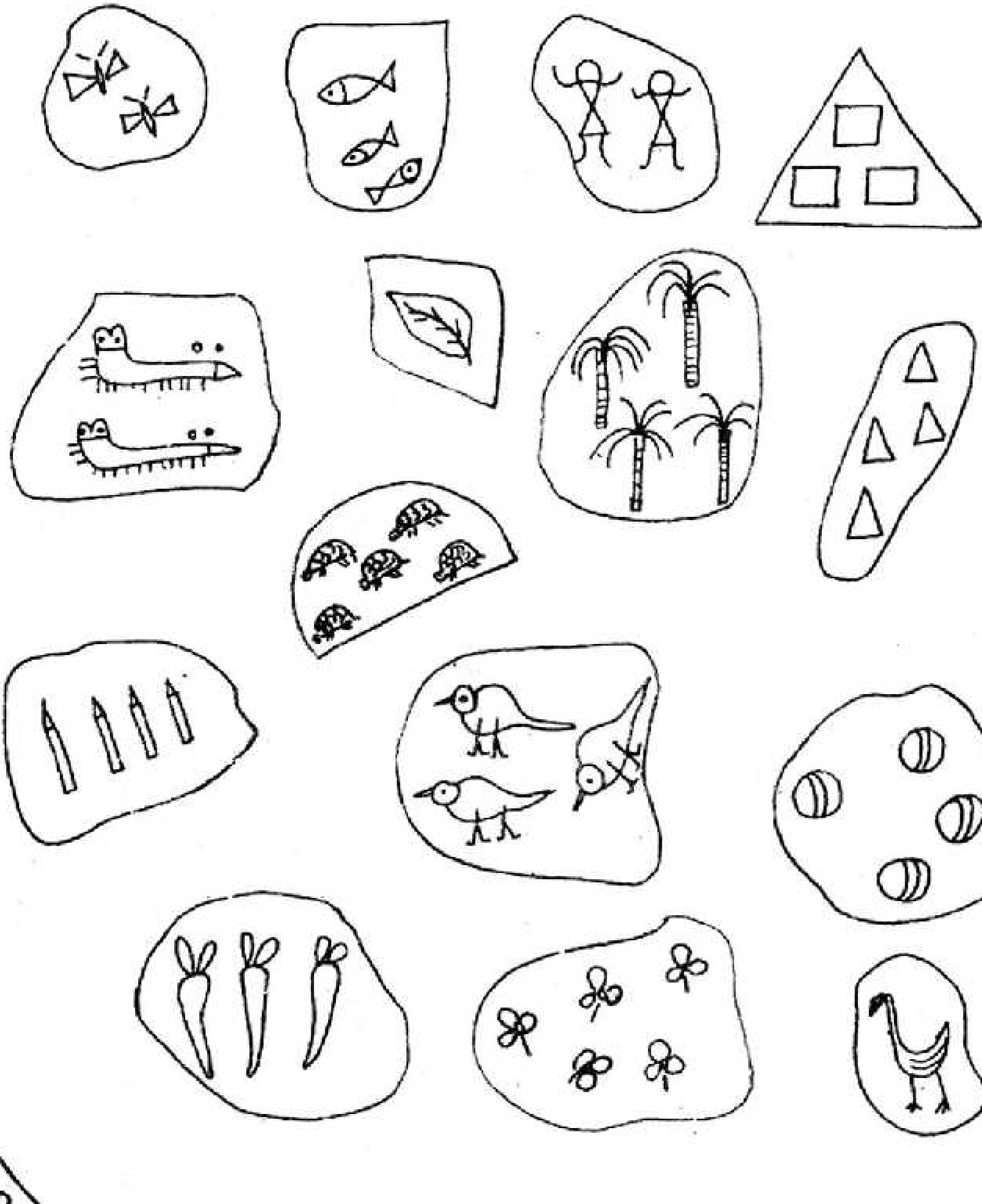

ठेले में, और खेत में और स्कूल में...

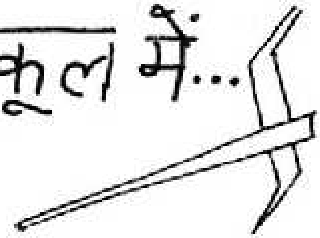

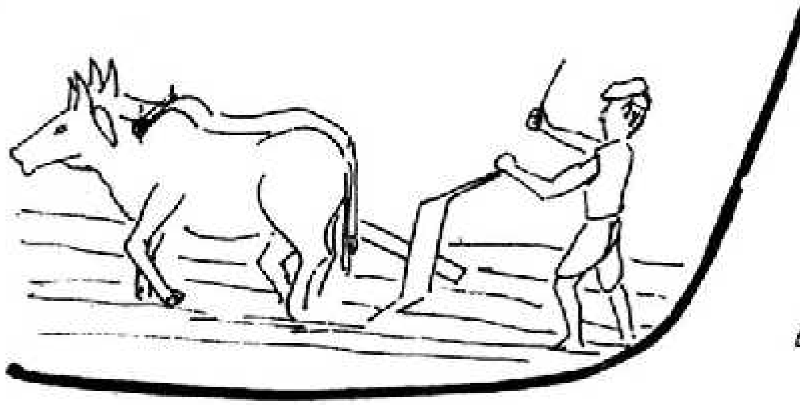

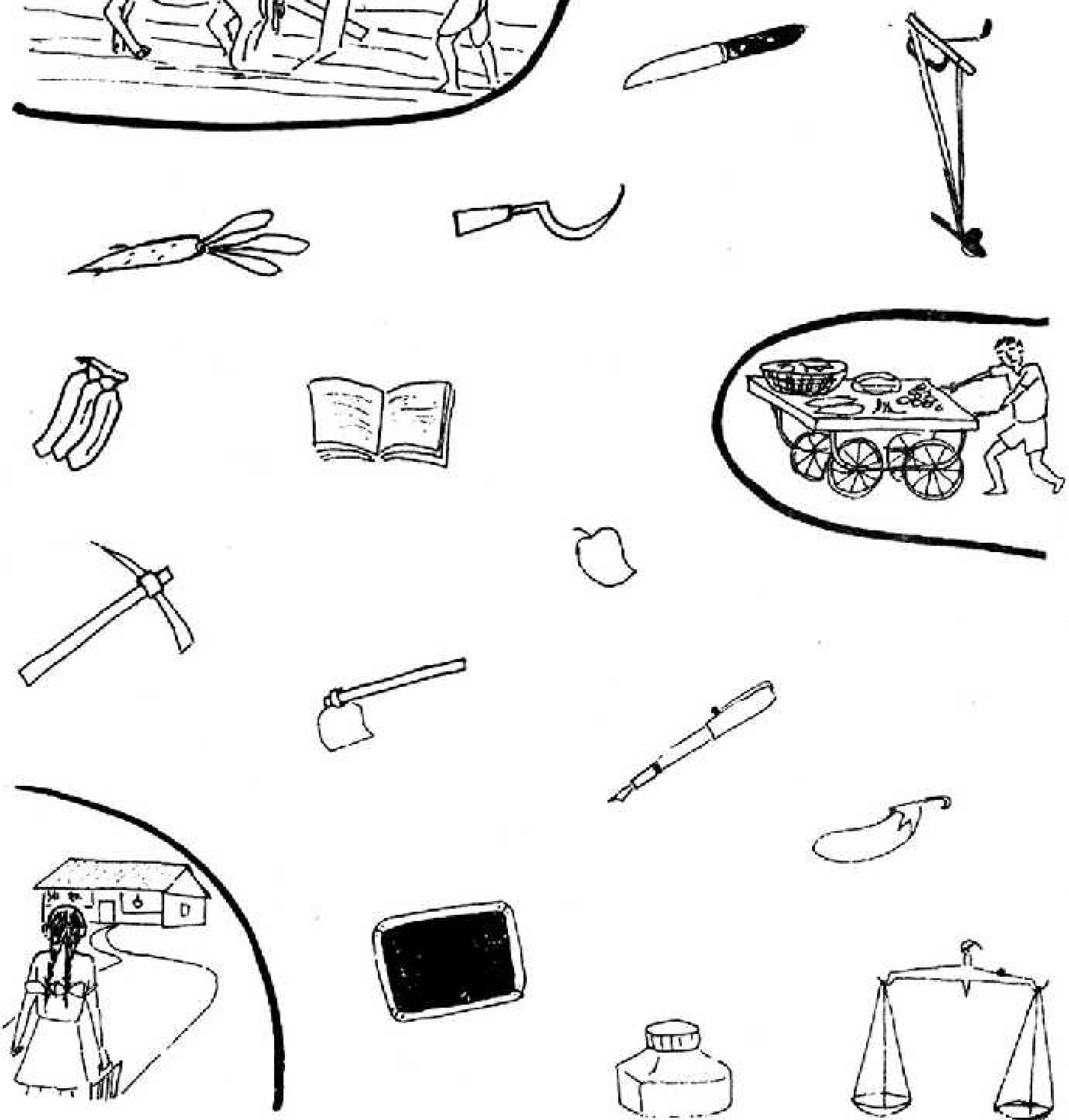

ठेले में और खेत में और स्कूल में

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र है। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियाँ भी सोचें व कराएँ।
- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।
- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।
- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा न करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ-

- चित्र पर बातचीत - क्या क्या है? लड़की क्या कर रही है? ठेले पर कौन-सी सब्जियाँ हैं? आदि
- चित्र में दर्शाई वस्तुएँ व संबंधित वस्तुएँ गीली मिट्टी से बनाना।
- खिलौना तराजू बनाकर सब्जी फल किराने वाले का खेल खेलना। (सामान के लिये आसपास की वस्तुएं जैसे अलग-अलग बीज, पत्ती, तीली, कंकड़, आदि का उपयोग कर सकते हैं और बांट के लिये ढक्कन, माचिस की डिब्बी (धूल या रेत से भरी) आदि का उपयोग कर सकते हैं पता लगाना कि क्या भारी है और क्या हल्का?
- कौन सी चीज़ें किस के काम आयेगी यह दिखाने के लिए हर वस्तु पर गोला लगाकर सही जगह से लाईन खींच कर जोडें।

किस के पास अधिक चीजें आईं?

- शब्द चित्र कार्डों से भी छंटाई का यह खेल खेलें।
- चित्र से कहानी-कविता सुनना सुनाना- जैसे जब मैं स्कूल जा रही थी मुझे एक खरगोश मिला

नोट- समूहीकरण एक बहुत ही बुनियादी और जरूरी मानसिक कौशल है जिसे विकसित करने के लिये बच्चों को कई मौके देना ज़रूरी है।

इस पन्ने पर आपने कौन-सी गतिविधियाँ कराईं-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन-सी नई गतिविधियाँ बनाईं व कराईं? (संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को कौन-सी गतिविधियों में ज़्यादा मज़ा आया? किनमें दिक्कत आई?

फूल और फल

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र है। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियाँ भी सोचें व कराएँ।
- *सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।*
- *ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।*
- *बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा न करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।*

गतिविधियाँ-

- चित्र पर कहानी/चर्चा; चित्र में क्या-क्या है? पहले पौधे में क्या आता है? फिर क्या? .....फल के अंदर क्या होता है?
- सबसे लंबा पौधा...... सबसे छोटी तितली कौन-सी है? पहले पौधे पर कितने फल, फूल, पत्ती हैं? दूसरे पर... तीसरे पर? चौथे पर? ऐसे सवाल भी पूछना जिसका उत्तर कुछ नहीं हो और 0 का परिचय देना। संख्याओं के अंक-कार्ड ढुँढवाने...... का भी परिचय देना।
- सबसे अधिक फल....... सबसे कम पत्तियाँ...... किस पौधे पर हैं? ऐसे सवाल पूछना।
- चित्र में और चीजें जोड़ना (कहानी या निर्देशों के अनुसार)।
- किसी पौधे को बढ़ते हुए देखना; कब फूल आये, कब पत्ती आदि।

इस पन्ने पर आपने कौन-सी गतिविधियाँ कराईं-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन-सी नई गतिविधियाँ बनाईं व कराईं? (संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को कौन-सी गतिविधियों में ज़्यादा मज़ा आया? किनमें दिक्कत आई?

फूल और फल

बाज़ार

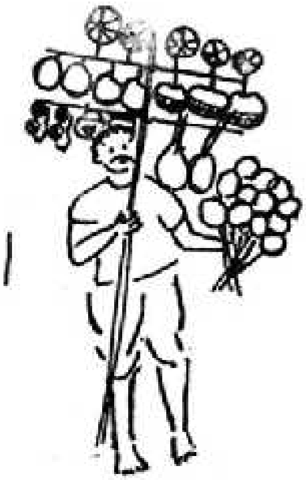

आडर बाडर लगा बाज़ार
लोग हैं आए खूब हज़ार ।

हल्दी सब्ज़ी मटका अचार
बैठ करे हैं सोच विचार ।

भीड़ मड़क्का धक्कम धक्का
ठाका ठम्मम झम्मम झटका ।

गुड़ की भेली हक्का बक्का
बगरी मिर्ची फूटा मंटका

रोई सब्जी, रोया अचार
लोग भी रोए खूब हज़ार ।

बाज़ार

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र हैं। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियाँ भी सोचें व कराएँ।
- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।
- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।
- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा न करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ-

- कविता हाव-भाव व एक्शन के साथ गाना। बोर्ड पर लिखकर उंगली रखकर कविता पढ़ना।
- बाज़ार पर कहानी, चर्चा, रोल प्ले; खिलौना तराजू से तौलने-खरीदने बेचने के अभ्यास, जिसमें नोट व सिक्के बनाना।
- चित्र पर चर्चा? क्या-क्या है? कितनी फिरकनी...... कितने गुब्बारे? कौन-सी चीज़ कम है, कौन-सी ज़्यादा...... आदि।
- कविता पर चित्र बनाना।
- शब्द पहचान; शब्दों से वाक्य बनाना।
- अक्षर पहचान व मात्रा पहचान। जैसे **र,री,रे,रो** बाद में अधिक अक्षर व मात्रा से शब्द बनाना।(पृष्ठ 39 और 57 जैसे अभ्यास करें)

नोट- कविता में पढ़ने और पढ़ने पूर्व तैयारी के लिये काफी संभावनाएँ हैं।
पढ़ने के अभ्यासों से पहले कई मौखिक गतिविधियाँ कराना ज़रूरी हैं।

इस पन्ने पर आपने कौन-सी गतिविधियाँ कराईं-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन-सी नई गतिविधियाँ बनाईं व कराईं? (संक्षिप्त विवरण)

___

___

___

आपको व बच्चों को कौन-सी गतिविधियों में ज्यादा मज़ा आया? किनमें दिक्कत आई?

___

___

___

आगे बढ़ाओ

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र हैं। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियाँ भी सोचें व कराएँ।
- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।
- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।
- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा न करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ-

- तीलियों, कंकड़ों से इस प्रकार के क्रम में पैटर्न बनाना।
- खाली जगह पर क्रम से आकृतियाँ आगे बढ़ाना; पहले ठोस वस्तुओं से फिर पेंसिल से।
- नए क्रम वाले पैटर्न बनाना जैसे ○○□○○ आदि। फिर उन्हें दूसरी जगह पर छोड़ना जैसे ||=||=|| यह क्रम = से वापस शुरू होगा।
- शिक्षक के निर्देशानुसार पैटर्न बनाना जैसे दो पत्ती खड़ी, एक कंकड़, एक तीली आड़ी, दो पत्ती खड़ी।
- पैटर्न पूरा होने के बाद जिन वस्तुओं या चित्रों से पैटर्न बना है, उन्हें गिनना जैसे कितनी लाईनें कितने गोले?
- दिशा वाले और पैटर्न बनाना जैसे ∩∪ ∪∩, → ← आदि।
- आसपास की वस्तुओं, घटनाओं में क्रम का अवलोकन व उस पर बातचीत जैसे फूलों में अंखुड़ियों व पंखुड़ियों का क्रम, डाल पर पत्तों का क्रम, फली में बीजों का क्रम (अक्सर डाल पर पत्तियां और फली में बीज, एक एक तरफ और दूसरा दूसरी तरफ होते हैं)। सुबह, दोपहर, शाम, रात का क्रम।

नोट- क्रम पूरे जीवन में समझने का एक प्रमुख आधार है। अतः आसपास क्रम देखना, क्रमिक निर्देशों से काम करना आदि बहुत महत्वपूर्ण अनुभव हैं।
- दिशा दूसरी महत्वपूर्ण अवधारणा है। इस पन्ने पर दिये गये पैटर्न ऊपर-नीचे, दाएँ-बाएँ के हिसाब से भी हैं; किस तरफ मुँह खुला है, किस तरफ बंद यह ध्यान रखना ज़रूरी है। बताने की बजाए ऐसे अनुभव के मौके देने से उल्टा लिखने की समस्या अपने आप ठीक होने लगेगी।

इस पन्ने पर आपने कौन-सी गतिविधियाँ कराईं-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन-सी नई गतिविधियाँ बनाईं व कराईं (संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को कौन-सी गतिविधियों में ज़्यादा मज़ा आया? किनमें दिक्कत आई?

आगे बढ़ाओ

⊤ ⊥ ⊤ ⊥ ____________________

|| ○ || ○ || ○ ____________________

↥ ↧ ↥ ↧ ____________________

∩ ∪ ∩ ∪ ____________________

< > < > < > < ____________________

S Ƨ S Ƨ S Ƨ S ____________________

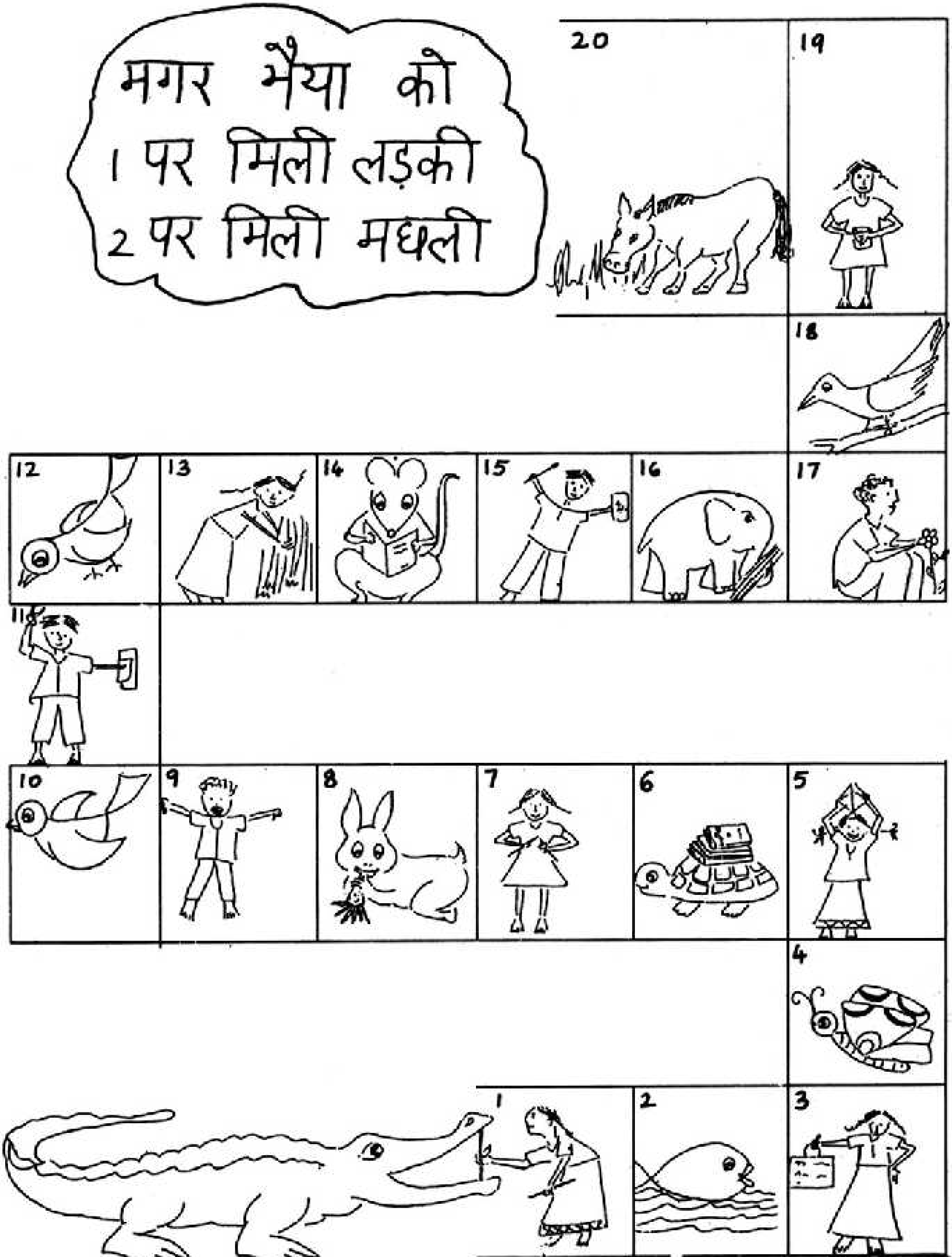
मगर भैया को
1 पर मिली लड़की
2 पर मिली मछली
20
19
18
12
13
14
15
16
17
11
10
9
8
7
6
5
4
1
2
3

मगर भैया

सुझाई गई-गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र है। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियाँ भी सोचें व कराएँ।
- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।
- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।
- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा न करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ -

- चित्रों पर चर्चा; मगर को पहले घर में क्या मिला, दूसरे घर में क्या, अगले घर में क्या? जानवर किन घरों में हैं, लड़की किन घरों में? कितनी लड़कियाँ, लड़के, जानवर, चिड़िया आदि हैं। कछुए के बाद दूसरे घर में क्या मिला, खरगोश के एक घर पहले क्या है? आदि।
- चित्रों के शब्द-कार्ड ढूँढना, शब्द पहचान।
- पृष्ठ 38 के अभ्यास कराएँ।
- मीनू और मगर जैसी कहानी को चित्रों के हिसाब से परिवर्तित करके सुनाएँ।
- पासे या चिए से खेल खेलें; पहले साधारण तरीके से जितने आए उतने घर आगे बढ़ना, फिर नियम बदल कर जैसे लड़की आने पर दो घर और आगे बढ़ें, जानवर मिलने पर एक चाल छोड़ दें या दुगने चाल (पांसे न होने पर चियों का उपयोग करें, 5 या 6 चियें ले सकते है। जब सब चिए औंधे गिरे तो दस नहीं, शून्य गिना जाए)।

नोट- संख्या की दो तरह की अवधारणाएँ होती हैं। एक मात्रात्मक और एक क्रमात्मक। मात्रात्मक यानी (कितने)और क्रमात्मक यानी (कौन सा पहला, दूसरा, तीसरा आदि)। इस पन्ने में क्रमात्मक अवधारणा पर ज़ोर है। यदि कुछ बच्चों को इन दोनों अवधारणाओं के बीच भ्रम होता है, तो बातचीत के माध्यम से इसे दूर करने का प्रयास करें। वैसे आमतौर पर यदि दोनों तरह के अनुभव के मौके बच्चों को दिए जाएँ तो वे स्वयं दोनों अवधारणाएँ विकसित कर लेंगे।

इस पन्ने पर आपने कौन-सी गतिविधियाँ कराईं-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन-सी नई गतिविधियाँ बनाई व कराईं? (संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को कौन-सी गतिविधियों में ज़्यादा मज़ा आया? किनमें दिक्कत आई?

एक और जोड़ो

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र हैं। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियाँ भी सोचें व कराएँ।
- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।
- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।
- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा न करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ -

- अलग-अलग तरह से 3, 4, 5, 6 ठोस वस्तुओं को रखना जैसे 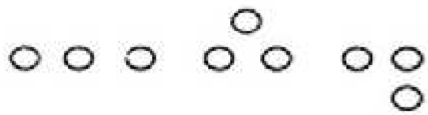
- हर संख्या से संबंधित अंक-कार्ड ढूँढना।
- एक और जोड़कर देखना और अगली संख्या का अंक-कार्ड उठाना।
- डिब्बे ढंक कर एक घटाने का अभ्यास करें। एक घटाकर गिनना और उपयुक्त अंक-कार्ड उठाना।
- डिब्बे गिनकर उनके नीचे बनी लाईन पर लिखना।
- अगली लाईन में एक-एक डिब्बे और बनाएँ और नीचे की लाईन में लिखें।
- तीसरी लाईन में उतने डिब्बे बनाएँ जो दूसरी लाईन में बन गए हैं जैसे 4, 5 फिर इनमें एक और जोड़ें और बनाएँ और उसके नीचे लिखें।
- ऐसे अभ्यास पट्टी पर भी कराएँ।
- अभ्यास के बाद चर्चा करें; 3 में एक और जोड़ा तो कितना हुआ, फिर एक और जोड़ा तो कितना हुआ, 5 में से एक घटाएँ तो कितना बचेगा?
- पट्टी पर बनाकर एक घटाने (मिटाने) के अभ्यास भी कराएँ।
- पन्ने पर बने डिब्बों में छोटे-छोटे चित्र बनाएँ जैसे तितली, चिड़िया, फूल आदि; उन पर बातचीत करें।

नोट - गिनती की अवधारणा एक-एक और जोड़कर ही बनती है इसलिये यह एक महत्वपूर्ण अनुभव है जो गिनती के नामों को संख्या और 'एक और' की अवधारणा से जोड़ता है।
- गणित की अमूर्त अवधारणाओं तक पहुँचने के लिये बच्चों का कार्यों के साथ बातचीत करना ज़रूरी है।
- घटाना जोड़ की विपरीत क्रिया है, अतः एक घटाने के अभ्यास भी इस पन्ने के साथ कराएँ तो अच्छा होगा।

इस पन्ने पर आपने कौन-सी गतिविधियाँ कराईं-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन-सी नई गतिविधियाँ बनाई व कराई? (संक्षिप्त विवरण)

____

____

आपको व बच्चों को कौन-सी गतिविधियों में ज़्यादा मज़ा आया? किनमें दिक्कत आई?

____

____

एक और जोड़ो

गिनो

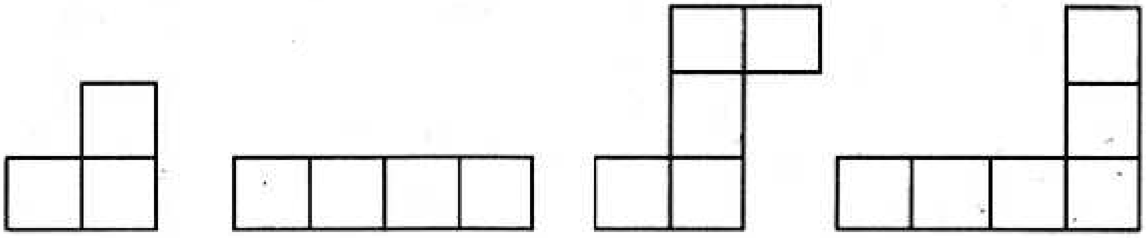

लिखो ---- -------- ------ -------

एक और जोड़कर

गिनो

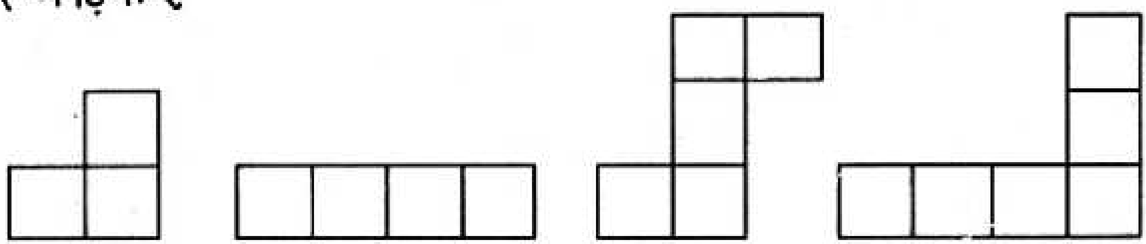

लिखो ---- -------- ------ -------

एक और जोड़ो

लिखो ---- -------- ------ -------

आगे बनाओ......

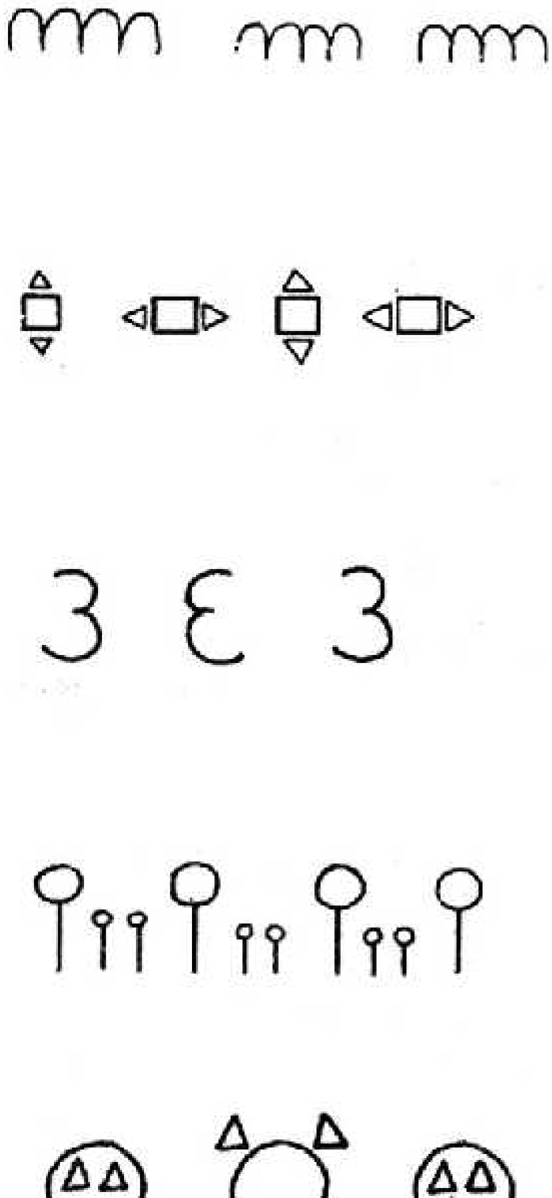

आगे बनाओ

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र हैं। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियाँ भी सोचें व कराएँ।
- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।
- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।
- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा न करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ -

- पृष्ठ 14 पर की गई सभी गतिविधियाँ।
- पन्ने पर बनी आकृतियों को मिलाकर चित्र बनाना जैसे पृष्ठ 4 पर

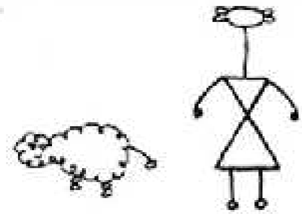

- पैटर्न में बनाई गई चीज़ों के बीच अंतर समानता पर बातचीत जैसे

दोनों में एक बड़ा चौकोर और दो तिकोन हैं पर पहले में तिकोन आजू-बाजू हैं दूसरे में ऊपर नीचे।

- में पहले बड़ा गोला और लाईन है फिर 2 छोटे गोले और लाईन हैं, पर सभी में गोले और लाईनें ही हैं।
- टोलियों में बच्चे एक दूसरे से ऐसे बारीक अंतर समानता के सवाल पूछें, और चित्र पैटर्न बनाएँ।

इस पन्ने पर आपने कौन-सी गतिविधियाँ कराईं-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन-सी नई गतिविधियाँ बनाईं व कराईं? (संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को कौन-सी गतिविधियों में ज़्यादा मज़ा आया? किसमें दिक्कत आई?

मटका मटकी

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र है। इन्हे बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियाँ भी सोचें व कराएँ।
- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।
- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।
- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा न करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ -

- चित्र पर चर्चा, कहानी-चित्र में दर्शाई गई चीज़ों को गिनना। कम, ज़्यादा, बराबर के सवाल करना जैसे तितली ज़्यादा है कि चिड़िया, तितली ज़्यादा है कि बड़े फूल आदि। ऐसे सवाल भी पूछना जैसे कितनी बिल्लियां हैं? या कितने गधे हैं? जिनका उत्तर कुछ नहीं या 0 हो, इस तरह के सवालों से 0 का परिचय और अभ्यास कराना। संदर्भ से अन्य मौखिक सवाल-जवाब करना।
- चाक, कुम्हार मटके बनाने का तरीका आदि के बारे में चर्चा। ऐसे ही और लोगों के बारे में जैसे बढ़ई, किसान आदि। बड़े-छोटे, लंबे-छोटे, पास-दूर आदि पर चर्चा। जैसे सबसे लंबा पेड़ कौन-सा है? कुम्हार ने कितने बड़े, कितने छोटे मटके बनाए? सबसे ऊंचा पहाड़ कौन-सा है? कुँए के ज़्यादा पास क्या है, घर या कुम्हार? (उंगली से नाप सकते हैं) घर के, कुम्हार के आगे क्या है? पीछे क्या है?
- मिट्टी और आसपास की चीज़ों से चित्र की चीज़ें बनाना।
- चित्र में और चीज़ें जोड़ना।
- पृष्ठ 10 एवं 12 से और गतिविधियाँ।

नोटः गणित की अवधारणाएँ समझने में अनुभव के साथ-साथ भाषा के उपयोग का बहुत महत्व है। अतः इस पन्ने पर ऊपर दिये गये भाषा प्रयोग के पर्याप्त मौके दें।

- अधिकांश लोगों के लिये गणित की अवधारणाएँ संदर्भ में उपयोगी होती हैं। चित्र में बच्चों के आसपास के कई वास्तविक संदर्भ हैं जिनका उपयोग किया जा सकता है।

इस पन्ने पर आपने कौन-सी गतिविधियाँ कराईं-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन-सी नई गतिविधियाँ बनाईं व कराईं? (संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को कौन-सी गतिविधियों में ज़्यादा मज़ा आया? किनमें दिक्कत आई?

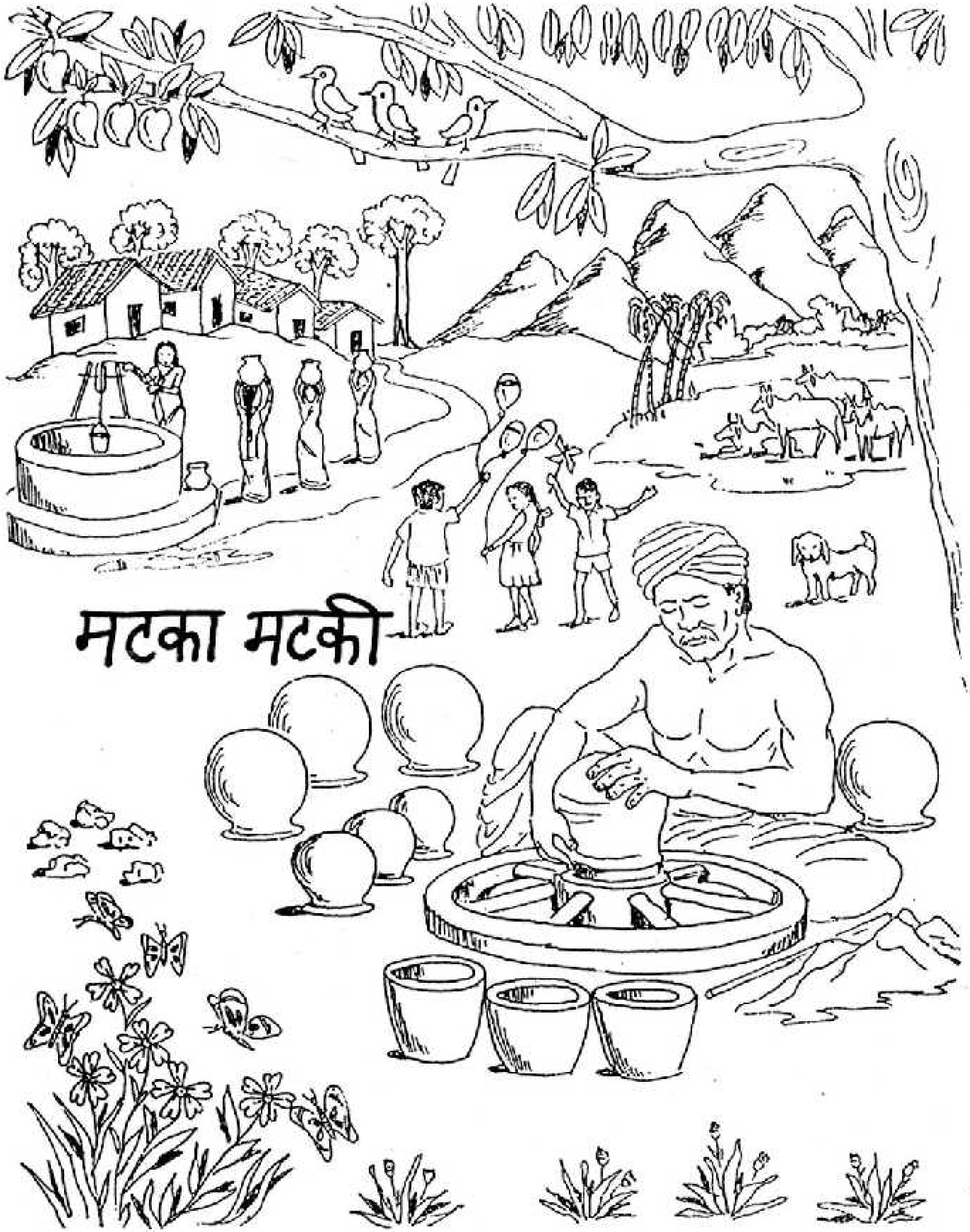
मटका मटकी

रेलम रेल

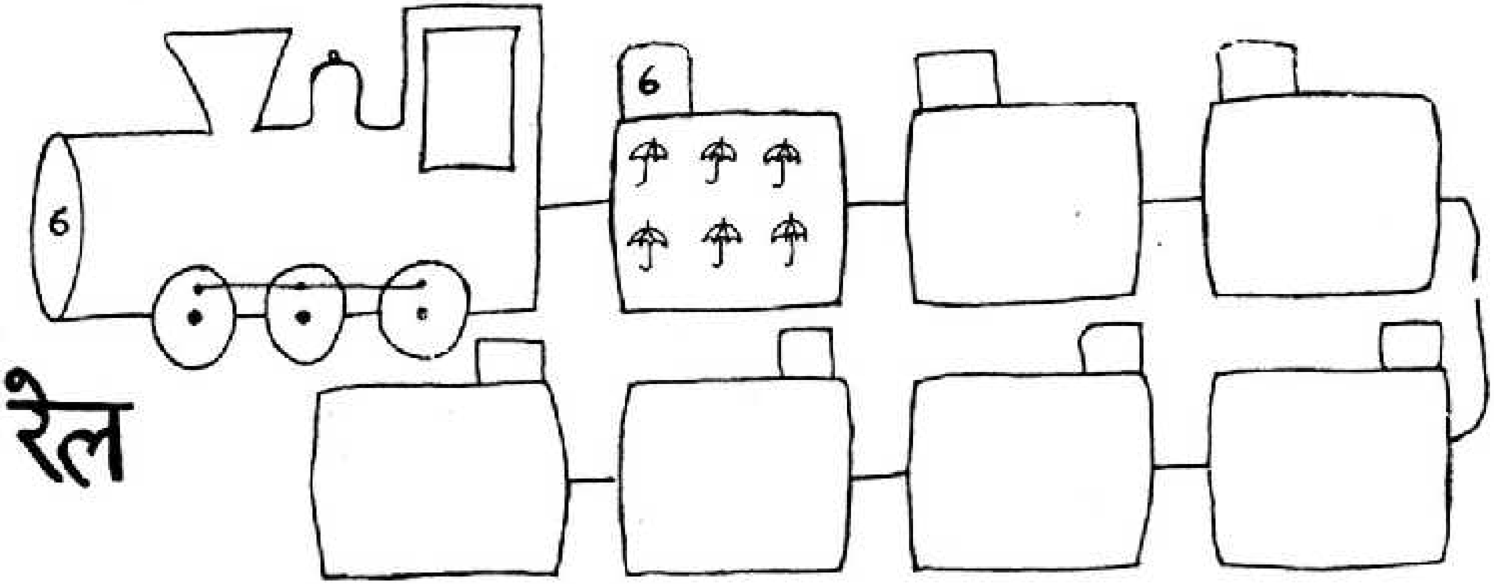

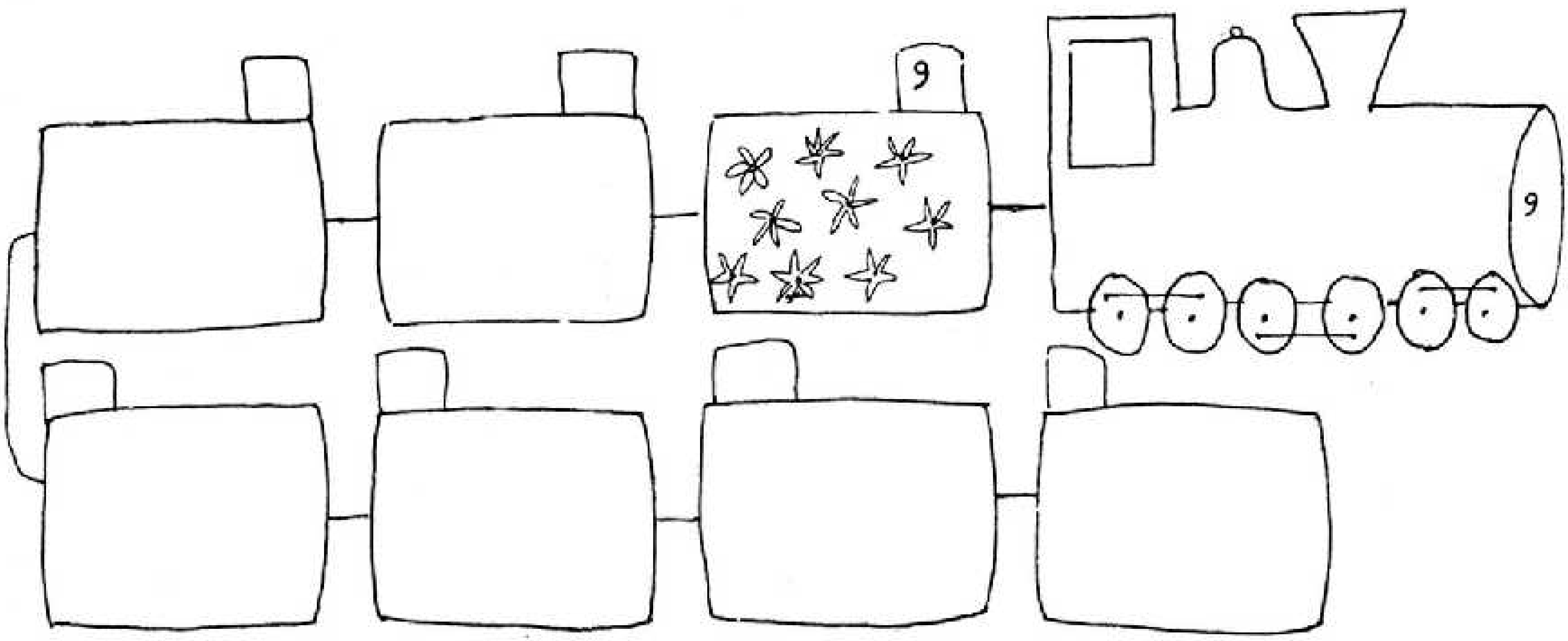

रेलम रेल

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र है। इन्हे बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियाँ भी सोचें व कराएँ।
- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएं। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटे।
- ठोस वस्तुओं व कार्डो का अधिक से अधिक उपयोग करें।
- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा न करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियां –

– 6 वाली रेल के हर डिब्बे में 6 चीजें रखें जैसे कंकड़, फूल, अलग अलग बीज, काड़ी, पत्ती आदि। इसी तरह 9 वाली रेल के डिब्बों में 9-9 चीज़ें रखें।
- 6 और 9 का कार्ड ढूंढ कर सही जगह रखें। (पीछे बनी बिन्दियां देख कर)
- कक्षा में 6 और 9 की रेल बनाएं। 6 की रेल में 6 बच्चे, 9 की रेल में 9 बच्चे डिब्बे बनें- हर के हाथ में 6 और 9 चीजें हों। रेल बनाने के बाद रेस भी लगा सकते हैं।
- 6 के हर डिब्बे में 6 चीजों के चित्र बनाएं और छोटे डिब्बे में 6 लिखें। ऐसे ही 9 के साथ भी।
- हर डिब्बे के नीचे चके बनाएं और गिनें।
- 6 और 9 की रेल की कहानी सुनाएं जैसे 6 वाली रेल (सुबह) 6 स्टेशनों पर रुकती और हर डिब्बे में हर स्टेशन पर एक व्यक्ति चढ़ता है फिर सातवें स्टेशन पर सब उतर जाते हैं। वापसी में 6 लोग हर डिब्बे में बैठते और 1-1 करके हर स्टेशन पर उतरते। ऐसे ही 9 के लिये इसे ऊपर दिये रेल के खेल के साथ भी कर सकते हैं। जिसमें हर स्टेशन पर हर बच्चे को एक कंकड़ उठाना और वापसी में फेंकना है। जितने कंकड़ हो जाएं, संख्या बोलकर आगे चलना है।

नोट - अंक के आकार एक सा होने से संख्या व अंक पहचान, दोनों में दिक्कत आ सकती है जैसे हिन्दी के अंकों में 3 और 6 में अक्सर बच्चों को भ्रम रहता है, उसी प्रकार अंतर्राष्ट्रीय अंकों में 6 और 9 में भ्रम रहता है। इसलिये यह पन्ना 6 और 9 पर केंद्रित है। यदि आप को ऐसे बच्चे नजर आते है जिनमें किन्हीं और अंकों में भ्रम है, जैसे 2 और 5 3 और 8 या 1 और 7, तो उनके साथ इन अंकों के अभ्यास करा सकते है।
- संख्या की अवधारणा विकसित करने के कई पहलू है - गिनती का नाम क्रम से याद रखना, वस्तुएँ गिनना, अंक पहचानना,, संख्या और अंक में संबंध स्थापित करना। - यह आखिरी पहलू इस पन्ने का प्रमुख भाग है।

इस पन्ने पर आपने कौन सी गतिविधियाँ कराईं-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन सी नई गतिविधियाँ बनाईं व कराईं (संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को कौन सी गतिविधियों में ज्यादा मज़ा आया? किनमें दिक्कत आई?

जोड़

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र है। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियाँ भी सोचे व कराएँ।
- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।
- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।
- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा कम करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ-

– चित्रों व शब्दों में जोड़ करना। अगर ज़रूरत पड़े तो ठोस वस्तु की सहायता लें - हर गेंद, चूहे आदि पर कंकड़ रखना।
- चित्रों में दी गई संख्या के लिये अंक-कार्ड ढूंढना।
- हल का अंक कार्ड ढूंढकर खाली जगह में हल लिखना।
- एक, दो, तीन, चार, गेंद, चूहे, मछलियाँ आदि पढ़ना।
- शिक्षक बोर्ड पर जोड़ के चिन्ह से परिचय कराएँ - 'और' शब्द के साथ + चिन्ह का संबंध जोड़ना।
- सवालों की छोटी कहानियाँ सुनना सुनाना।
- चित्र पर चर्चा - कौन किस तरफ देख रहा है?
- और मौखिक सवाल करना।

नोट - गणित के सवालों को हल करने के लिये भाषा की समझ जरूरी है। गणित की भाषा भी अमूर्तता की ओर बढ़ती है जैसे लक्ष्मी के पास दो गेंद थीं दुर्गा ने उसे तीन गेंद और दे दीं तो कितनी हुई.... से...... दो गेंद और तीन गेंद...... से....... दो और तीन...... से....... 2+3=? और वापस लक्ष्मी जैसे सवाल तक। इसी तारतम्य में यह जोड़ का पहला पन्ना है। इसे भाषा व ठोस वस्तुओं, व अंकों से जोड़ना आवश्यक है।

इस पन्ने पर आपने कौन सी गतिविधियाँ कराईं-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन सी नई गतिविधियाँ बनाई व कराईं (संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को कौन सी गतिविधियों में ज्यादा मज़ा आया? किनमें दिक्कत आई?

जोड़

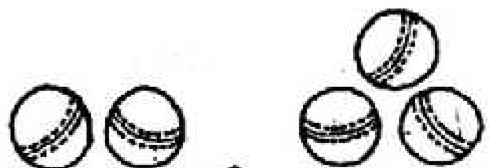

दो गेंद और तीन गेंद ------- गेंद

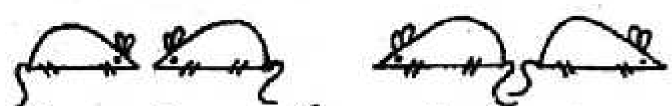

दो चूहे और दो चूहे -------- चूहे

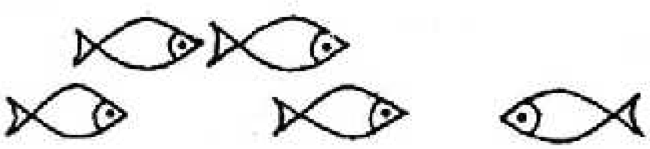

चार मछलियाँ और एक मछली ------- मछलियाँ

एक चिड़िया और पाँच चिड़ियाँ -------- चिड़ियाँ

हाथी

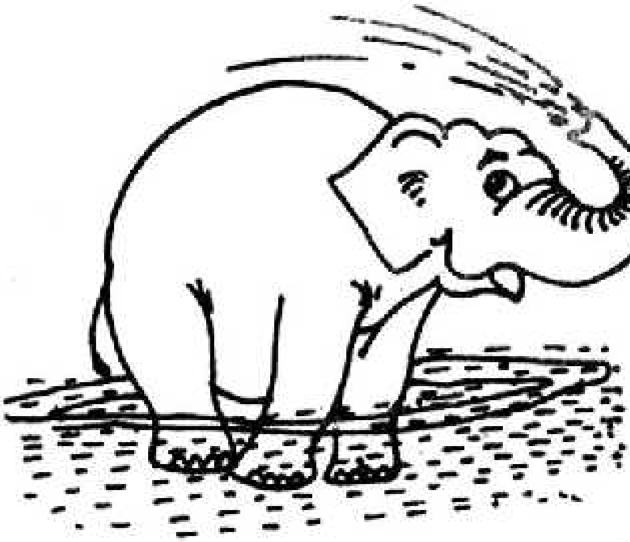

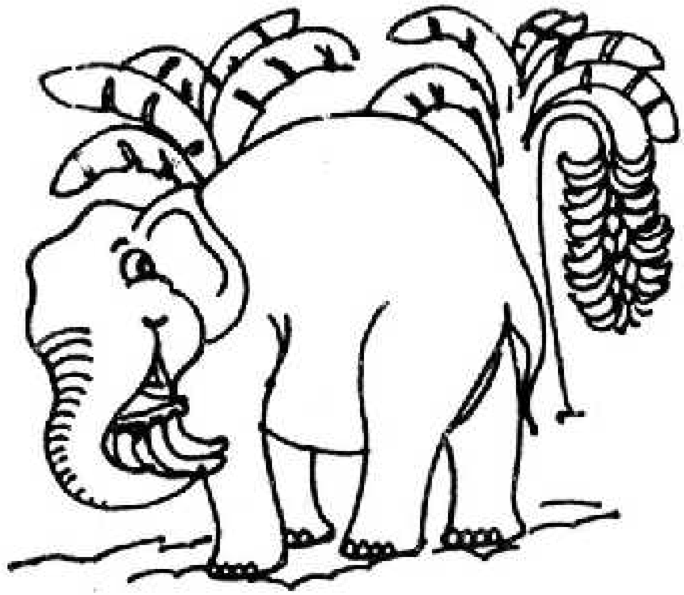

धम्मक-धम्मक आता हाथी,
धम्मक-धम्मक जाता हाथी,

अपनी सूंड़ उठाता हाथी.
अपनी सूंड़ गिराता हाथी,
अपनी सूंड़ हिलाता हाथी

धम्मक-धम्मक आता हाथी
धम्मक-धम्मक जाता हाथी ॥

जब पानी में जाता हाथी,
भर भर सूंड़ नहाता हाथी,
कितने केले खाता हाथी ,
यह तो नहीं बताता हाथी,

धम्मक - धम्मक आता हाथी
धम्मक - धम्मक जाता हाथी ॥

हाथी

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र हैं। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियाँ भी सोचें व कराएँ।
- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों को कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।
- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।
- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा कम करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ-

– हाव भाव और एक्शन के साथ कविता गाना। (घुटनों पर उतरकर गोले में बच्चे और शिक्षक साथ करें तो अच्छा रहेगा)। बार-बार दोहराना ताकि याद हो जाये।

- चित्र पर चर्चा - क्या दिख रहा है? हाथी क्या कर रहा है? कितने पेड़ हैं? पेड़ों पर कितने-कितने पत्ते और केले दिख रहे हैं? पत्तों में हरा और केलों में पीला रंग भरो। इस पुस्तक में हाथी के और चित्र ढूँढो।

- हाथी पर चर्चा कितना बड़ा होता है, क्या खाता है, किस रंग का होता है? कब, कहां देखा है आदि।

- कविता पर उंगली रखकर पढ़ना।

- बार-बार आये शब्द पहचानना जैसे **हाथी, आता, जाता, अपनी, सूंड**।

- चित्र - कार्ड से अभ्यास बोर्ड पर वाक्य लिखकर एक शब्द चित्रकार्ड से बदलना जैसे,

जब पानी में जाता **कछुआ**   जब पानी में जाता **कुत्ता**   जब पानी में जाती **मछली**

और ज़ोर से पढ़ना।

जब मछली जैसा कार्ड आये तो जाता को बदलने की जरूरत बच्चों से आये- आप पहले जाता मछली ही पढ़ें। फिर जाती संबंधित चित्र कार्ड रखें - **बत्तख, चिड़िया, तितली** आदि।

इससे समझकर पढ़ने का अभ्यास होगा।

- एक समान ध्वनि से अंत होने वाले शब्द बोलना - जैसे ता से आता, जाता, खाता, ... इसी प्रकार हाथी, पानी, अपनी.....।

इन्हें शिक्षक बोर्ड पर लिखें फिर उनमें से कविता वाले शब्द छांटे।

- कई बार आये अक्षरों पर गोला लगाना।

- एक शब्द में मात्रा लगाकर और हटाकर पढ़ना जैसे लड़, लड़ा, लड़ी...... हाथी- हाथ

ताल, ताला, ताली, पानी- ....

- जिन अक्षरों और मात्राओं का अभ्यास अब तक हो चुका है, उन्हें जोड़कर शिक्षक शब्द, वाक्य, कहानी बनाएँ और तख्ते पर लिखकर पढ़वाएँ। पृष्ठ 39 एवं 57 जैसे और संबंधित अभ्यास कराएँ।

नोट - यह कविता पढ़ना सिखाने के हिसाब से बहुत उपयुक्त है। पढ़ना सिखाने की विभिन्न गतिविधियाँ समय-समय पर कराएँ परंतु इस कविता में मौखिक गतिविधियों की भी उतनी ही संभावनाए हैं। समझकर पढ़ने के लिये मौखिक गतिविधियाँ उतनी ही महत्वपूर्ण हैं।

इस पन्ने पर आपने कौन सी गतिविधियाँ कराईं-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन सी नई गतिविधियाँ बनाईं व कराईं (संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को कौन सी गतिविधियों में ज्यादा मज़ा आया? किसमें दिक्कत आई?

कितने सारे

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र हैं। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियाँ भी सोचें व कराएँ।
- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियां करके वापस इस पन्ने पर लौटें।
- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।
- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा कम करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ -

- मौखिक निर्देशानुसार ठोस वस्तुओं से जोड़- जैसे बच्चे पट्टी पर 2 पत्ती और एक पत्ती रखें। बीच में + का चिन्ह लगाएँ जैसे । तख्ते पर = के चिन्ह का परिचय दें। बच्चे साथ में अंक कार्ड रखकर या सवाल लिखकर भी हल करें जैसे ------

2
+1
3

- पासे के खेल-2 पासे लेकर, उन पर जो संख्याएं आईं उन्हें दर्शाना और जोड़ना।
- चित्रों पर चर्चा/कहानी 'कम, ज्यादा, बराबर' पर ध्यान देते हुए।
- तख्ते पर पहला सवाल हल करके बताएं। बाकी बच्चे करें- हल के चिन्ह कहाँ बनाना है और हल कहाँ लिखना है बता दें।
- एक से नौ तक के ऐसे जोड़ के और सवाल कराएँ जिनमें एक ही संख्या का जोड़ विभिन्न तरीकों और संदर्भों में हो जैसे 2+3, 1+4, 3+2, 4+1 आम, जलेबी, जामुन, गेंद, कंचे, डिब्बे, आदि। इसे दो टीमों में खेल के रूप में भी कराया जा सकता है।

कितने सारे

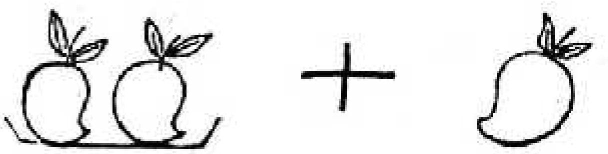 दो आम और एक आम	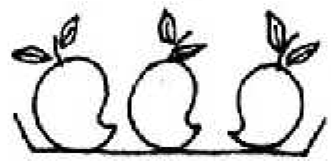 तीन आम	2 + 1 = 3
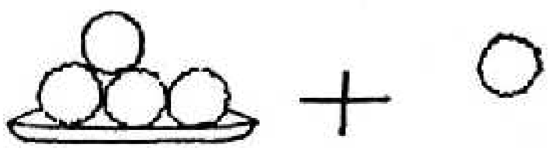 चार लड्डू और एक लड्डू	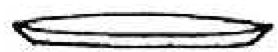	4 + 1 = ___
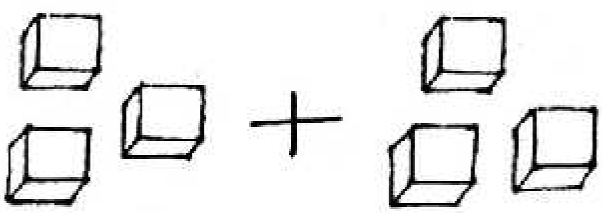 तीन डिब्बे और तीन डिब्बे		3 + 3 = ___
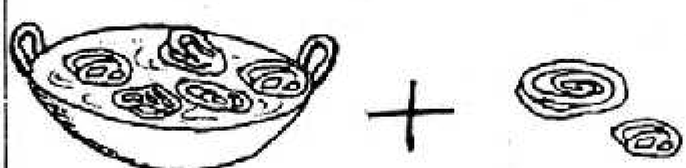 पाँच जलेबियाँ और दो जलेबियाँ	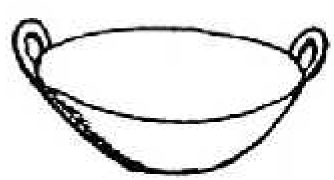	5 + 2 = ___

क्या है लम्बा क्या है गोल

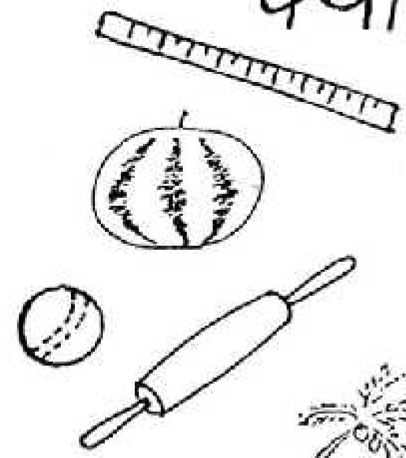

जल्दी बोल, जल्दी बोल,
बाँस है लम्बा, नारियल गोल,
केला लम्बा सेब है गोल,
जल्दी बोल, जल्दी बोल.

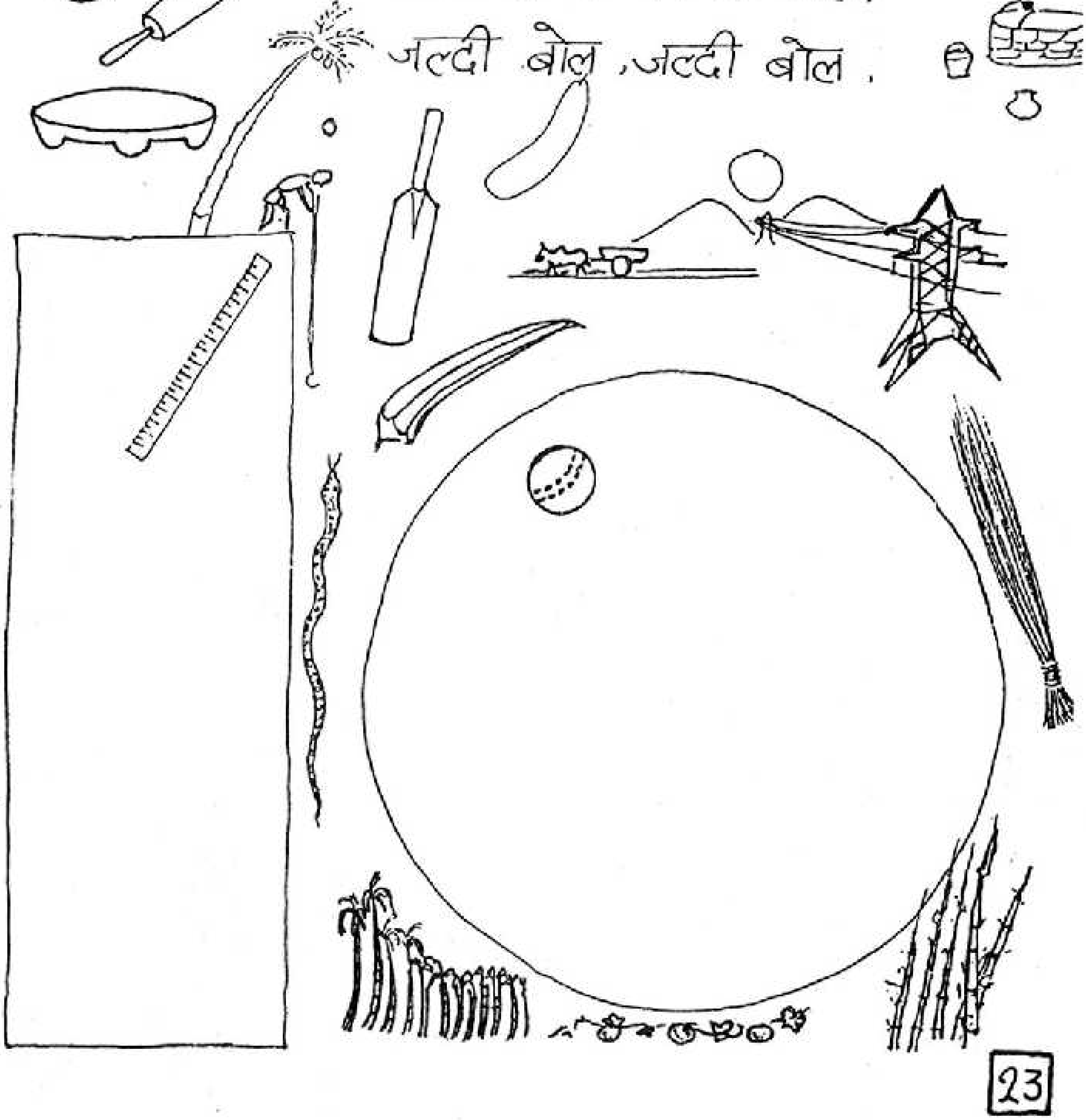

- सवाल देकर संदर्भ पूछना जैसे 1+3- एक लड्डू और 3 लड्डू, एक गेंद और....
- लिखे हुये सवाल बच्चे स्वयं पढ़ने की कोशिश करें, शिक्षक सहयोग दें।
- मिट्टी से चीज़ें बनाना जैसे आम, बैंगन, सीताफल, लड्डू। फिर खिलौना तराजू से तौलना - आम भारी है कि लड्डू? तीन आम कितने लड्डू के बराबर हैं?

नोट - सवालों के हल ठोस वस्तुओं और अंकों दोनों से कराएँ।दोनों हल के बीच तुलना करके देखें कि दोनों एक से हैं। पृष्ठ 20 का नोट ध्यान से देखें।

जोड़ के कई तरीके होते हैं।

इस पन्ने पर आपने कौन सी गतिविधियाँ कराईं-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन सी नई गतिविधियाँ बनाईं व कराईं (संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को कौन सी गतिविधियों में ज्यादा मज़ा आया? किनमें दिक्कत आई?

क्या है लंबा क्या है गोल

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र हैं। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियाँ भी सोचें व कराएँ।
- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।
- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।
- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा कमकरें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ -

- गोले में बैठ कर कविता गाना। चित्र से देख कर कविता आगे बढ़ाना पहले सामूहिक, फिर हर बच्चे को एक गोल एक लंबी चीज का नाम जोड़ना है।
- चित्र पर चर्चा- क्या-क्या है? लंबी चीजें कौन-सी हैं गोल चीजें कौन सी? और कौन कौन सी चीजें लंबी होती हैं? गोल होती है?
- कौन सी चीजें लंबी भी हैं और गोल भी? कौन सी गोल और चपटी। एक लंबी एक गोल चीज़ की जोड़ियां बनाओं।
- जो नाम बच्चे बताएँ, उन्हें तखते पर लिखना बांस लम्बा नारियल गोल
इन नामों के शब्द चित्र कार्ड ढूंढना ।
- लंबी चीजों के चित्र □ में और गोल चीजें ○ में बनाना।
- मिट्टी से लंबी और गोल चीजें बनाना।

सात पूँछ का चूहा

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र है। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियाँ भी सोचें व कराएँ।
- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।
- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।
- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा कम करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ-

- चित्र देख कर कहानी मौखिक सुनाना।
सात पूँछ का चूहा कौन सा है? बच्चे गिनकर बताएँ फिर 6 पूँछ का आदि।
- उंगली रखकर पढ़कर सुनाना। दूसरी तीसरी बार में बच्चे भी सही जगह उंगली रखें। आधे वाक्य पर रुकना बच्चे वाक्य पूरा करें जैसे पाँच- पूँछ का चूहा..
- शब्द व वाक्य पहचान-*चूहा', 'पूँछ', 'एक', 'दो', 'तीन'.... 'सात'। 'नाई ने उसकी एक पूंछ और काट दी'।* आदि
- अक्षर मात्रा पहचान (ई, च, छ, ए............ आदि) अक्षर मात्रा से शब्द बनाना।
- पृष्ठ 39, 57, 59 जैसे अभ्यास करना।
- घटाने की और कविता -कहानी जैसे चिड़िया चिड़िया उड़ती जा।
- चूहे, नाई आदि पर चर्चा
- बच्चे स्वयं कहानी पढ़ने की कोशिश करें। शिक्षक बार बार आने वाले वाक्यों पर रुकें, बच्चे बोलें जैसे *चूहा गया नाई के पास*

नोट - यह कहानी पढ़ना सीखने वाले बच्चों को पढ़ने के लिये सहयोगी है। इस में शब्द व वाक्य बार-बार आये हैं। इससे बच्चों को अन्दाज लगने लगता है कि आगे क्या होगा। यह अंदाज समझकर पढ़ने केलिये महत्वपूर्ण है।

इस पन्ने पर आपने कौन सी गतिविधियाँ कराईं-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन सी नई गतिविधियाँ बनाईं व कराईं (संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को कौन सी गतिविधियों में ज्यादा मज़ा आया? किनमें दिक्कत आई?

सात पूंछ का चूहा

एक था चूहा। उस चूहे की सात पूंछें थीं। सब उसे चिढ़ाते - **सात पूंछ का चूहा, सात पूंछ का चूहा।**

आखिर तंग आकर चूहा गया नाई के पास। उसने नाई से कहा - नाई दादा, मेरी एक पूंछ काट दो। **नाई ने उसकी एक पूंछ काट दी। अब चूहे के पास बचीं छह पूंछें।**

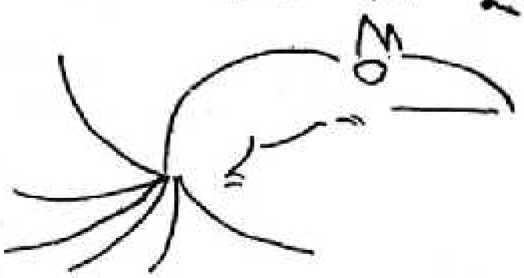

अगले दिन जैसे ही चूहा बाहर निकला सब उसे चिढ़ाने लगे - **छह पूंछ का चूहा, छह पूंछ का चूहा।** चूहा फिर से तंग आ गया। वह गया नाई के पास। उसने कहा - नाई दादा, नाई दादा - मेरी एक पूंछ और काट दो। **नाई ने उसकी एक पूंछ और काट दी। अब चूहे के पास बचीं बस पांच पूंछें।**

पर अगले दिन सब उसे फिर से चिढ़ाने लगे - **पाँच पूंछ का चूहा, पाँच पूंछ का चूहा।** चूहा गया नाई के पास। नाई दादा, मेरी एक पूंछ और काट दो। **नाई ने उसकी एक पूंछ और काट दी। अब चूहे के पास बचीं बस चार पूंछें।**

पर सब उसे फिर से चिढ़ाने लगे -
चार पूंछ का चूहा, **चार** पूंछ का चूहा। चूहा गया नाई के पास। नाई ने उसकी एक पूंछ और काट दी। अब चूहे के पास बचीं बस तीन पूंछें।

फिर भी सब उसे चिढ़ाते -
तीन पूंछ का चूहा, **तीन** पूंछ का चूहा। चूहा गया नाई के पास। नाई ने उसकी एक पूंछ और काट दी। अब चूहे के पास बचीं दो ही पूंछें।

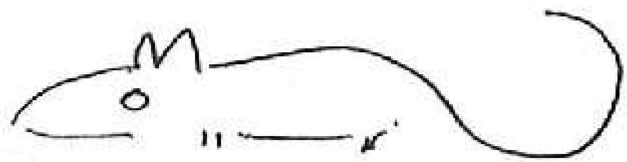

फिर भी सब उसे चिढ़ाते -
दो पूंछ का चूहा, **दो** पूंछ का चूहा। तो चूहा गया नाई के पास। नाई ने उसकी एक पूंछ और काट दी। अब वह एक पूंछ का चूहा हो गया।

फिर भी सब उसे चिढ़ाते।
एक पूंछ का चूहा, **एक** पूंछ का चूहा। तो चूहा गया नाई के पास। नाई ने आखिरी पूंछ भी काट दी। अब चूहे की पूंछ ही नहीं बची।

लेकिन फिर भी सब उसे चिढ़ाते - **बिना पूंछ का चूहा, बिना पूंछ का चूहा**।

गिनने की कुछ कविताएं

चुड्डोर चौआ इक्के ऊड़ा
(छोटे बच्चे इधर देखो)
बातुल मदरसा लैसो गूड़ा
(आया स्कूल ले लो गुड़)
गिनती टोड्डी वनकी तोल
(गिनती सुनो और मुंह से बोलो)
उन्दी में उन्दीं और मिलाओ
(एक............
रण्ड वीड़िस को खूब हिलाओ)
(दो उंगली.........
रण्ड में उन्दी और मिलाओ)
मून्द वीड़िस को खूब हिलाओ
(तीन..........
मून्द में उन्दी और मिलाओ
नालुग वीड़िस को खूब हिलाओ
(चार ....
नालुंग में उन्दीं और मिलाओ
सैयुंग वीड़िस को खूब हिलाओ
(पाँच..........

एक छोटी चिड़िया डाल पर बैठी थी
एक और आ गई हो गई दो
दो छोटी चिड़िया डाल पर बैठी थी
एक............

एक महल है, चहल पहल है
दो दरवाजे, तीन हैं खिड़की
चार हैं लड़के, पांच हैं लड़की,
छः घोड़े हैं, छोटे छोटे
सात सिपाही मोटे मोटे
आठ हैं कुत्ते, करते भौं-भों,
नौ चूहे बिल्ली से डरते
दस हैं चिड़िया उड़ती ऊपर
आएंगी बादल को छूकर

एक राजा की राजकुमारी,
दो दिन से बीमार बेचारी।
तीन डाक्टर दौड़े आए,
चार दवा की पुड़िया लाए।
पाँच मिनट मे गरम कराई,
छह छह घटे बाद पिलाई।
सात दिनो मे आँखे खोलीं,
आठवे दिन रानी से बोली।
नौवे दिन कुछ ताकत आई,
दसवे दिन दौड़ लगाई।

पेड़

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र है। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियाँ भी सोचें व कराएँ।

- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।

- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।

- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा कम करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ -

- चित्र पर बातचीत तख्ते पर पेड़ का चित्र बनाकर और क्या नहीं बनाया? आसपास कौन-कौन से पेड़ हैं? कौन-कौन से पेड़ों के नाम जानते हो? पेड़ के साथ हम क्या-क्या करते हैं। हमें क्या-क्या मिलता है? आदि।
- कविता हाव भाव से पढ़ना। कविता का रोल प्ले।
- पेड़ तथा विभिन्न फलों के चित्र स्लेट पर बनाना।
- पेड़ की कविता बार-बार दोहराना। तख्ते पर लिखकर उंगली रखकर पढ़ना उसमें आए शब्दों की पहचान के साथ। जो शब्द बच्चे पढ़ सकें उन्हें तख्ते, स्लेट पर लिखना।
- पत्तों से बन्दनवार (तोरन) बनाना।
- पन्ने से गिनती कितने बच्चे हैं? कितने भाग रहे हैं? अब कितने बच्चे? आदि। पेड़ पर कितने आम हैं? पहले पेड़ से 2 गिर गए तो पहले कितने थे।
- बच्चों के आसपास घटी कोई घटना जब उन्हें भागना पड़ा हो सुनना, सुनाने के लिये प्रोत्साहित करना।
- एक अक्षर से शुरु होने वाले शब्द बोलना पढ़ना व लिखना-जैसे *लाला पाला —— ला*
- ल और ला में अन्तर
- मात्रा हटा कर लिखना पढ़ना जैसे *पाला पल नाला नल* और भी मात्राओं के साथ करना
- शब्दों को अक्षरों में तोड़कर अक्षर कार्ड से वापस शब्द बनाना।
- पृष्ठ 39 व 57 की तरह के अभ्यास करना।

नोट - उसी अक्षर को बिना मात्रा व मात्रा सहित बोले हुए रूप से संबंध स्थापित करना।

इस पन्ने पर कौन सी गतिविधि कब कराई?

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

इस पन्ने से आपने और कौन-कौन सी गतिवधियाँ बनाई व कराई।

कौन सी गतिविधि में आपकी व बच्चों को ज्यादा मजा आया/ किन में दिक्कत आई।

पेड़

देखो है ये पेड़ निराला,
पत्ती और फल फूलों वाला,
मैंने इसे है प्यार से पाला,
आमों से ये लदा हुआ है,
तुम भी आ के खाओ लाला।

देखो बाग में कैसी हलचल,
खेल रहे हैं बच्चे चंचल,
तोड़ तोड़ के खाते फल,
माली कहता चल भग चल।

कौन किससे बना

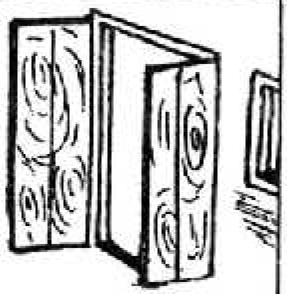
दरवाज़ा

कैंची

किताब

बल्ब

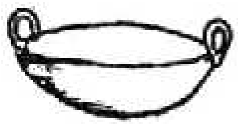
कड़ाही

गिलास

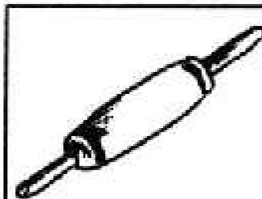
बेलन

ताला

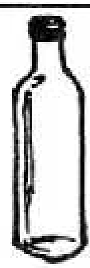
बोतल

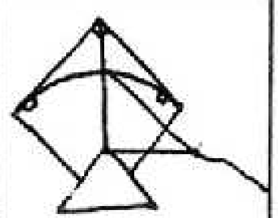
पतंग

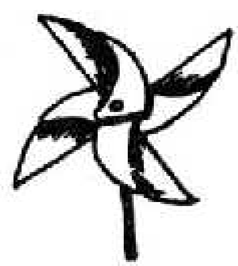
फिरकनी

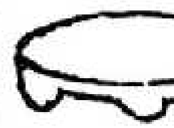
चकला

लकड़ी	लोहा	काँच	कागज़

कौन किससे बना

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र है। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियाँ भी सोचें व कराएँ।
- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटे।
- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।
- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा कम करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ -

- पन्ने पर बने चित्रों की लिखित नाम के साथ पहचान। चर्चा।
- पन्ने पर लिखित समूहीकरण (छंटाई) के पहले मौखिक समूहीकरण - कि कौन सी चीज किस समूह में आएगी। जैसे कागज़ की बनी चीजें कांच की बनी चीजें।
- तख्ते पर तालिका बनाकर बताना एवं लोहा, लकड़ी कांच, कागज़ शब्द जो पन्ने पर लिखे हैं उनकी पहचान व पढ़ना।
- तालिका भरना। जैसे- लकड़ी के नीचे लकड़ी की बनी वस्तुओं के नाम, काँच के नीचे काँच की बनी वस्तुओं के नाम जो पन्ने पर हैं इसी तरह बाकी वस्तुओं का भी।
- तालिका भरने के बाद गिनना कौन सी चीज ज्यादा कम, बराबर है
- आसपास की चीजों का समूहीकरण।
- कागज से पतंग, फिरकनी और चीजें बनवाना।।
- चित्रकार्ड की मदद से शब्द पहचान व समूहीकरण की और गतिविधि करना जैसे खाने की, जानवरों की, घर में काम आने वाली आदि।

नोट- समूहीकरण व तालिका भरने पर ध्यान। तालिका भरना थोड़ा जटिल कौशल है। एक दो चीजें विवाद बन सकती हैं जैसे बोतल या बल्ब जिसमें धातु है (बच्चे आम तौर पर धातु को लोहा ही समझेंगे। धातु की बात न करें) इन्हें दो तरह से सुलझाया जा सकता है बच्चों से चर्चा करके - या तो जो भी चीज अधिक है, उस स्तम्भ में लिखकर, या दोनों में दोनों ही सही है- मुख्य बात बच्चों के साथ चर्चा करके निर्णय लेने की है। समूहीकरण में एक वस्तु एक से अधिक समूह में आ सकती है।

पन्ने पर कौन सी गतिविधि कब कराई?

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

इस पन्ने से आपने और कौन-कौन सी गतिविधियाँ बनाई व कराई।

कौन सी गतिविधि में आपको व बच्चों को ज्यादा मजा आया। किनमें दिक्कत आई।

बराबर की टोलियां बनाओ

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र है। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियाँ भी सोचें व कराएँ।

- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।

- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।

- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा कम करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ -

- चित्रों पर चर्चा - क्या क्या है? यहाँ हर चीज लगभग एक साईज की है परंतु असल में कौन सी चीज सबसे बड़ी होगी? फिर बारीक अंतर घर ऊंचा होगा या केले का पेड़?चूहा बड़ा होगा कि चिड़िया।
- हर समूह के पास उसका नाम लिखना।
- हर समूह की चीजें गिन कर उसके नीचे लिखना जैसे ***7 गेंद 6 बिल्ली।***
- बराबर संख्या वाली चीजों को लाईन से जोड़ना (घने और विरले समूह में भी बराबर हो सकते हैं।
- पन्ना करने से पहले ठोस वस्तु और पट्टी पर ऐसे ही अभ्यास करना।
- कुछ समूहों को जोड़ कर कहानी बनाना जैसे 3 चूहों ने 6 बिल्लियों को कैसे छकाया जिसमें वे छाते के नीचे पेड़ के नीचे, मटके के अन्दर छुप गए फिर नाव में भाग गये या पतंग पर बैठ कर भाग गए आदि
- सबसे कम कौन सी चीज है, उससे अधिक, उससे अधिक। सबसे अधिक कौन सी चीज है।
- जोड़ घटा के सवाल कुल कितने पेड़, जानवर, खाने की चीजें, पेड़ पर होने वाली चीजें हैं।

नोट - कम अधिक व बराबर की अवधारणा

- फैले हुए समूह और घने समूह बराबर हो सकते हैं। क्षेत्र कम होने पर भी संख्या अधिक हो सकती है।

इस पन्ने पर आपने कौन सी गतिविधियाँ कराईं-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन सी नई गतिविधियाँ बनाईं व कराईं (संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को कौन सी गतिविधियों में ज्यादा मज़ा आया? किनमें दिक्कत आई?

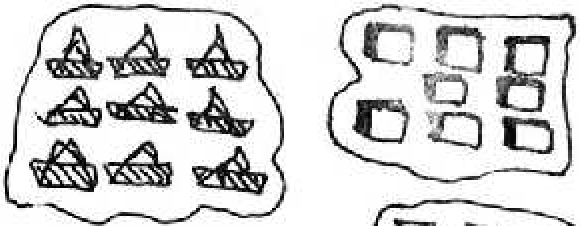

बराबर की टोलियाँ बनाओ

कुल कितने?

दो आम 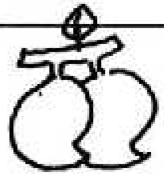 2 और + तीन आम 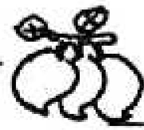 3	3 फूल 3 और + 3 फूल 3

2 गोले 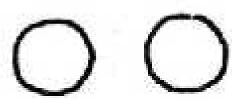

और +

---- गोले 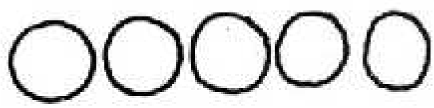 5

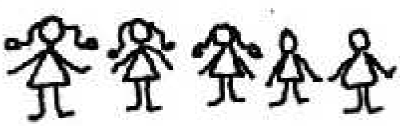 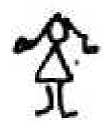

पांच लड़कियां और ----- लड़की + 1

दो चिड़िया और ------- चिड़िया 2

\+ 6

कुल कितने

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र है। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियां भी सोचें व कराएँ।
- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।
- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।
- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा कम करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ -

- लिखे शब्द/वाक्य पढ़ना। मौखिक जोड़ करना।
- ठोस वस्तुओं (बीज, कंकड़ आदि) को चित्रों पर रखकर कुल वस्तु कितनी हुई (जोड़) मालूम करना।
- ठोस वस्तुओं के साथ-साथ अंकों का जोड़ करना।
- सवाल के आधार पर सही जगह अंक व योगफल लिखना
- इस तरह के सवालों के इबारत बनाकर तख्ते पर लिखकर बच्चों से पढ़वाना। जोड़ की इबारत के दौरान ऐसी चीजों के नाम लिखे जा सकते हैं जिन्हें बच्चे पढ़ सकें, जिन शब्दों से बच्चे परिचित हों। जैसे ***चूहा, हाथी, टमाटर, सेब*** आदि। जोड़ के लिये बिन्दी कार्ड एवं अंक कार्ड से और भी गतिविधियां करवाई जा सकती हैं।

कक्षा में बच्चों की टोली बनाकर, उन्हें बताई संख्या के अनुसार सामग्री लाने को कहना।
अलग-अलग टोली की कुल सामग्री कितनी हुई, जोड़ना।

- साथ में पृष्ठ 12 जैसे अभ्यास भी ठोस वस्तुओं से करना।

नोट - गणित में भाषा चित्रों व अंकों का संबंध

- ***9 तक के जोड़***
- ***सूत्र में लिखे सवाल की इबारत बनाना***

इस पन्ने पर आपने कौन सी गतिविधियाँ कराई-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन सी नई गतिविधियाँ बनाईं व कराईं (संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को कौन सी गतिविधियों में ज्यादा मज़ा आया? किनमें दिक्कत आई?,

गैया

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र हैं। इन्हे बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियां भी सोचें व कराएँ।
- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।
- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।
- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा कम करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ-

- कविता गाना।
- कविता व चित्र पर चर्चा। गाय,बछिया पर चर्चा। गाय को और क्या क्या कहते हैं। कविता का मतलब अपने शब्दों में बोलना।
- कविता में और नीचे लिखे वाक्यों में शब्द व वर्ण ढूंढना। ै ा े की मात्रा के शब्द।
- नीचे दिए गए वाक्य कविता के वाक्य के दूसरे रूप में पढ़ना। और भी वाक्यों को दूसरी तरह से बोलना
- *गैया ने तब लात मारी।* ***तब गैया ने मारी लात।***
- बच्चे स्वयं पढ़ने की कोशिश करें।
- किसी घटना पर कहानी कविता बनाएँ।

नोट- इस पन्ने में पढ़ने और समझने पर जोर है। वाक्यों को दूसरे रूप मेंअभिव्यक्तकरने से उसकी समझ बढ़ती है। इसी प्रकार के और अभ्यास कराए जा सकते है।

इस पन्ने पर आपने कौन सी गतिविधियाँ कराईं-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन सी नई गतिविधियां बनाईं व कराईं (संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को कौन सी गतिविधियों में ज्यादा मज़ा आया? किनमें दिक्कत आई?

गैया

गैया मेरी बड़ी सयानी
मांग रही खाने को सानी।
सुंदर बछिया उसकी रोती
खूंटे पर ही बंध कर सोती।

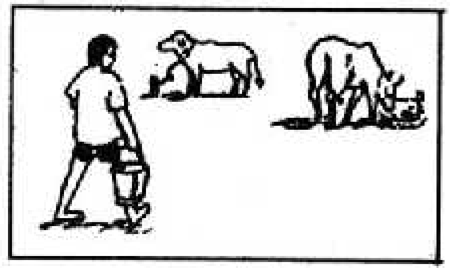

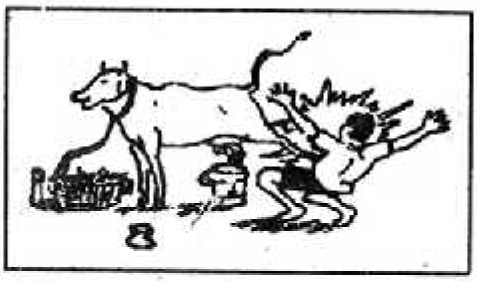

गैया दुहने जब मैं बैठा
गैया ने बछिये को देखा।
तब गैया ने मारी लात
मैंने खाई चार कुलाट।

मैंने चार कुलाट खाई	मैंने खाई चार कुलाट
जब मैं गैया दुहने बैठा	गैया दुहने जब मैं बैठा
खाने को सानी मांग रही	मांग रही खाने को सानी
उसकी सुंदर बछिया रोती	सुंदर बछिया उसकी रोती

जोड़म - जोड़

3 जानवर
और
3 जानवर

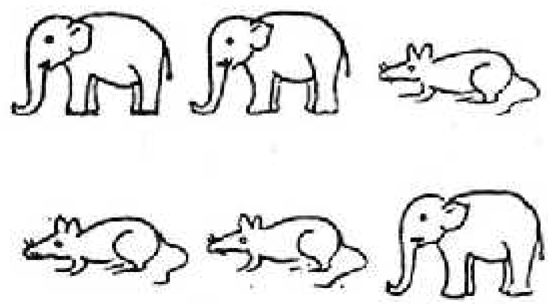

3
\+ 3

---

1 फल
और
5 फल

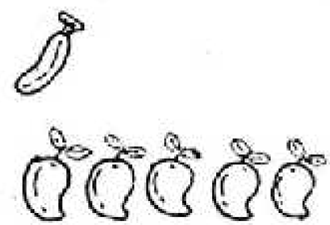

1
\+ 5

---

5 लड़के
और
5 लड़कियाँ

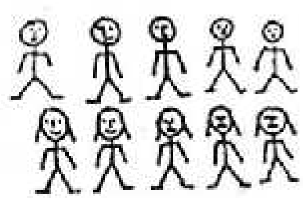

\+

---

1 पेड़
और
3 पेड़

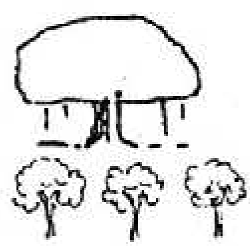

\+

जोड़म जोड़

सुझाई गई गतिविधियां केवल सुझाव मात्र है। इन्हे बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियां भी सोचें व कराएं।
- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएं। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियां करके वापस इस पन्ने पर लौटें।
- ठोस वस्तुओं व कार्डो का अधिक से अधिक उपयोग करें।
- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा कम करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ-

अलग-अलग समूह की चीजों को जोड़ना, ऐसे और उदाहरणों से भी कराएँ। बाकी गतिविधियाँ पृष्ठ 20, 22, 33 की।

नोट : विभिन्न तरह की वस्तुओ को जोड़ना अमूर्तता की ओर बढ़ने मे एक कदम है।

पन्ने पर आपने कौन सी गतिविधियाँ कराईं-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएं	समय	सामग्री

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन सी नई गतिविधियाँ बनाईं व कराईं (संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को कौन सी गतिविधियों में ज्यादा मज़ा आया? किसमें दिक्कत आई?

जंगल

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र है। इन्हे बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियाँ भी सोचें व कराएँ।
- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।
- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।
- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिक्ता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा कम करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ -

- चित्र पर चर्चा? कहानी बनाना कहना, रोल प्ले।
- चित्र में बने जानवर देखकर उनके चित्र कार्ड ढूंढना। चित्रों के नीचे नाम लिखना (जो न बने- उन्हें चित्र कार्ड से देखकर)।
- चित्र में लिखे नामों को पढ़ना व लिखना।
- जानवरों के बारे में चर्चा- कौन क्या खाता है? कहाँ रहता है- कैसे चलता है? कौन से जीव देखे हैं आदि।
- सभी जीवों के नाम डिब्बे में लिखना।
- उड़ने वाले, जमीन पर रहने वाले पानी में रहने वाले कौन से जानवर हैं- उपयुक्त जगह पर नाम लिखना (एक जीव का नाम एक से अधिक समूह में भी आ सकता है)। कौन से समूह में सबसे अधिक जानवर आए?
- चित्र में गिनना।
- बड़े, छोटे, दूर पास आगे पीछे का अहसास।

नोट- इस पन्ने में मुख्य रूप से बारीक अवलोकन एवं चित्र पढ़ने के अभ्यास के साथ-साथ चित्र की सहायता से शब्द पढ़ना व लिखना भी है।

- दूसरा प्रमुख बिन्दु समूहीकरण का है। ध्यान रहे समूहीकरण वर्गीकरण से फर्क है। समूहीकरण में एक जानवर एक से अधिक समूह में आ सकता है।

इस पन्ने पर आपने कौन सी गतिविधियाँ कराईं-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

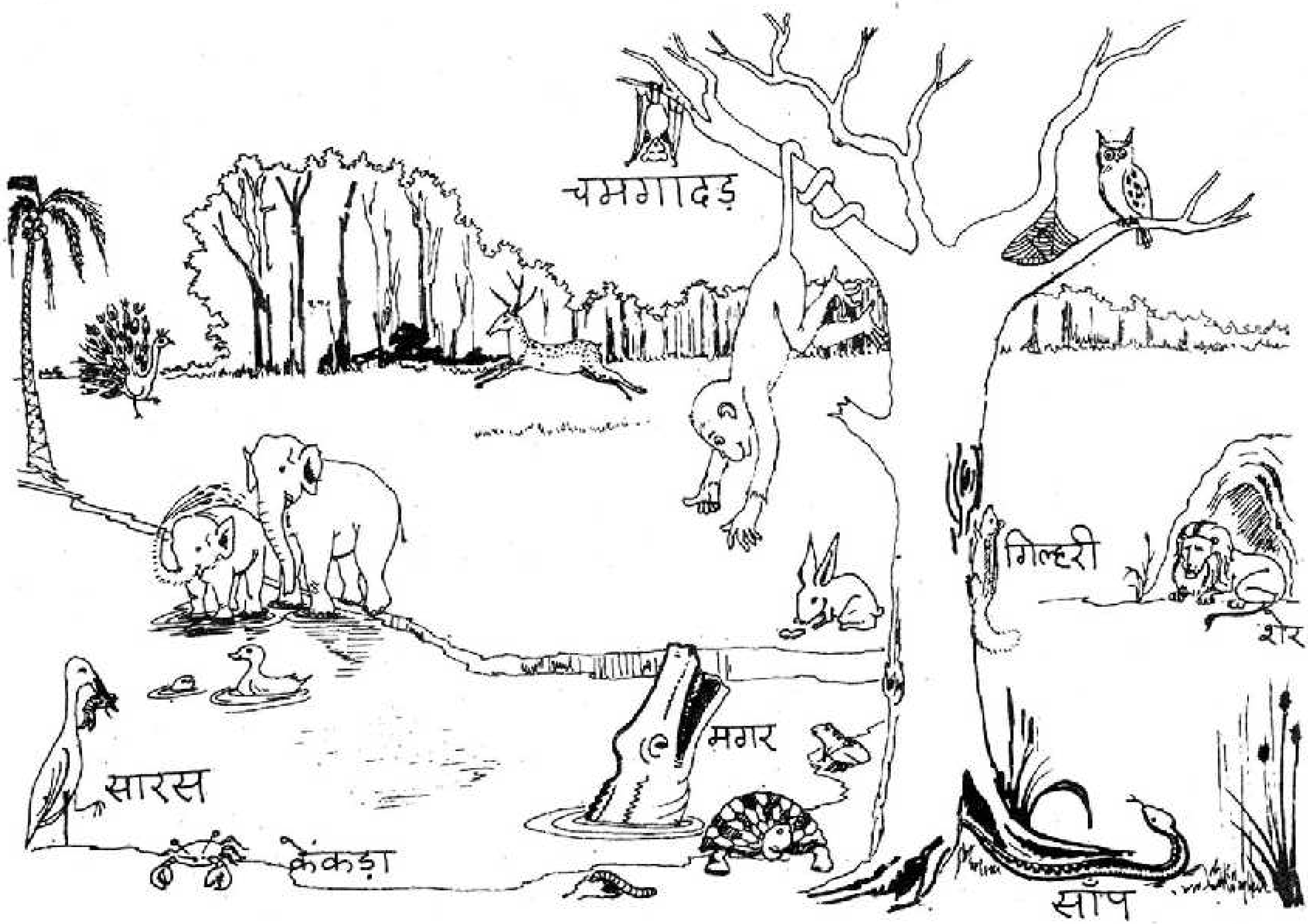
चमगादड़
गिल्हरी
शेर
मगर
सारस
केंकड़ा
साँप

जंगल

ज़मीन पर रहने वाले जानवर

पानी में रहने वाले जीव

उड़ने वाले जीव

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन सी नई गतिविधियाँ बनाईं व कराईं (संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को कौन सी गतिविधियों में ज्यादा मज़ा आया? किनमें दिक्कत आई?

किसमें ज्यादा किसमें कम

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र है। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियाँ भी सोचें व कराएँ।
- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएं। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियां करके वापस इस पन्ने पर लौटें।
- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।
- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा कम करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ -

- दोनों चित्रों पर कहानियाँ सुनना - सुनाना

बच्चों को लाइन में खड़ा करके पूछना तीसरा बच्चा हाथ ऊपर करे। पांचवा कूदे... आदि। चीजों को क्रम में रखकर कंकड़, पत्ती आदि चौथी, पांचवी चीज उठाना....

- चित्रों पर चर्चा- पहले पेड़ पर कितने आम हैं? दूसरे पर, तीसरे पर...
- उपयुक्त अंक कार्ड ढूंढकर उपयुक्त पेड़ के ऊपर रखना। संख्या लिखना।
- सबसे अधिक आम किस पेड़ पर? चौथे पेड़ से कितने अधिक? जैसे सवाल पूछना
- सब पेड़ों पर कुल आम कितने हैं?
- यदि सुरता ने पहले तीन पेड़ के आम तोड़े और आजाद ने चौथे और पांचवे पेड़ के तो किसे अधिक मिलेंगे।
- सबसे कम से सबसे अधिक क्रम में जमाओ- 2,1,4,35,
- सबसे कम- सबसे अधिक फूलों वाली माला।हर माला के पास उसकी संख्या लिखना। कम से अधिक वाली मालाएं लाईन से जोड़ना।
- पहली लाइन में कुल कितनी मालाएँ? कितने फूल? दूसरी लाईन?.... किसमें ज्यादा, किसमें कम? किसी माला पर उंगली रखकर पूछना - इससे एक कम फूल किसमें हैं? एक ज्यादा किसमें?

नोट - संख्या की दो अवधारणाएं होती है- क्रमात्मक और संख्यात्मक। पहली अवधारणा में पहला, दूसरा, तीसरा होता है जो कि किसी क्रम में उसकी जगह दर्शाता है। हर में चीज़ एक ही होती है- भले ही चौथी क्यों न हो।
- गिनती का क्रम एक और से ही बढ़ता है। अगली संख्या में पिछली से एक अधिक ही होगा।
- कुछ नहीं को शून्य के रूप में दर्शाना। शून्य से परिचय।

इस पन्ने पर आपने कौन सी गतिविधियाँ कराईं-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन सी नई गतिविधियाँ बनाईं व कराईं (संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को कौन सी गतिविधियों में ज्यादा मज़ा आया? किनमें दिक्कत आई?

किसमें ज्यादा किसमें कम?

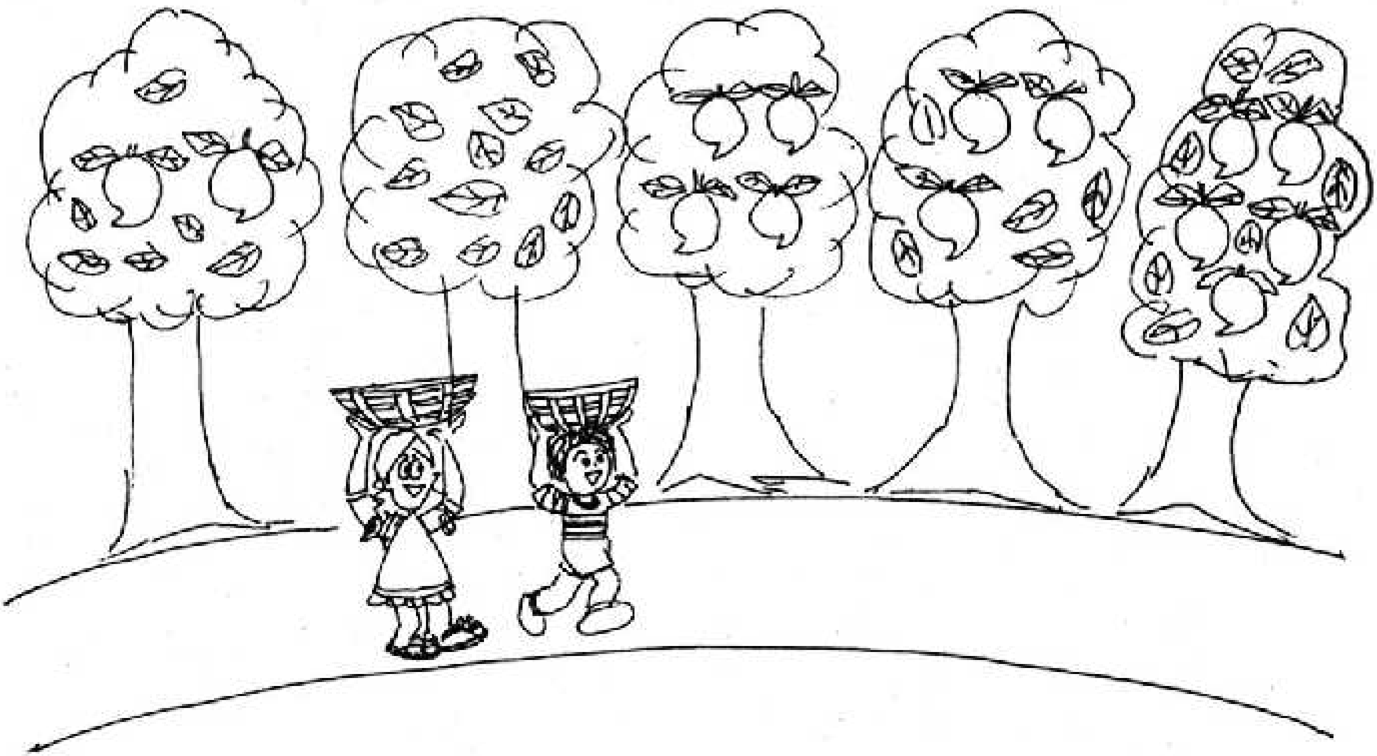

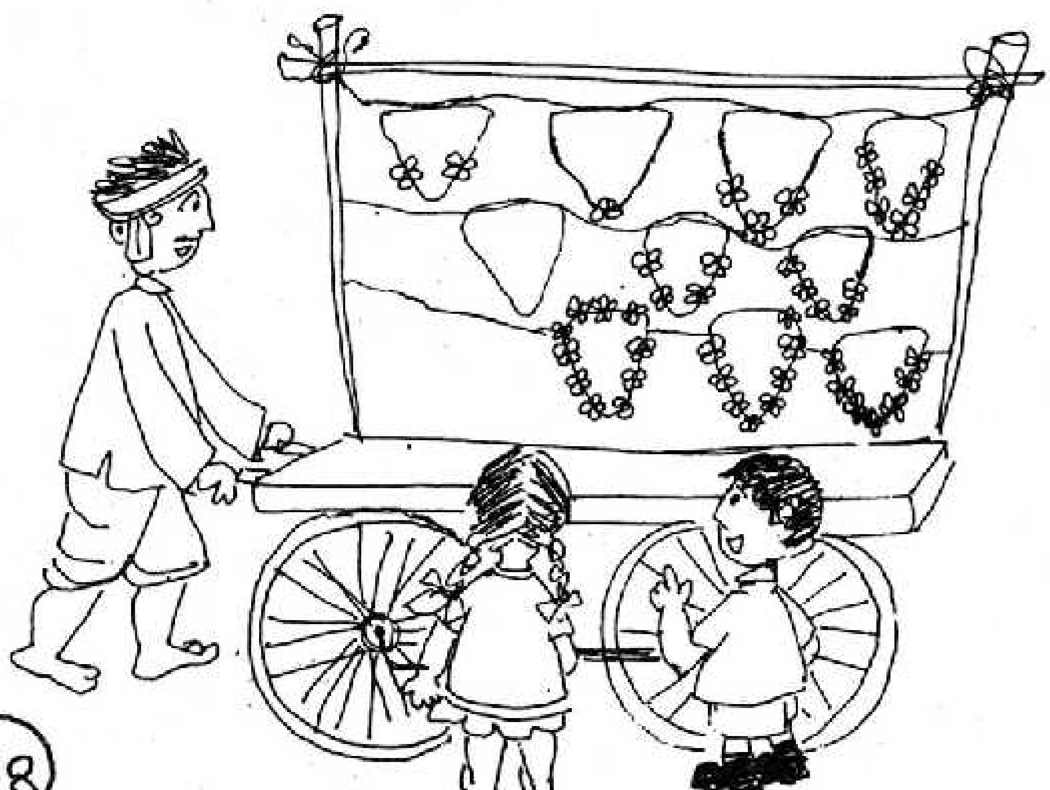

ढूंढो-ढूंढो

चू	सा	ति
हा	थी	त
म	छ	ली

तितली मछली चूहा आया गया
आई गई चिड़िया सो हाथी

सो	आ	या
ग	ई	ग
चि	ड़ि	या

के	पे	ड़
घ	र	फू
ड़ी	फ	ल

के फल फूल पेड़ नीचे जाता घड़ी
पर ला

नी	चे	जा
ला	खा	ता
ऊ	प	र

कप

घर

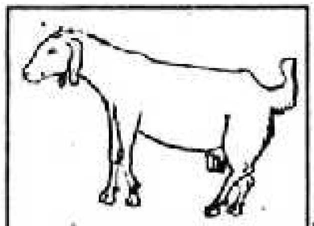

बकरी

टायर

बस

मछली

बेलन

आम

नल

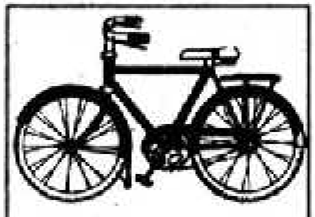

साइकिल

तितली

तराजू

त न क र म ली ब बे ड़ स का

ढूंढो-ढूंढो

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र है। इन्हे बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियां भी सोचें व कराएँ।
- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।
- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।
- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा कम करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ -

- चौकोर में बने अक्षरों में शब्द ढूंढना। शब्द→और↓ दिशा में ही ढूंढें। जैसे पहले चौकोर में चूहा हाथी.... आदि। कुछ शब्द बीच में दिए हैं पर बनते और भी हैं।
- शब्दों के चित्र कार्ड,शब्द कार्ड ढूंढना, चित्र बनाना।
- शब्द कार्डों से वाक्य बनाना। उन्हें लिखना।
- वाक्य से छोटी सी घटना या कहानी बनाकर लिखना। इसमें और शब्द भी जोड़ सकते हैं। जैसे ***तितली आई। चिड़िया आई। तितली फूल के ऊपर चिड़िया पेड़ के नीचे।***
- नीचे दिए शब्दों को पढ़ कर उनके चित्र बनाना। यदि पढ़ते न बने तो शब्द चित्र कार्ड ढूंढकर देखना। परंतु चित्र मन से बनाना चित्र कार्ड से उतारना नहीं
- अक्षर कार्ड की सहायता से नीचे दिए गए अक्षर ढूंढना।
- नीचे दिये गये अक्षर ऊपर के शब्दों में ढूंढना। बाकी पुस्तक में भी ढूंढना।
इन अक्षरों से शुरू या अन्त होने वाले शब्द बोलना
- अक्षरों से नए शब्द बनाना।
- चित्र कार्डों से कई तरह की कहानी सुनना - सुनना। शिक्षक लिखें और बच्चे पढ़ने की कोशिश करें।

नोट - इस पन्ने में पढ़ने के कई तरह के अभ्यास हैं। इस तरह के अभ्यास पहले भी कराए गये थे एवं आगे उपयुक्त संदर्भ में कराना ज़रूरी हैं।

इस पन्ने पर आपने कौन सी गतिविधियाँ कराईं-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन सी नई गतिविधियाँ बनाईं व कराईं (संक्षिप्त विवरण)

___

___

आपको व बच्चों को कौन सी गतिविधियों में ज्यादा मज़ा आया? किनमें दिक्कत आई?

___

___

बारिश कैसे मिली

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र हैं। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियाँ भी सोचें व कराएँ।
- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।
- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।
- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा कम करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियां -

- कहानी सुनना।
- चित्रों पर चर्चा।
- कहानी पढ़ना उंगली रख कर पढ़ना। शिक्षक बीच में रुके और बच्चे अगला शब्द बोलने की कोशिश करें। ऐसे शब्द पर रुकें जो पहले पढ़ने में आया हो या बच्चे पहले से जानते हों जैसे ***बंदर, एक, पास, पानी, बिल्ली*** आदि,

बच्चे पढ़ने की कोशिश करें, शिक्षक मदद करें।

- ब से शुरू होने वाले शब्द ढूंढे- बिना मात्रा और मात्रा वाले और उनकी ध्वनि में अंतर करें। बाकी किताब में भी ढूंढे।
- ऐसी कहानी किसी और अक्षर से शुरू होने वाले शब्दों से भी बनाएं। जैसे च या र या ल आदि...
- पृष्ठ 39 व 57 जैसे अभ्यास करें।

नोट - पढ़कर पढ़ना सीखने का अभ्यास जिसमें उंगली रखकर पढ़ना- जिससे शब्द किस ध्वनि पर खत्म होता है- इसका अहसास होता है।
- अंदाज़ लगाकर पढ़ना जो बहुत महत्वपूर्ण हैं।
- ध्वनियों में अंतर करना। उसके साथ मात्रा का अंतर देखना।

इस पन्ने पर आपने कौन सी गतिविधियाँ कराई-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

बारिश कैसे मिली ?

एक था **बगुला**। और एक था **बंदर**। दोनों एक **बरगद** के नीचे रहते थे।

वहीं पास में एक नदी भी थी लेकिन नदी में पानी नहीं था। पानी तो **बारिश** आने पर ही आ सकता था। तो बगुला और बंदर दोनों बारिश ढूढने के लिए निकल पड़े।

रास्ते में मिली एक **बिल्ली**। बंदर ने पूछा - बिल्ली, बिल्ली, हमें बारिश कहाँ मिलेगी ? बिल्ली ने कहा- बारिश तो मिलेगी **बादल** के पास।

दोनों आगे बढ़े। रास्ते में मिली एक **बकरी**। बगुले ने पूछा - बकरी, बकरी, हमें बादल कहाँ मिलेगा ? बकरी ने कहा - बादल तो बूढ़े बबूल मे फंसा है।

दोनों आगे बढ़े। रास्ते में मिला एक बड़ा सा **बैल**। बंदर और बगुले ने पूछा- बैल, बैल, हमें बूढ़ा **बबूल** कहाँ मिलेगा ?

तो बड़े से बैल ने कहा - बूढ़ा बबूल तो **बलहर** की **बाड़ी** के पास पास है।

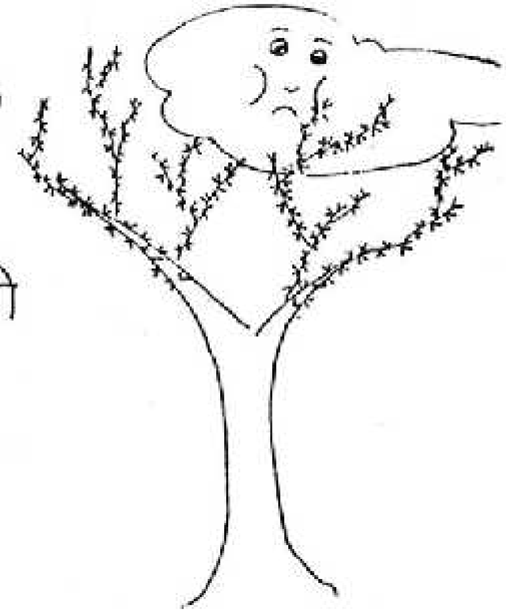

दोनों पहुंचे बलहर की बाड़ी में। वहीं पास में दिखा बूढ़ा बबूल। उसके कांटों में बेचारा बादल फंसा हुआ था।

बंदर झट से पेड़ पर चढ़ गया। बगुला भी उड़ कर ऊपर पहुंच गया। दोनों ने मिलकर बादल को बबूल से निकाला। बादल बहुत खुश हुआ।

बादल के खुश होने पर बारिश हुई। नदी में धीरे-धीरे पानी आया। बंदर और बगुला हंसने लगे और खूब नाचे।

बंदर	बबूल	बादल	बकरी	बैल
बलहर	बगुला	बारिश	बिल्ली	
बरगद			बाड़ी	

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन सी नई गतिविधियाँ बनाईं व कराईं (संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को कौन सी गतिविधियों में ज्यादा मज़ा आया? किनमें दिक्कत आई?

रखो निकालो

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र है। इन्हे बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियाँ भी सोचें व कराएं।
- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।
- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।
- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा कम करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ -

- चित्रों में बनी आकृतियों को गिनना कितने फूल, गेंद, कीड़े, आम। हर फूल पर एक कंकड़ रखो कितने कंकड? एक निकालो, कितने बचे? उत्तर का अंक कार्ड ढूंढना। दो निकालो, तीन निकालो आदि ऐसा ही कीड़ों और आम के साथ करना।
- अलग से ठोस वस्तुओं के साथ में जोड़ के सवाल भी करना।
- नीचे के चित्रों का मौखिक वर्णन देना। जैसे एक पेड़ पर 4 आम थे 3 गिर गए। कितने बचे-एक? (यह बच्चे स्वयं बोले)
- सवालों के इर्द गिर्द छोटी कहानियाँ बनाना जैसे एक जादुई पेड़ था, कोई आम तोड़ने जाता तो आम गायब हो जाते। एक दिन...

नोट - चित्रों में घटाने का यह पहला पन्ना है। इसे ठोस वस्तुओं के साथ करना आवश्यक है।
- घटाने के साथ जोड़ भी करते रहें।
- घटाया कैसे, इस पर बातचीत करें।
- कुछ नहीं बचा तो शून्य बचा, शून्य की ओर ध्यान इंगित करना।

इस पन्ने पर आपने कौन सी गतिविधियाँ कराईं-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन सी नई गतिविधियाँ बनाईं व कराईं (संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को कौन सी गतिविधियों में ज्यादा मज़ा आया? किसमें दिक्कत आई?

रखो - निकालो

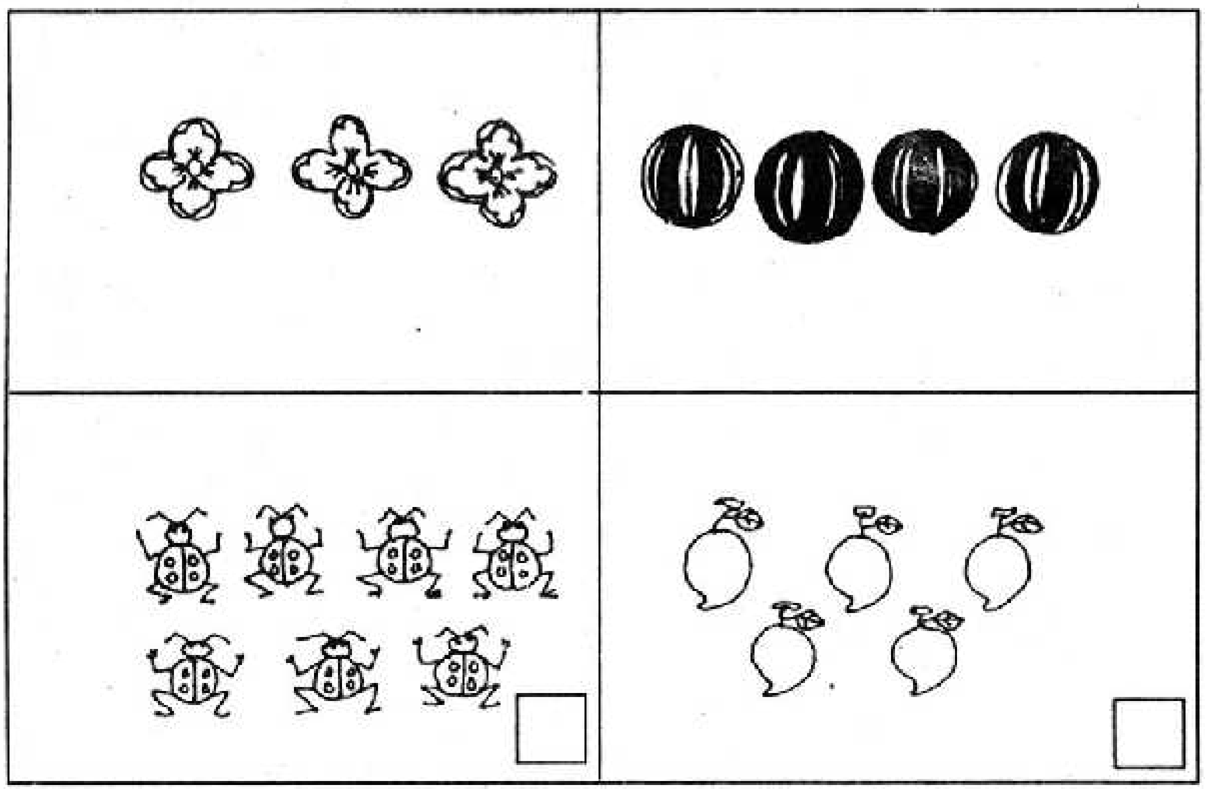

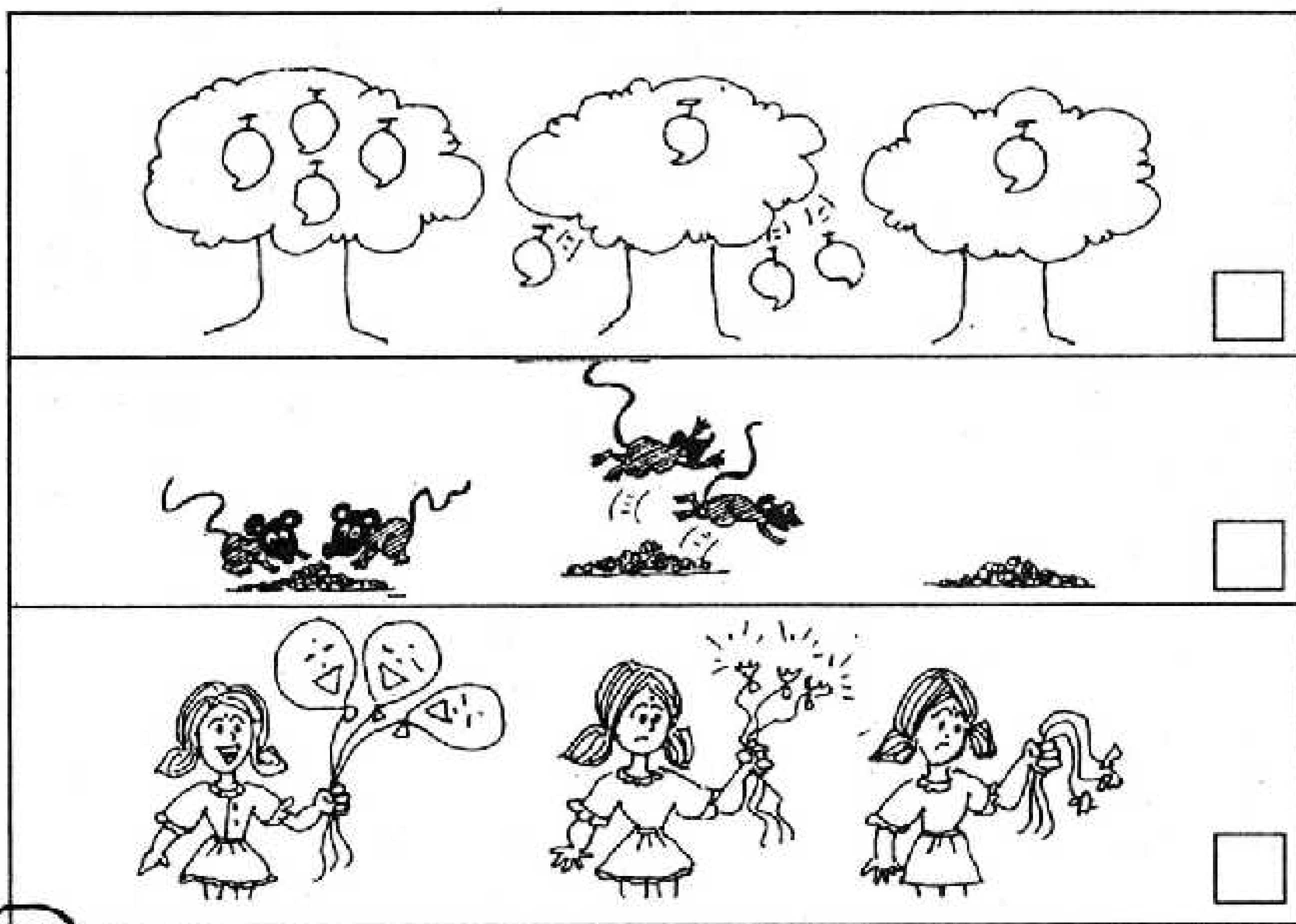

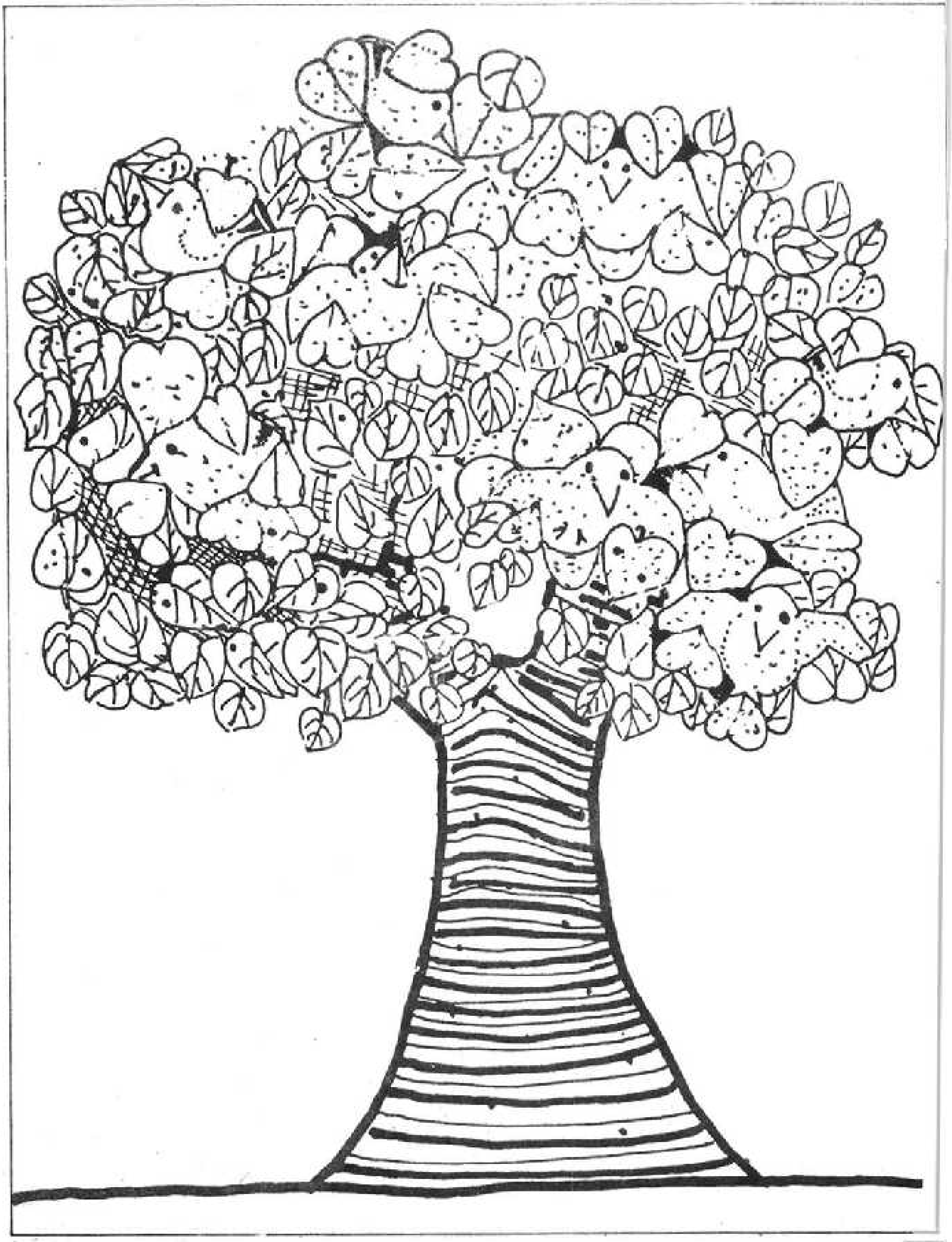

पृष्ठ 43

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र है। इन्हे बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियां भी सोचें व कराएँ।
- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।
- ठोस वस्तुओं व कार्डो का अधिक से अधिक उपयोग करें।
- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा कम करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ -

- चित्र पर कहानी, चर्चा- चिड़ियाँ ढूंढना, गिनना'
- हर चिड़िया को अलग-अलग रंगों से रंगो। पत्तों को हरा रंगो।
- सबसे ऊपर वाली चिड़िया पर 0 लगाओ। सामने देखने वाली कितनी चिड़ियाँ हैं। इस तरफ देखने वाली आदि। कौन सी अधिक हैं? कौन सी कम?
- इसी तरह छोटी बड़ी पत्ती, बिन्दी वाली, बिना बिन्दी वाली आदि।
- बाहर पेड़ों और चिड़ियों का अवलोकन करना।

नोट- यह पन्ना बारीक अवलोकन का है। इस की जितनी गतिविधियाँ कराएं- बाहर भी ले जाकर, उतना अच्छा है।

इस पन्ने पर आपने कौन सी गतिविधियाँ कराई-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन सी नई गतिविधियाँ बनाई व कराई (संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को कौन सी गतिविधियों में ज्यादा मज़ा आया? किनमें दिक्कत आई?

चतुर चुनमुनी

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र है। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियाँ भी सोचें व कराएँ।
- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।
- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।
- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा कम करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ -

- चित्र पर बातचीत।
- चित्र में और चीज़ें बनाना जैसे और पेड़, पेड़ पर बन्दर या आम पानी में और मछलियाँ आदि।
- चित्र पूरा करना अंक के बिन्दु जोड़कर-1-10 तक।
- चित्रों के नाम लिखना, (चित्र कार्ड से मदद् ले सकते हैं।)
- कहानी पढ़ना- बच्चे उंगली रखकर पढ़ें।
- कहानी आगे बढ़ाना - चुनमुनी बत्तख से कैसे बची?
- मोटे अक्षरों में लिखे शब्दों को पहचानना जैसे शंख, गल, बत्तख आदि।
- कहानी पढ़ने की कोशिश करना - शिक्षक प्रोत्साहित करें।
- च पर गोला लगाना।
- अब तक आए शब्दों व अक्षरों को **जोड़कर छोटी** कहानी कविता पढ़ना जैसे

एक था खरगोश। बहुत ही नटखट नाम था उसका चुटकी।चुटकी खेत में घुस जाता। गाजर मूली खाता। एक बार चुटकी गंगाराम के खेत में घुस गया। गंगाराम ने चुटकी को खूब पीटा। पट-पट पट-पट पट।
या खटखट वाली कविता-कविता संग्रह से।...

- ु की मात्रा का अभ्यास खुश, दुनिया, तुम कुछ जैसे शब्द बनाना...- पृष्ठ 39, 57 जैसे और अभ्यास

नोट - पढ़ने व लिखने के अभ्यास के लिये।

- किसी मोड़ पर छोड़ी गई कहानी पूरी करने के लिये सोच विकसित करना।

इस पन्ने पर आपने कौन सी गतिविधियाँ कराईं-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

चतुर चुनमुनी

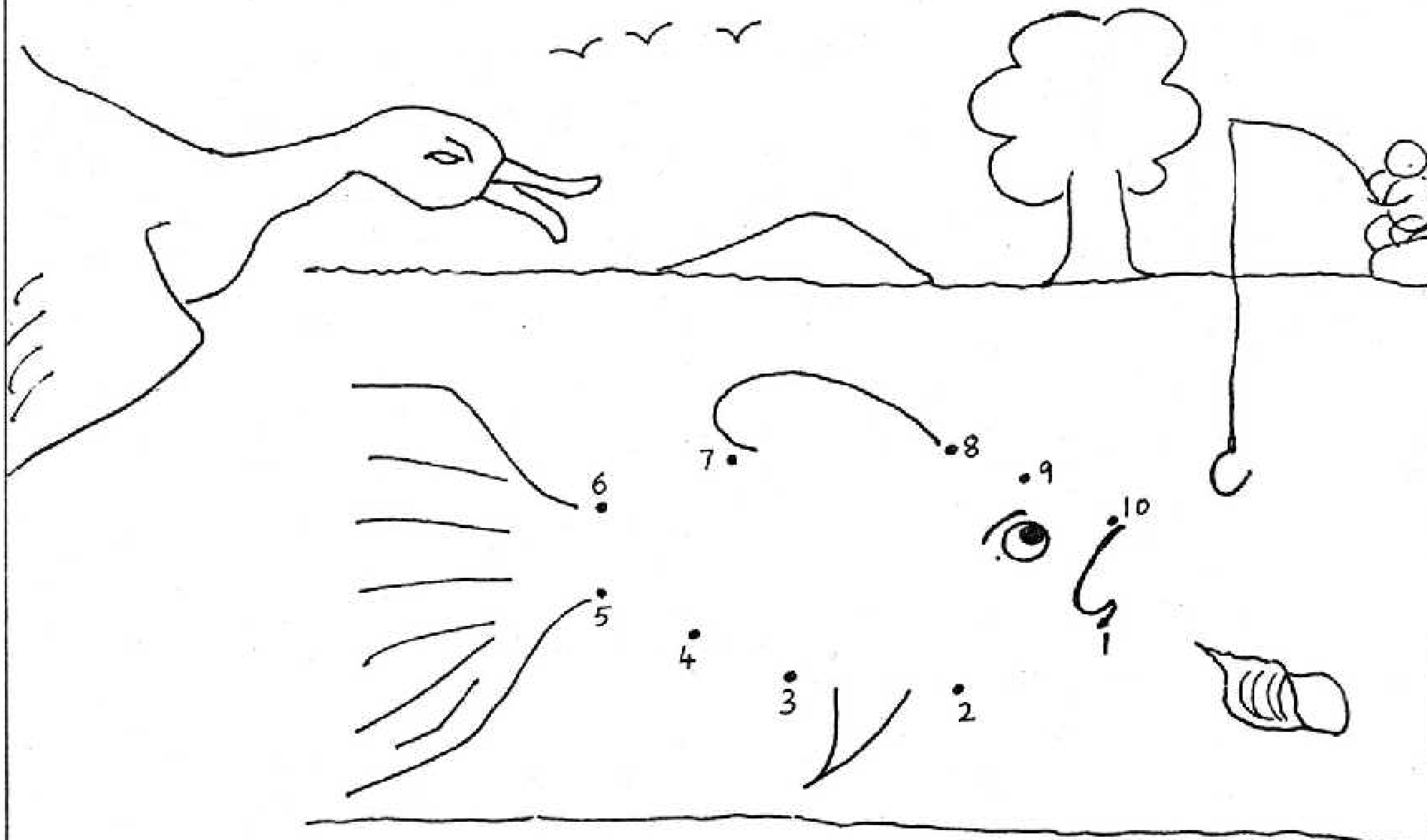

एक थी मछली। बहुत चंचल, बहुत चालाक। उसका नाम था चुनमुनी।

चुनमुनी दूसरी मछलियों से बहुत बड़ी थी। लेकिन छोटी मछलियों से उसकी खूब दोस्ती थी।

एक दिन सुबह चुनमुनी घूमने जा रही थी। तभी एक बड़ी सी बत्तख उसके पीछे पड़ गई। बत्तख ने अपनी चोंच खोलकर चुनमुनी को पकड़ने की कोशिश की।

चुनमुनी भागी। भागते-भागते वह एक शंख के पास पहुँची। वहाँ एक गल टंगा हुआ था। एक लड़के ने छोटी मछलियों को पकड़ने के लिए गल टांगा था।

इधर चुनमुनी को बत्तख से बचना था। और उधर छोटी मछलियों को भी बचाना था। चुनमुनी ने झट से शंख को गल में फंसा दिया।

लड़के ने सोचा कि मछली पकड़ में आ गई है। उसने जैसे ही गल को खींचा, वह शंख के भार से टूट गया।

पर चुनमुनी पर अभी भी आफत थी। क्योंकि बत्तख उसके पीछे पड़ी हुई थी। अब सोचो, चुनमुनी बत्तख से कैसे बची होगी?

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन सी नई गतिविधियाँ बनाईं व कराईं (संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को कौन सी गतिविधियों में ज्यादा मज़ा आया? किनमें दिक्कत आई?

बोलो भई कितने..?

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र है। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियां भी सोचें व कराएँ।
- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।
- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।
- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा कम करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ -

- चित्रोंपर कहानी /चर्चा।
- चित्रों में दी गई चीज़ें गिनना- उपयुक्त अंक कार्ड ढूंढना।
- किसमें गेंद ज़्यादा है? किसमें चूहे कम हैं? कितने ज़्यादा कितने कम?
- केले ज़्यादा है या पेड़? खाली डिब्बे की ओर इंगित करके इसमें कितने सेब हैं। आम से कितने ज़्यादा?
- दोनों समूहों में बराबर करने के लिये कितने चाहिए।
- नीचे तीन-तीन डिब्बे हैं? सबसे अधिक किसमें? सबसे कम किसमें? तीनों को किसी संख्या 5,7,8 के बराबर करने के लिये कितने जोड़ने या घटाने पड़ेंगे?
- बोलो भाई कितने खेल खेलना।
- अंक कार्ड क्रम में जमाना
- ठोस वस्तुओं की ढेरियों को क्रम में जमाना

नोट - अधिक-कम वस्तुओं को क्रम में जमाने का अभ्यास।
- बड़ी छोटी संख्याओं को क्रम में जमाना जिनमें अन्तर एक से अधिक हो।

इस पन्ने पर आपने कौन सी गतिविधियाँ कराई-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन सी नई गतिविधियाँ बनाई व कराई (संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को कौन सी गतिविधियों में ज्यादा मज़ा आया? किनमें दिक्कत आई?

बोलो भई कितने...?

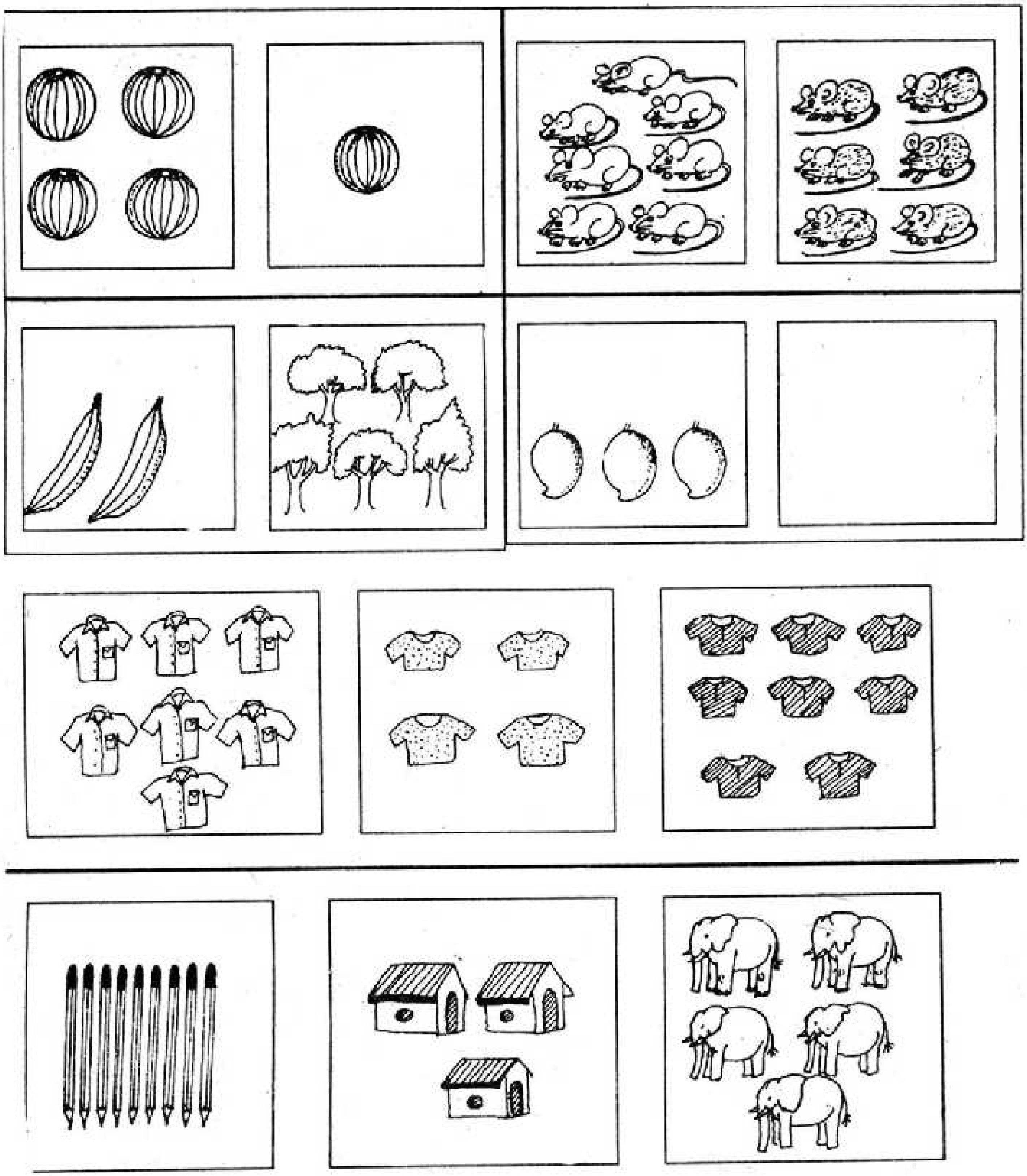

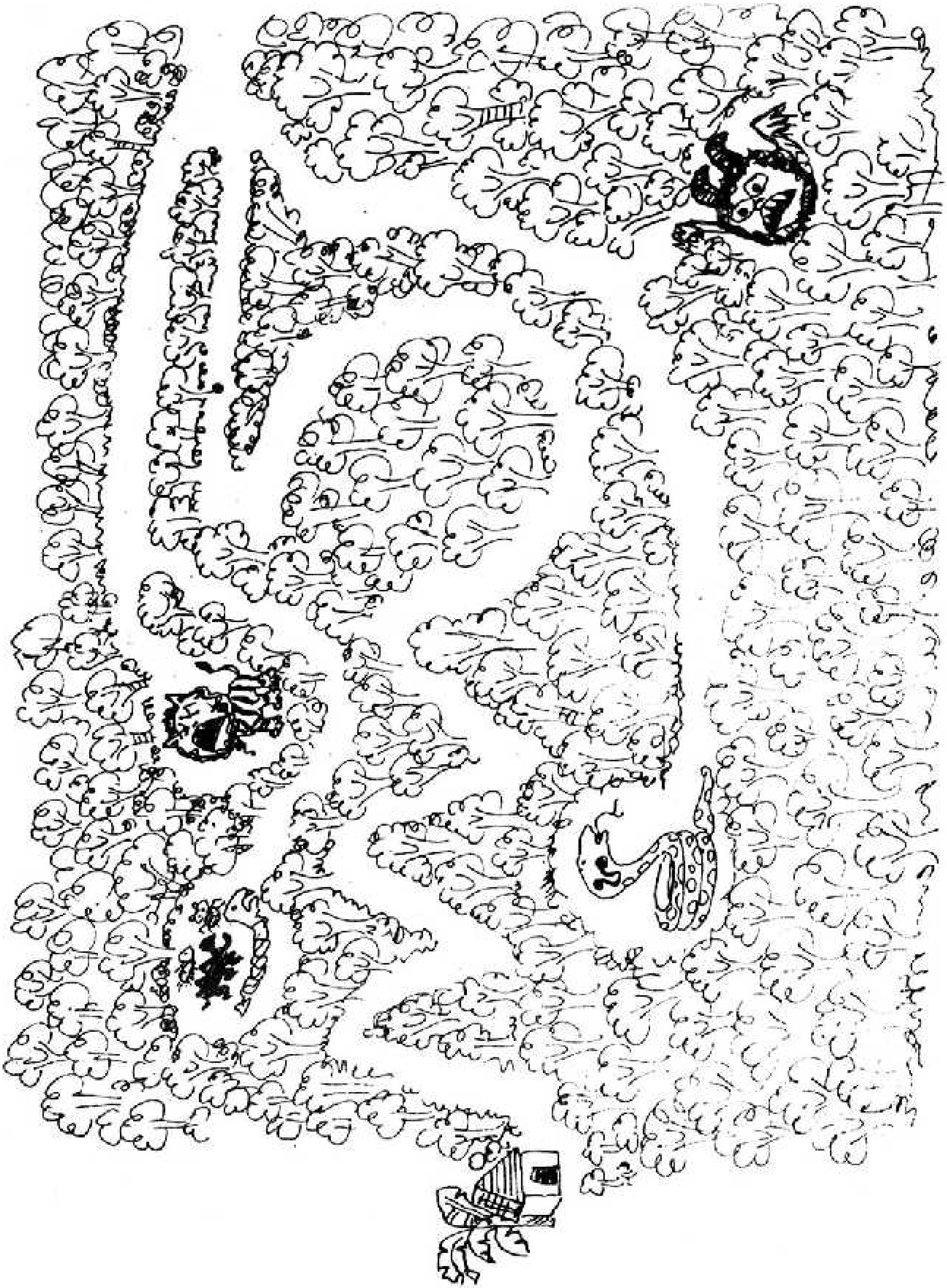

पृष्ठ 47

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र है। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियाँ भी सोचें व कराएँ।
- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएं। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।
- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।
- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा कम करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ -

- चित्र पर चर्चा क्या क्या है कहानी आदि - एक लड़की जब जंगल में गुम गई... तो उसे ... मिले परी, जिन आदि भी हो सकते हैं।
- रास्ता ढूंढना। सीधे हाथ की खाली जगह से जंगल में आना। घर तक सही रास्ते से पहुंचना। शेर किस रास्ते पर मिलेगा? बिच्छू किस रास्ते पर? आदि।
- रास्ते पर पेंसिल सही चलाना ताकि दोनों तरफ न लगे।
- ऐसी और भूल भुलैया बनाना।

नोट - जगह की समझ पर आधारित
- मौखिक अभिव्यक्ति से जोड़ें

इस पन्ने पर आपने कौन सी गतिविधियाँ कराईं-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन सी नई गतिविधियाँ बनाईं व कराईं (संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को कौन सी गतिविधियों में ज्यादा मज़ा आया? किनमें दिक्कत आई?

कितने कितने

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र है। इन्हे बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियां भी सोचें व कराएँ।
- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएं। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियां करके वापस इस पन्ने पर लौटें।
- ठोस वस्तुओं व कार्डो का अधिक से अधिक उपयोग करें।
- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा कम करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ -

- चित्र पर चर्चा- कौन सी दुकानें हैं? दुकानों में क्या क्या है- कितने प्लेट पतीली, गिलास हैं, कितनी बरनी, डिब्बे, साबुन, गुड़ियाँ हैं?
- अंक कार्ड ढूंढ कर रखना। गुड़ियाँ अधिक या साबुन? कितने अधिक जैसे सवाल पूछना।
- दुकान का खेल. हर चीज की कीमत तय करना 10,25,50 पै, 1 रु. 2 रु. के सिक्के, 1,2,5,10,20 रु. के नोट बनाकर खरीदने बेचने का खेल खेलना।
- नीचे डिब्बों में दी गई चीजों को गिनना। उनके अंक कार्ड ढूंढना। कौन सी संख्याएं 2 बार हैं। कौन सी 1 बार? क्या कोई संख्या 3 बार भी है?
- दो टीमों में खेल खेलना- एक टीम संख्या बताए, दूसरी टीम उस संख्या का डिब्बा ढूंढे। (17 किसी में नहीं है- यदि एक टीम में 17 मांगा तो दूसरी टीम को बताना होगा कि नहीं है।
- डिब्बों को क्रम देना सबसे कम को 1, उससे अधिक 2...

11 से 19 का खेल अंक कार्ड बारी-बारी उठाएं और उतनी संख्या में चीजें भी उठाएँ।

- डिब्बों को अंक के साथ जोड़ना।

नोट- इस पन्ने पर 11 से 20 तक गिनने और अंकों के साथ संबंध का अभ्यास है।

11 से 19, कम से अधिक के क्रम में जमाना।

इस पन्ने पर आपने कौन सी गतिविधियाँ कराईं-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन सी नई गतिविधियाँ बनाईं व कराईं (संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को कौन सी गतिविधियों में ज्यादा मज़ा आया? किनमें दिक्कत आई?

कितने कितने

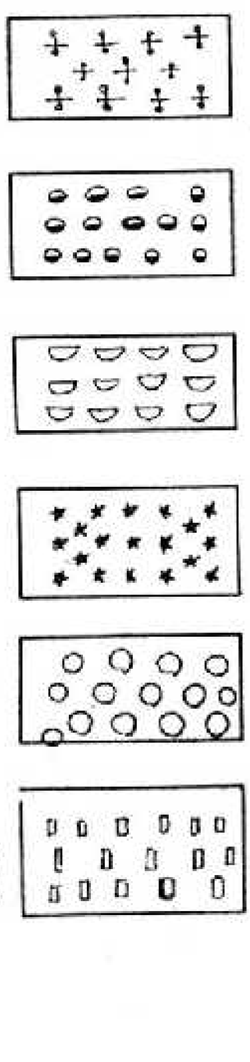

11

12

13

14

15

16

17

18

19

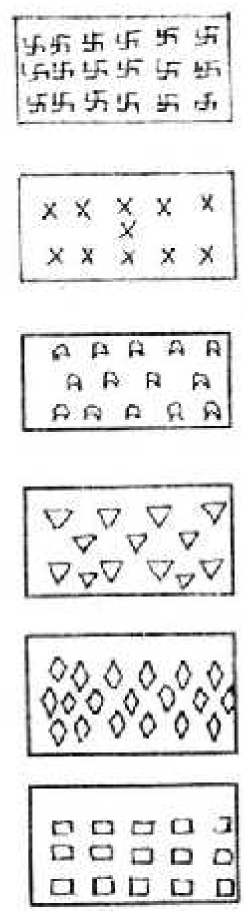

अगर तुम मुझे खाओगे----

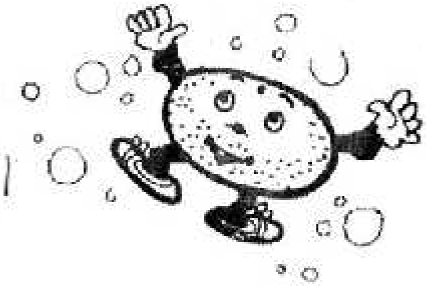

एक **छोटा-मोटा, गोल-मटोल आलू था।**

वह लुढ़कता-फुदकता-गुढ़कता
अपने घर जा रहा था।

रास्ते में मिल गया
उसे **'खाऊं'** बकरा।
खाऊं ने **आलू** को रोका और
कहा - मुझे बहुत भूख लगी है, मैं
तुम्हें खाने वाला हूँ। **खाऊं** ने **छोटे-मोटे,
गोल-मटोल आलू** को पकड़ लिया।

आलू चिल्लाया - रुको।
अगर तुम मुझे खाओगे,
तो खुद **आलू** बन जाओगे।

खाऊं ने ऊपर देखा -
हाय राम रे, ये मुझे क्या हुआ!
नाक मेरी **आलू** बन गई
हवा में मैं कैसे उड़ रहा।

अगर तुम मुझे खाओगे...........

सुझाई गई गतिविधियां केवल सुझाव मात्र है। इन्हे बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियां भी सोचें व कराएं।
- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएं। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियां करके वापस इस पन्ने पर लौटें
- ठोस वस्तुओं व कार्डो का अधिक से अधिक उपयोग करें।
- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा कम करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ

- चित्रों को देखकर कहानी, चर्चा, अंदाजा लगाना - बकरा और आलू क्या बोल रहे होंगे।
- शिक्षक कहानी पढ़कर सुनाए, बच्चे उंगली रखकर साथ-साथ बोलें। (ध्यान रहे, बच्चे पूरे वाक्य के बाद बोलें और सही जगह उंगली रखें इस तरह नहीं **आलू-आलू, आँखें-आँखें, नचा-नचा**..... पर इस तरह ***आलू आँखे नचा कर बोला - आलू आँखें नचा कर बोला......***
- जिन वाक्यों में पुनरावृत्ति है जब दूसरी-तीसरी बार आता है तब बीच में शिक्षक रुककर बच्चों को आगे बोलने के लिए प्रोत्साहित करे। जैसे आलू फिर हँस कर बोला मेंढक अगर मुझे....और यहाँ रुक जाएँ बच्चे खुद जोड़ें खाएगा तो खुद आलू बन जाएगा।.... आदि।
- हाथी, शेर और चींटि का आलू खाने के बाद का चित्र बनाना - खाली जगह में।
- इस प्रकार की और कल्पनात्मक कहानियाँ बनाना और सुनाना।
- अगर मुझे खाएगा अगर मेंढक तुम्हें खा गया जैसे वाक्यांश ढूंढना।
- बार-बार आने वाले शब्द जैसे मुझे तुम्हें खाएगा तो आदि ढूंढना, खाली कार्डों में शिक्षक ये शब्द लिखें और इनसे वाक्य बनवाएँ ।
- एक सी मात्रा के शब्द ढूंढना। जैसे मुझे, मुड़ा, बहुत आदि।
- कहानी याद होने के बाद करना। यदि मुखौटे उपलब्ध हों तो मुखौटे पहनकर नाटक करना।
- शब्द कार्ड में कहानी के शब्द कार्ड ढूंढना।
- शब्द पहचान के साथ अक्षर व मात्रा पहचाना उनसे नए शब्द व वाक्य बनाना ।

नोट :- इस पाठ में पढ़ने के तरह-तरह के अभ्यास किए जा सकते हैं।
   - चूंकि इस पाठ में बार-बार आने वाले शब्द व वाक्य पढ़ने की शुरुआत करने व अंदाज लगाने में ये मददगार होंगे।

इस पन्ने पर आपने कौन सी गतिविधियाँ कराई-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन सी नई गतिविधियाँ बनाईं व कराईं (संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को कौन सी गतिविधियों में ज्यादा मज़ा आया? किमें दिक्कत आई?

फिर खाऊं ने पूछा-
अच्छा, अगर तुम्हें साँप
खा ले तो?

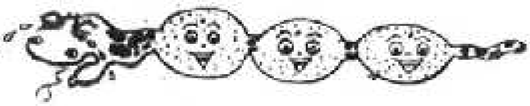

आलू हँसा -
साँप अगर मुझे खाएगा
तो खुद आलू बन जाएगा।

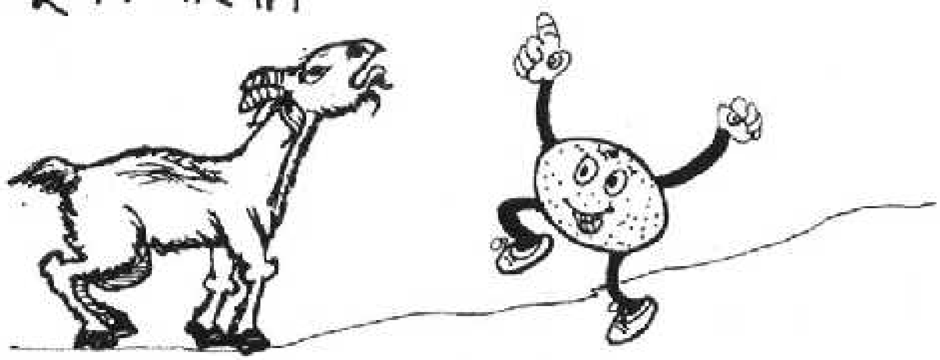

खाऊं ने ऊपर देखा- अरे, अरे - ये साँप को क्या हो गया?

खाऊं ने अब थोड़ा डरते हुए पूछा -
बोलो, अगर मेंढक तुम्हें खा गया तो क्या होगा?

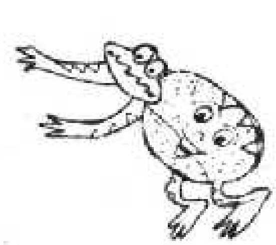

आलू फिर हँस कर बोला-
मेंढक अगर मुझे खाएगा
तो खुद आलू बन जाएगा।

खाऊं ने ऊपर देखा - अरे बाप रे-
मेंढक कैसे फुदक रहा है?
आकाश में आलू के पेट
वाला मेंढक फुदकता
जा रहा था।

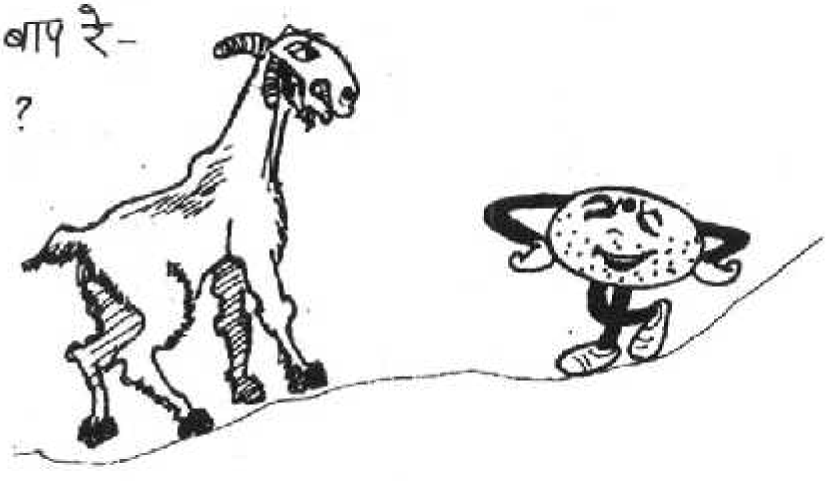

खाऊ इस अनोखे आलू से अब बहुत डर गया था। फिर भी उसने पूछा - **अगर हाथी तुम्हें खा जाए तो क्या होगा ?**

आलू आँखें नचा कर बोला - **हाथी अगर मुझे खाएगा**
तुम बताओ कैसा बन जाएगा।

और **चीटा अगर मुझे खाएगा**
तो कैसा बन जाएगा ?

और **शेर अगर मुझे खाएगा**
तो कैसा बन जाएगा ?

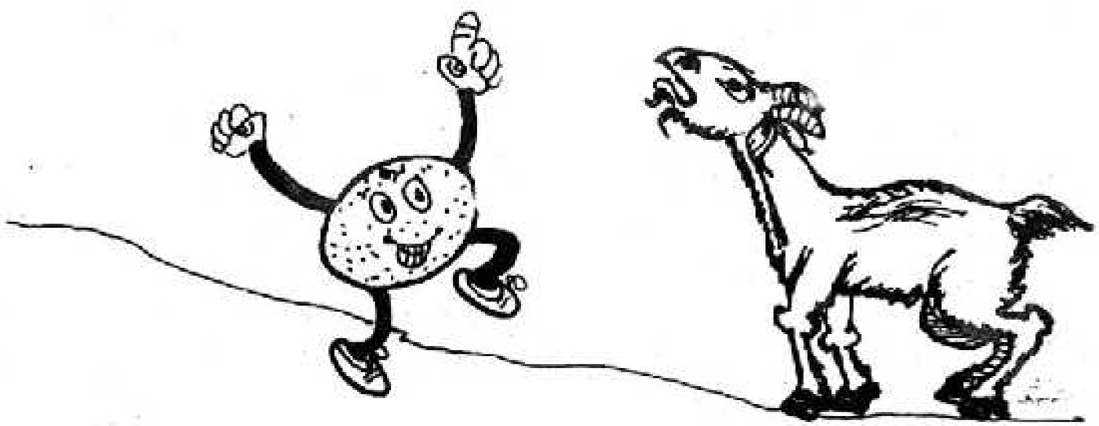

यह सब देख कर तो खाऊ बहुत ही डर गया था। उसने सोचा - अगर मैं और रुका तो मैं शायद आलू ही बन जाऊंगा।

वह मुड़ा और फटा-फट वहाँ से भाग लिया।

चीकू और बाली

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र है। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियां भी सोचें व कराएँ।
- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।
- ठोस वस्तुओं व कार्डो का अधिक से अधिक उपयोग करें।
- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा कम करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधयाँ -

- शिक्षक कहानी सुनाए, ऐसी जिसमें बाली को चीकू को ढूंढना है। चीकू ने रास्ते में जहाँ-जहाँ दो रास्ते आए वहां एक से शुरु करके एक अधिक कंकड़ डालता जाता है..... हर बार कहानी का कथानक बदल सकता है पर कंकड़ या कोई और चीज रखने वाली बात हमेशा रहे।
- 2-5 बच्चे पासे या चिए से खेल-खेल सकते हैं। पासे पर एक ही सतह पर बिंदु हो। यदि बिंदु वाली सतह उपर आए तो एक घर आगे चलें। आगे बढ़ने से पहले उतने कंकड़ उठाने हैं जो सही रास्ते के हैं ।जो पहले पहुंचे और जिसके पास 45 कंकड़ हो जाएं, वह पहला नम्बर आएगा। बाकी बच्चे खेलते जाएंगे जब तक 1 बच्चा बचे। (अगर बच्चा गलत रास्ते पर जाता है तो उसकी एक चाल बेकार हो जाती है और उसके पास कंकड़ भी अधिक हो जाते हैं।)
- इस खेल को बदलकर उपयुक्त अंक कार्ड उठाने वाला खेल भी हो सकता है। खेल के अंत में जीतने वाले बच्चे के पास 0 से 9 तक कार्ड होने जीतने वाले बच्चे के पास 0 से 9 कार्ड होने चाहिए। (यह खेल एक बार 5 बच्चों की दो टोलियों यानी 10 बच्चों से ही खिलाया जा सकता है चूंकि अंक कार्ड के 10 सेट ही हैं।)
- बिंदु मिलाकर चित्र पूरा करना है। (दूसरे चित्र में 2 और 4 छूट गए हैं उनके बिंदु बने हैं हो सके तो जुड़वाने से पहले लिख ले।)
- चित्र पूरा होने के बाद मेंढक क्या बात कर रहे होंगे उस पर चर्चा।
- उपयुक्त जगह पर बंदर, मुर्गा, बिल्ली, मेंढक, लड़की लिखना या शब्द कार्ड छांट कर रखना।
- मेंढकों के आसपास पानी। खाली जगह पर चित्र बनाना व रंग भरना। उन चित्रों को कहानी में जोड़ कर बताना।
- शब्द कार्डों से वाक्य बनाना बंदर केला खा रहा था। एक लड़की थी। एक बिल्ली थी। लड़की जंगल में गई आदि। (कहानियों में आए शब्द जो शब्द कार्ड में नहीं हैं उन्हें कोरे शब्द कार्डों पर लिख कर शिक्षक दे ।)
- उंगली फेर कर सही रास्ते से बंदर तक पहुंचना। काफी बार खेल खिलाने और उंगली फेरने के बाद पेंसिल से रास्ता बनाना।

नोट :- इस पन्ने पर काफी मौखिक गतिविधियां गिनने और संख्या के साथ जुड़ी हैं। गणित के साथ उसका संदर्भ, भाषा आदि बहुत महत्वपूर्ण हैं। अतः ये विभिन्न तरह की गतिविधियां कराना उचित होगा।
- एक और एवं अंकों में क्रम की बातें भी इक पन्ने में हैं। ये भी महत्वपूर्ण अवधारणाएँ हैं।

- *बंदर से लड़की तक पहुंचने की कहानी और खेल भी उपयुक्त समय पर कराए जा सकते हैं। इनसे एक कम की अवधारणा भी विकसित होगी जो घटाने के लिए महत्वपूर्ण हैं।*
- *सुझाई गई गतिविधियां कई बार कराएं। पेंसिल का उपयोग बाद में करें।*

इस पन्ने पर आपने कौन सी गतिविधियाँ कराईं-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएं	समय	सामग्री

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन सी नई गतिविधियाँ बनाईं व कराईं (संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को कौन सी गतिविधियों में ज्यादा मज़ा आया? किसमें दिक्कत आई?

चीकू और बाली

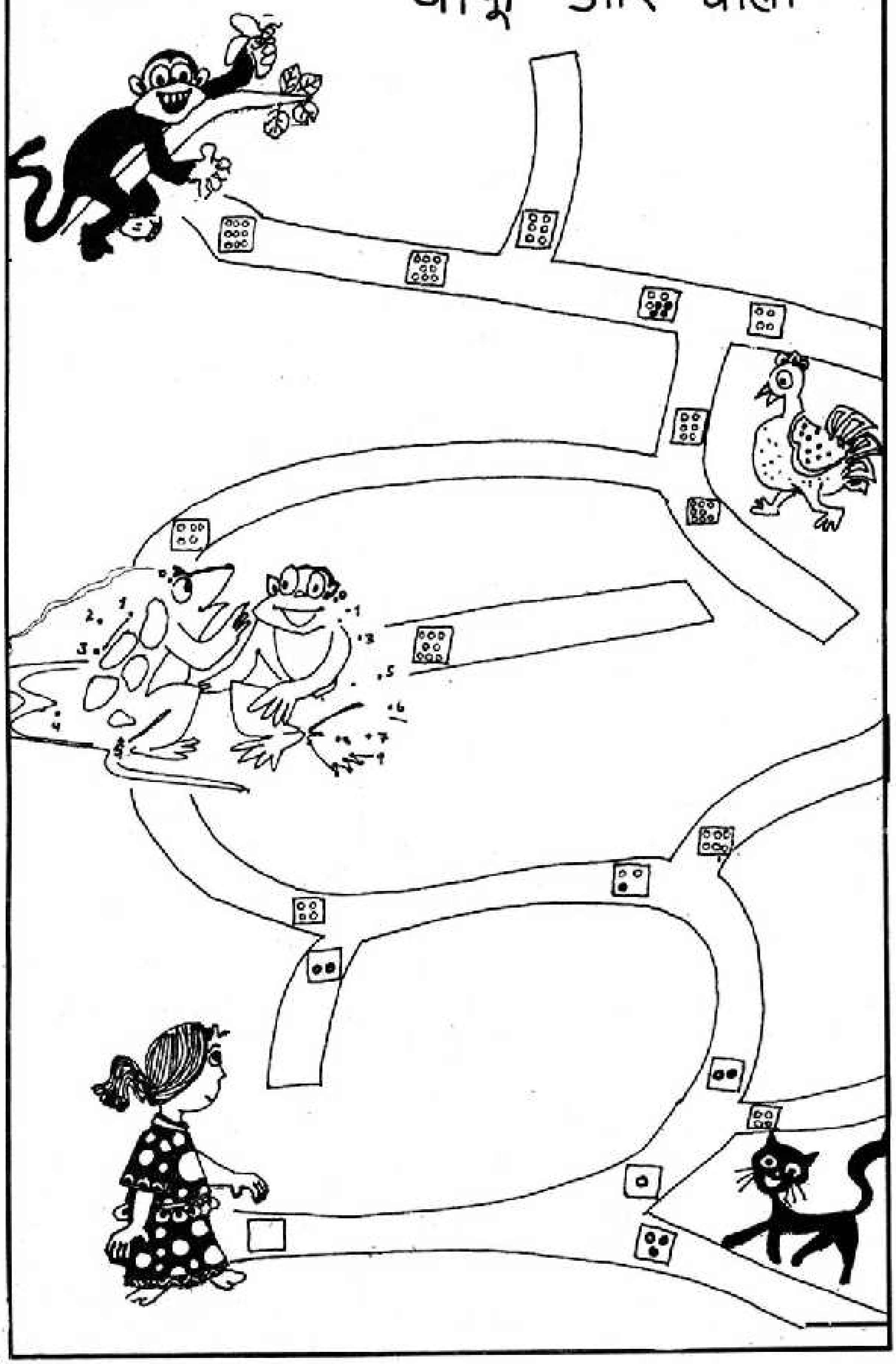

कितने बचे....?

तीन चिड़ियों में से	— एक उड़ गई।	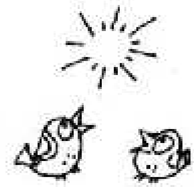 कितनी बचीं?	3 -1 2
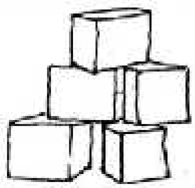 पांच डिब्बों में से	— 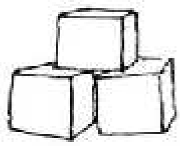 तीन निकालो।	कितने बचे?	5 -3
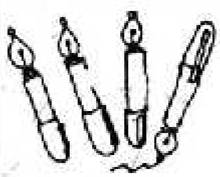 चार पेन में से	— 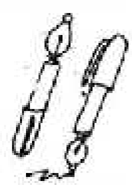 मटरू दो ले गया।	कितने बचे?	4 -
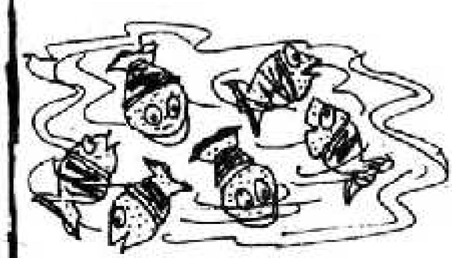 तालाब में 6 मछलियां थीं। मोहन ने 4 मछलियां पकड़ ली। कितना बचीं?			
मदन के पास 3 पत्थर थे। उसने तीनों पानी में फेंक दिए। कितने बचे?			

कितने बचे.....

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र है। इन्हे बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियां भी सोचें व कराएँ।
- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।
- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।
- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा कम करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ -

- पन्नें में दिए गए सवालों को कहानियों में पिरो कर सुनाना जैसे मनकू के घर पर तीन चिड़ियाँ दाना चुग रही थीं। मनकू गुब्बारे से खेल रहा था। अचानक गुब्बारा फूटा। उसकी आवाज से तीन चिड़ियों में से एक उड़ गई। कितनी बचीं.....

दोनों चिड़ियों ने कहा अरे छुटकी तो फालतू में उड़ गई - एक गुब्बारा ही तो था....

- बच्चों को स्वयं चित्र देखने देना और उन पर बातचीत करने देना। चित्र में क्या हो रहा है चित्र के माध्यम से सवाल समझना।
- सवाल पढ़ना और समझना। घटा को कुछ वस्तुओं में से कुछ कम करने के रूप में समझना। घटा के चिन्ह को पहचानना।
- सवालों को कंकड़ों की मदद से हल करना।
- अंक कार्ड ढूंढ कर सवाल हल करना। (खाली कार्ड में - का निशान बना सकते हैं।)

जैसे

$$\begin{array}{r} \boxed{4} \\ \boxed{-}\ \boxed{2} \\ \hline \boxed{2} \end{array}$$

- खाली जगह पर सवाल लिख कर हल करना। (तीसरा सवाल पूरा करके हल करना है।)
- ऐसे और सवाल और चित्र बनाना व हल करना।

***नोट :-** यह घटाने का दूसरा पन्ना है। इसमें सवाल चित्रों के अलावा भाषा व अंकों में भी हैं। पृष्ठ 42 में केवल चित्रों में थे। गणित समझने में भाषा, अंक व चिन्ह में सामंजस्य महत्वपूर्ण है।*
- सवाल लिख कर करने से पहले मौखिक व ठोस वस्तुओं से काफी अभ्यास करवाएँ। कार्ड रख कर भी करें।
- अभी घटा की शुरुआत ही है। अतः बच्चों को ठोस वस्तु और चित्रों की सहायता की जरुरत होगी। इसलिए उन्हें यह सहारा लेने दें।

इस पन्ने पर आपने कौन सी गतिविधियाँ कराईं-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन सी नई गतिविधियाँ बनाईं व कराईं (संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को कौन सी गतिविधियों में ज्यादा मज़ा आया? किनमें दिक्कत आई?

फुग्गे

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र है। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियाँ भी सोचें व कराएँ।
- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।
- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।
- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा कमकरें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ -

- कहानी सुनाते हुए सवाल मौखिक हल करना।
- पट्टी पर लिखकर सवाल हल करना (इस तरह भी करा सकते हैं)

```
  10
+  5
─────

+  2
─────
```

- यदि जरुरत पड़े तो गुब्बारों पर कंकड़ रखकर गिनना।
- इस तरह के 2 या तीन चरण की और कहानियां सुनाना व उनसे सवाल हल करवाना। (इसी कहानी में संख्या बदली जा सकती है। और कहनयाँ भी बनाई जा सकती हैं।)
- पहले कितने बच्चे थे कितने और आए कितने हुए जैसे सवाल भी पूछना।
- फुग्गों, रानू, मटरु पास जैसे शब्द ढूंढना। चित्र के साथ लिखना।
- दो टीमों में या जोड़ियों में हल करने का खेल खेलें एक सवाल बनाएँ दूसरा हल करें।

फुग्गे

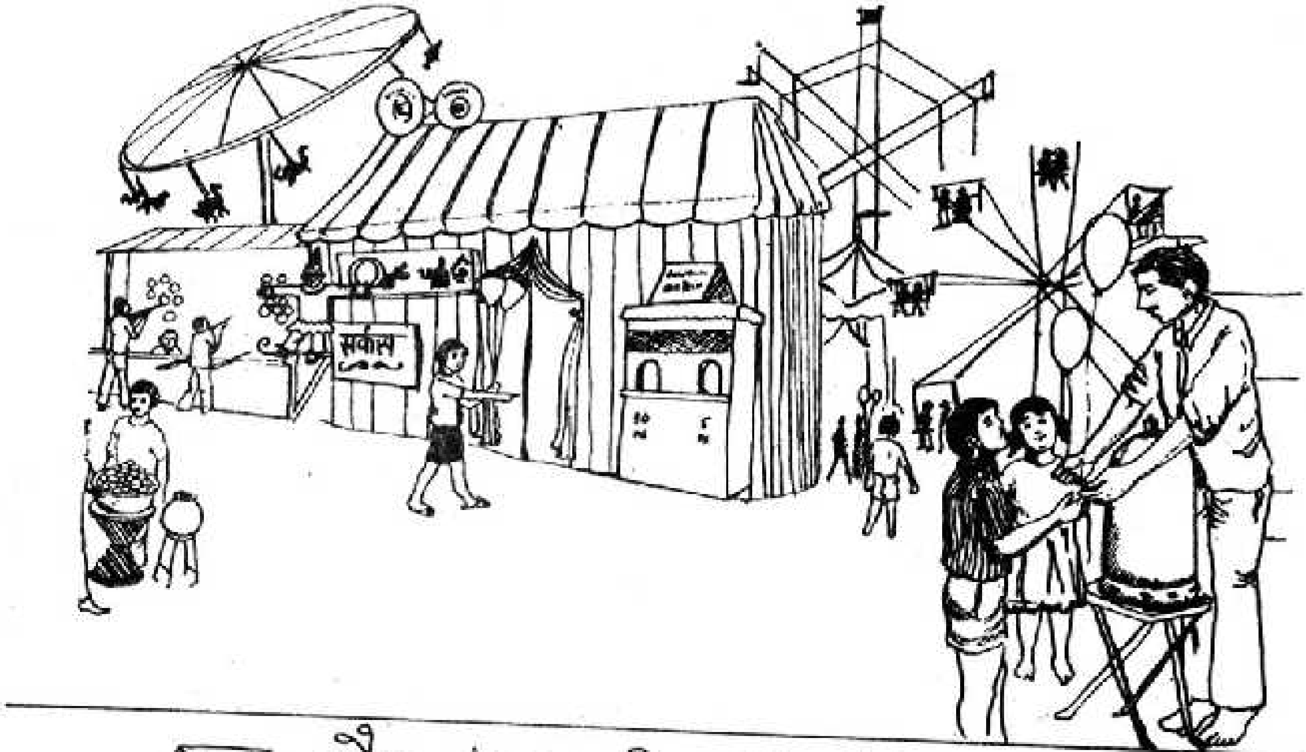

रानू और मटरू मेला देखने गए।
वहाँ उन्होंने फुग्गे खरीदे।

रानू ने मटरू से कहा-
मेरे पास दस फुग्गे हैं।
तेरे पास तो सिर्फ पाँच
ही हैं।

दोनों के **मिलाकर** कितने फुग्गे
हुए?

+ ____

____

मटरू ने कहा- हमारे पास 15 फुग्गे हैं। राजू के पास तो 2 ही हैं।

तीनों के मिला कर कितने फुग्गे हुए?

+ ___
___

रानू - शिब्बू तू भी हमारे साथ आ जा। हमारे पास खूब सारे फुग्गे हो जाएंगे।

कितने सारे हो जाएंगे?

17
+ 2
___

- ऐसे ही दो तीन चरण में छोटी संख्याओं के साथ घटाने के सवाल। कहानियाँ बनाना।

नोट :- इस पन्ने में फिर चित्र, शब्द और अंकों के संबंध के साथ सवालों का सिलसिला है। यह संबंध बहुत महत्वपूर्ण है।
- यहां दो जटिलताएं जुड़ गई हैं - 3 चरण के सवाल हैं। 10 से बड़ी संख्याएँ हैं। सवाल लिखते समय इकाई सही जगह लिखने पर ध्यान दें।

इस पन्ने पर आपने कौन सी गतिविधियाँ कराईं-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन सी नई गतिविधियाँ बनाईं व कराईं (संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को कौन सी गतिविधियों में ज्यादा मज़ा आया? किसमें दिक्कत आई?

इन्हें भी जोड़ो

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र हैं। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियाँ भी सोचें व कराएँ।
- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।
- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।
- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा कम करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ -

- जोड़ के सवाल मौखिक हल करना।
- पट्टी पर लिखकर भी हल करना।
- सवालों में कौन सी संख्या बड़ी, कौन सी छोटी, कौन सी बराबर, पहचानना।
- कौन से जोड़ बराबर हैं, पहचानना।
- 9 तक के और भी जोड़ करना। उन में से बराबर जोड़ पहचानना। बराबर जोड़ों में चर्चा के माध्यम से कुछ पेटर्न पहचानना।
- नीचे चित्रों में दिए सवालों को चित्र बनाकर हल करना। संख्या लिखकर भी हल करना।
- बातचीत करना कि सवाल कैसे हल किए यदि जरूरत पड़े तो ठोस वस्तुओं या उंगलियों की मदद लेना।
- 2 पासे से जोड़ का खेल खेलना। दोनों पासों पर जो अंक आएँ उन्हें लिखकर भी हल करना।

नोट :- यह केवल संख्याओं का पहला पन्ना है। वास्तव में गणित ऐसी ही अमूर्त संख्याओं का खेल है। कक्षा 1 में अमूर्तता तक पहुँचने के लिए काफी ठोस गतिविधियों की आवश्यकता है।
- इस तरह के सवाल और साथ-साथ ठोस वस्तुओं की गतिविधियाँ जारी रहें।
- सवाल हल करते समय बच्चों को सवाल के बारे में बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित करें - तुमने कैसे किया? मेरा कम क्यों आया ?आदि।

इस पन्ने पर आपने कौन सी गतिविधियाँ कराईं-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन सी नई गतिविधियाँ बनाईं व कराईं (संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को कौन सी गतिविधियों में ज्यादा मज़ा आया? किनमें दिक्कत आई?

इन्हें भी जोड़ो

3 + 2 ____	4 + 1 ____	2 + 1 ____
2 + 2 ____	4 + 4 ____	6 + 3 ____
7 + 2 ____	2 + 7 ____	2 + 3 ____

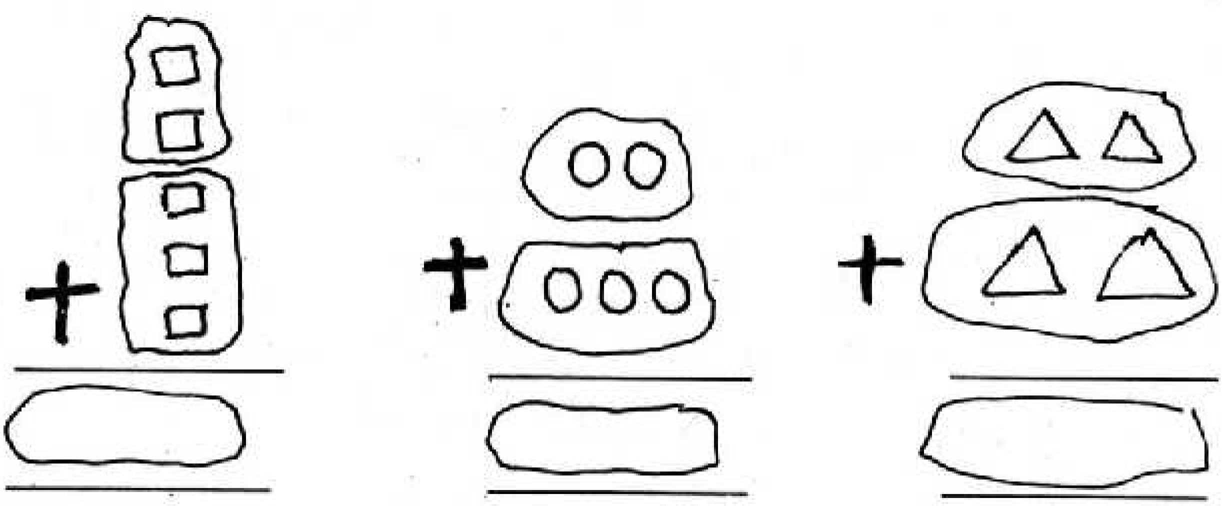

चूहा हाथी

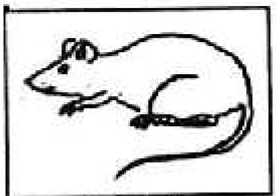	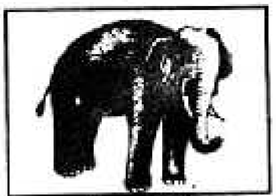		
चूहा	हाथी	तराजू	—ता
	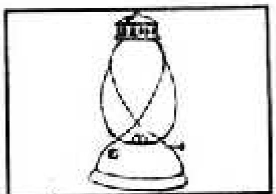		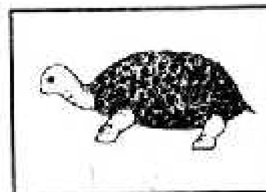
चकला	—लटेन	ढोलक	—छुआ
		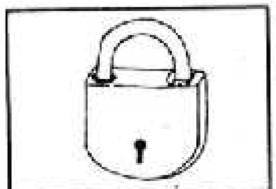	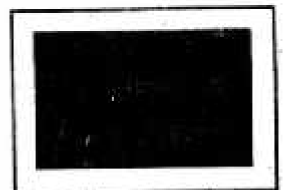
माला	जाला	—ला	—ला

पली	परी	प	प—		प—
मन	मान	मना	पट	प—	प—
पर	पीर	परी	कस	—स	क—

हाथी
आया।

चूहा
आया।

गधा
आया। हाथी जंगल गया। चूहा घर गया। गधा बाज़ार गया। हाथी ने

केला
खाया। चूहे ने
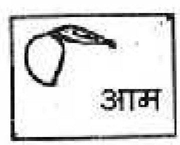
आम
खाया। गधे ने

टमाटर
खाया। हाथी सो गया। चूहा सो गया। गधा सो गया।

चूहा हाथी

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र है। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियां भी सोचें व कराएँ
- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।
- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।
- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा कम करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ

- चित्रों पर चर्चा
- चित्र और शब्द पहचानना, पढ़ना। शब्द पहचानकर, पढ़कर शब्द कार्ड, चित्र कार्ड ढूंढना।
- शब्द पहचानकर चित्र बनाना - मन से।
- एक शब्द के अंतिम और दूसरे के आरंभिक अक्षर को पहचानना। ऐसे और जोड़ बनाना जैसे ***चूहा-हाथी, रहा-हाथ, सहा-हारा*** ऐसे ही और जोड़ों के लिए।
- नए जोड़ भी शब्द कार्ड से ढूंढना, बनाना जैसे ***बकरी-रीछ***
- अंतिम और आरंभिक अक्षर में समानता पहचानकर खाली स्थान भरना जैसे ढोल<u>क</u> <u>क</u>छुआ। ऐसे और अभ्यास करना।
- एक ही अंतिम अक्षर के कई शब्द ढूंढना, बोलना, बनाना, लिखना। जैसे ***माला, जाला,*** या *लटकी, पटकी, मटकी*
- एक ही मात्रा अलग-अलग वर्णो पर लगाकर शब्द बनाना जैसे ***पली, परी, पटी, पकी....***
- एक ही मात्रा को अलग-अलग जगह लगाकर शब्द बनाना जैसे ***मन मान मना, पट, पाट, पटा......*** ऐसे और जोड़ बनाना।
- अक्षर और मात्रा कार्डो से ये शब्द बनाना।
- नीचे दी गई कहानी शब्द कार्डो की सहायता से पढ़ना। कहानी के वाक्यों को बदल कर भी पढ़ना।
- बार-बार आए शब्द पहचानना। ढूँढना कहाँ-कहाँ लिखा है - जैसे हाथी, चूहा, गधा, आया, खाया, गया.....आदि।
- अन्य शब्द चित्र कार्ड, शब्द कार्ड (क्रिया वाले) से भी ऐसी छोटी कहानियाँ बनाना।

***नोट :-** इस पन्ने पर पढ़ने की कई प्रकार की गतिविधियाँ हैं। उन्हें एक साथ न कराएं। एक बार में एक तरह की गतिविधि कराएँ, फिर किसी और पन्ने के अभ्यास।*

- कहानी पढ़ने के कई तरह के अभ्यास करें। बोर्ड पर कहानी लिखकर बच्चों से कार्ड से बनवाएँ।

(त्रुटि सुधार - कहानी की आखिरी लाईन में हाथी ने टमाटर खाया की जगह गधे ने टमाटर खाया होना चाहिए।)

इस पन्ने पर आपने कौन सी गतिविधियाँ कराईं-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन सी नई गतिविधियाँ बनाईं व कराईं (संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को कौन सी गतिविधियों में ज्यादा मज़ा आया? किसमें दिक्कत आई?

पृष्ठ 58

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र है। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियाँ भी सोचें व कराएँ।
- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियां करके वापस इस पन्ने पर लौटें।
- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।
- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा कम करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ -

- गाँव से जंगल गए बच्चों के बारे में कहानी सुनना सुनाना। चर्चा करना।
- चित्रों पर बातचीत।
- हर एक पेड़ के आम गिनना। 10 आमों पर घेरा लगाकर गिनना।-14 आम वाले एक पेड़ में 1 आम और जोड़ो। कितने हुए ?-13 आम वाले एक पेड़ से 3 आम हटा दो। कितने हुए?- 19 आम वाले पेड़ में से एक आम हटा दो । कितने हुए ?
- एक-एक पेड़ के आमों पर बारी-बारी से कंकड़ रखना। फिर वही कंकड़ खानों में रखकर देखना कि कौन से पेड़ के आम किस स्तम्भ में जाएंगे।
- खानों को गिन कर उपयुक्त अंक कार्ड ढूंढना।
- 10 से 20 तक के अंक कार्डो को क्रम में जमाना । कौन सी संख्या का स्तम्भ नहीं है देखना।
- इस तरह के खानों के स्तम्भ पट्टी पर बनाकर उनमें कंकड़ रख संख्या लिखना।
- हर पेड़ के नीचे सही संख्या लिखना।
- हर स्तम्भ के ऊपर और नीचे भी सही संख्या लिखना।
- आम, जानवर, बच्चों पर सवाल पूछना, लिखना, करना।

नोट :-(त्रुटि सुधार 13 व 14 आम वाले 2-2 पेड़ हो गए हैं 10 एवं 18 आम वाला कोई पेड़ नहीं है। 19 का स्तम्भ नहीं है। अतः 4,5,5 को 7 के पहले करना जरुरी है।)

- यह पन्ना 10 से 20 तक की संख्याओं को 10 के आधार पर समझने की कोशिश है। यह दहाई का आधार है। संख्या नाम व आधार समझना काफी लंबी प्रक्रिया है। इसमें काफी कठिनाइयाँ आती हैं। एक बात ध्यान में रखें इन संख्याओं को एक पे एक ग्यारह , एक पे दो बारह, या एक और एक ग्यारह एक और दो बराह के रुप में न पढ़ाएँ बल्कि दस और एक दस और दो के रुप में बताँ। इस से आगे चलकर समझने में आसानी होगी।

- इस समय पर्याप्त अभ्यास के साथ-साथ इन संख्याओं से कई तरह के खेल खेलने की जरुरत है, क्रम में जमाना, गिनना, एक और ,एक कम जोड़ना, घटाना, कम-ज्यादा आदि के संदर्भ में सोचना, बात करना, सवाल बनाना व करना।

इस पन्ने पर आपने कौन सी गतिविधियाँ कराईं-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

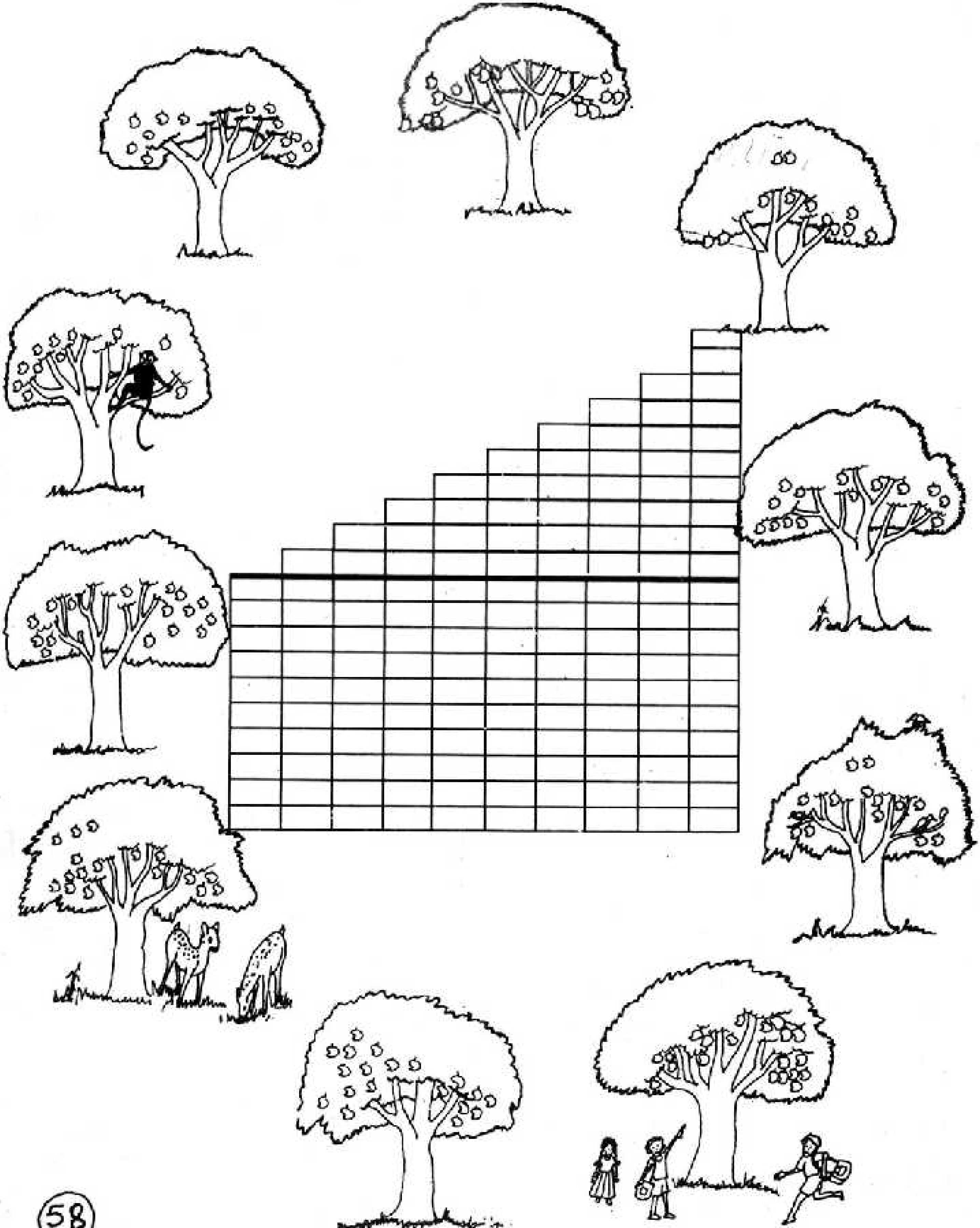

कौन किसके साथ ?

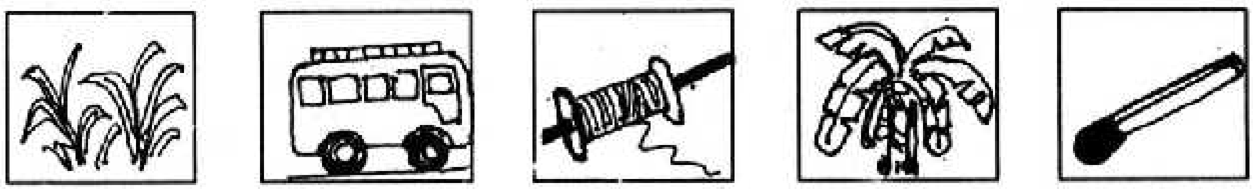

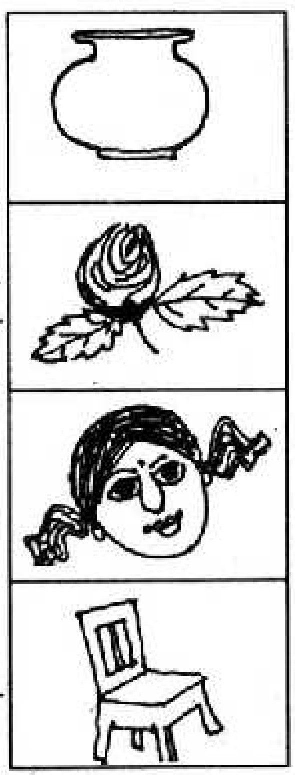

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन सी नई गतिविधियाँ बनाईं व कराईं (संक्षिप्त विवरण)

____

____

____

____

आपको व बच्चों को कौन सी गतिविधियों में ज्यादा मज़ा आया? किसमें दिक्कत आई?

____

____

कौन किसके साथ

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र है। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियँ भी सोचें व कराएँ
- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।
- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।
- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा कम करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ -

- चित्रों पर चर्चा, कहानियाँ बनाना।
- जोड़ी ढूँढना। जोड़ी के आधार पर बातचीत जैसे बकरी घास खाती है। टायर बस में लगता है।
- उपयुक्त शब्द चित्र कार्ड ढूँढना। खाली जगह पर नाम लिखना।
- शब्द चित्र कार्डों से और ऐसी जोड़ियाँ ढूँढना।
- नीचे दिए शब्द चित्रों की मन से जोड़ियाँ सोचकर बनाना जैसे मटके का लोटा/ गिलास, फूल-पेड़, पानी/तितली...... इन जोड़ियों पर बातचीत करना। जोड़ी के आधार आदि पर।
- जोड़ी का चित्र बनाना, नाम लिखना।
- इस तरह अलग-अलग संदर्भों में बात करना।

नोट :- दो वस्तुओं के बीच संबंध समझना, सोच पाना, दुनिया के बारे में समझ बनाने की एक आधार भूत मानसिक प्रक्रिया, दक्षता है। ये संबंध कई प्रकार के होते हैं। धीरे-धीरे जटिल संबंधों को भी समझा जा सकता है। ये संबंध कई प्रकार के होते हैं ।
(उपयोग, एक समूह सदस्य जैसे जानवर आदि)
- बच्चों को खुले रुप से संबंध स्थापित करने दें उन पर किसी खास संबंध पर जोर न दें। बच्चों से इन संबंधों पर बात जरुर करें।

इस पन्ने पर आपने कौन सी गतिविधियाँ **कराईं-**

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएं	समय	सामग्री

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन सी नई गतिविधियाँ बनाईं व कराईं (संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को कौन सी गतिविधियों में ज्यादा मज़ा आया? किसमें दिक्कत आई?

किसने बोला म्याऊँ

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र है। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियाँ भी सोचें व कराएँ।

- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।

- ठोस वस्तुओं व कार्डो का अधिक से अधिक उपयोग करें।

- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा कम करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ -

- इस कहानी में बार-बार आए वाक्य व वाक्यांश के संदर्भ में पढ़ने के अभ्यास करना। जैसे ' ***क्या तुमने बोला म्याऊँ*** ' ।
- कहानी पहले हाव भाव के साथ बोलकर सुनाना, फिर पढ़कर। जहाँ अगला पात्र आए, रुक जाना और बच्चों से बोलने को बोलना जैसे पिल्ले ने चूहे से पूछा...... क्या पूछा, बच्चे बोलेंगे ***क्या तुमने बोला म्याऊँ ?*** चूहा बोला..... क्या बोला? बच्चे बोलें....
- कहानी पढ़ते समय बच्चों से चित्र पहचनवाना जैसे एक पिल्ला खाट के नीचे सो रहा था।......... पानी में एक मछली तैर रही थी......आदि।
- बिल्ली, मुर्गे, चूहे, मधुमक्खी, मेंढक के पात्र बनकर कहानी का अभिनय करना उनकी बोली बोलना, नए पात्र बदलकर जोड़कर भी कहानी कहना, अभिनय करना।

किसने बोला 'म्याऊँ'?

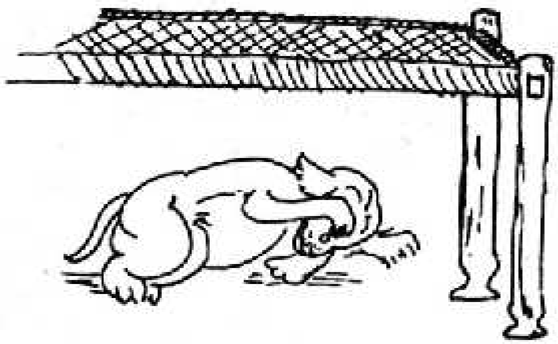

एक पिल्ला खाट के नीचे सो रहा था। तभी उसे एक आवाज़ आई - '**म्याऊँ**'।

पिल्ला झट उठ बैठा। इधर - उधर देखा। सब जगह ढूंढा कि आवाज़ कहाँ से आई -
पेटी के ऊपर,
चादर के नीचे,
मटके के पीछे।
पर कहीं कोई न था।

घर से बाहर आया
तो पिल्ले को एक मुरगा दिखा।

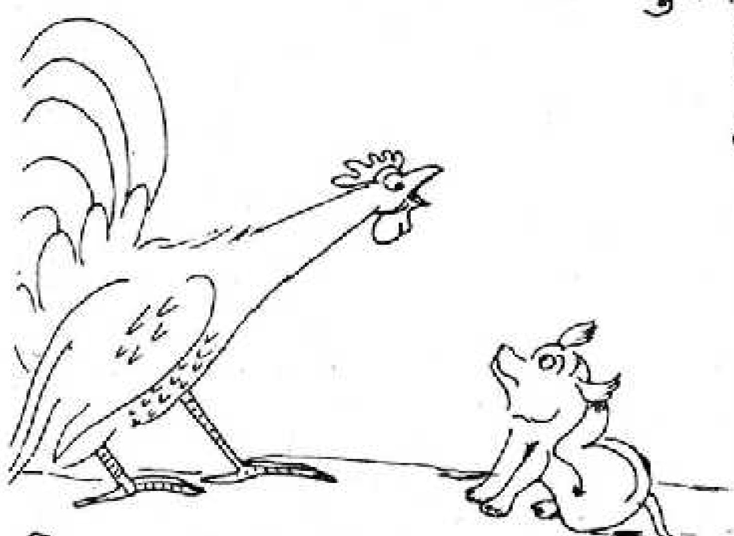

पिल्ले ने मुरगे से पूछा-
क्या तुमने बोला 'म्याऊँ'?
नहीं, मैं तो 'कुक्कड़ू कूं' बोलता हूँ। मुरगा बोला।
कुछ और नहीं बोल सकते?- पिल्ले ने पूछा।
नहीं, मैं तो कुक्कड़ू कूं बोलता हूँ - मुरगा बोला।
पिल्ला सिर खुजाता हुआ आगे चला।

तभी फिर किसी ने कहा -
'म्याऊँ'।
पिल्ला नींबू के झाड़ के नीचे खोदने लगा। एक चूहा फुदककर बाहर निकला।

पिल्ले ने चूहे से पूछा - **क्या तुमने बोला 'म्याऊँ'?**
नहीं मैं तो 'चीं-चीं-चीं' बोलता हूँ - चूहा बोला। और डर कर भाग गया।

पिल्ला गेंदे के फूल के पास पहुँचा। फिर आवाज़ आई - 'म्याऊँ'। फूल पर एक मधु-मक्खी बैठी थी। पिल्ले ने मक्खी से पूछा - **क्या तुमने बोला 'म्याऊँ'?**
नहीं, मैं तो भिन्न-भिन्न-भिन्न बोलती हूँ।
मधु-मक्खी पिल्ले की नाक पर डंक मार कर उड़ गई।

पिल्ला आऊं-आऊं करता हुआ तालाब में कूद गया। वहाँ उसे फिर सुनाई दिया - 'म्याऊँ'। पानी में एक मछली तैर रही थी। पिल्ले ने मछली से पूछा - **क्या तुमने बोला** म्याऊँ?

मछली कुछ बोली नहीं। अपनी पूंछ हिला कर आगे निकल गई।

- कहानी का अंत कैसे हुआ होगा चित्र बनाना।
- अर्धाक्षर पर ध्यान म्य, क्य, क्ख, न्न, क्क, ल्ल आदि।
- पृष्ठ 49, 50 के अन्य अभ्यास।

***नोट :-** पढ़ना सीखने में रोचक कहानियां जिन में कुछ शब्द या वाक्य बार-बार आएं, बहुत मददगार होते है। धीरे-धीरे बच्चे शब्द व वाक्य पहचान कर पढ़ने लेगें।*

- पढ़ने के साथ-साथ उपयुक्त चित्र पर ध्यान, समझने में सहायता भी देता है और समझ के मूल्यांकन में भी मददगार है।

इस पन्ने पर आपने कौन सी गतिविधियाँ कराईं-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ़ से कौन सी नई गतिविधियाँ बनाई व कराईं (संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को कौन सी गतिविधियों में ज्यादा मज़ा आया? किनमें दिक़्क़त आई?

जोड़ो - घटाओं

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र है। इ े बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियां भी सोचें व कराएँ।
- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियां करके वापस इस पन्ने पर लौटें।
- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।
- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा कम करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ -

- चित्रों पर चर्चा करना क्या हो रहा है कितने लोग टोकरियाँ है आदि।
- सवालों को पढ़ने की कोशिश करना।
- सवाल समझकर मौखिक हल करना। फिर पट्टी, बच्चों के श्यामपट पर लिखकर हल करना। बाद में पुस्तक में दी खाली जगह पर सवाल हल करना।
- सवालों पर चर्चा करना - कैसे यदि जितने घटें उतने वापस जोड़ दें तो शुरु की संख्या प्राप्त हो जाती है।
- सवालों के संदर्भ के बारे में बात करें। परिवार में कौन-कौन हैं कौन ज्यादा बाहर जाते हैं कौन घर पर रहते हैं टोकरियों में क्या-क्या बिकता है जीप से सवारी तुम्हारे आसपास कहां कहा जाती है क्या तुम भी कभी जीप से जाते हो कितनी सवारी बैठ सकती है ....आदि।
- इन संदर्भों के और सवाल और नए संदर्भों के भी ऐसे जोड़ घटा के और सवाल बनाना हर करना। ऐसे भी सवाल बनाना एक परिवार में 5 लोग थे। 3 बाहर गए। थोड़ी देर बाद 2वापस आ गए। अब परिवार पूरा होने के लिए कितने और लोगों को वापस आना है आदि

नोट :- इस तरह के सवालों से बच्चों में जोड़ घटा के विपरीत संबंधों का अहसास बनता है जो कि गणित का एक महत्वपूर्ण अवधारणा है।

- जोड़ घटा के सवालों के साथ-साथ मौखिक भाषा एवं लिखित भाषा व चित्रों का उपयोग समझ बनाने के लिए जरुरी है। कई बार बच्चे भाषा नहीं समझ पाते, इसलिए सवाल गलत करते हैं। सवारी, टोकरी (डलिया) गुल्ली आदि न समझने से सवाल में कठिनाई हो सकती है। शिक्षक इन कठिनाइयों का ध्यान रखें तो सुविधा होगी।

इस पन्ने पर आपने कौन सी गतिविधियाँ कराई-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

पास ही एक पत्ते पर एक मेंढक बैठा था। पिल्ले ने मेंढक से पूछा, **क्या तुमने बोला 'म्याऊँ'** ? **मेंढक बोला- मैं तो टर्रर-टर्रर्-टर्रर बोलता हूँ।** और वह पानी में कूद कर गायब हो गया।

किसने बोला **म्याऊँ** ? पिल्ला सोचता-सोचता वापस घर पहुँचा। वह अपनी खाट के नीचे घुस रहा था कि फिर से आवाज़ आई - 'म्याऊँ'। पिल्ला चौंका। अब तुम ही उसे बताओ कि किसने बोला म्याऊँ। और वह कहाँ छुपी होगी कि पिल्ला उसे ढूंढ नहीं पाया?

जोड़ो घटाओ

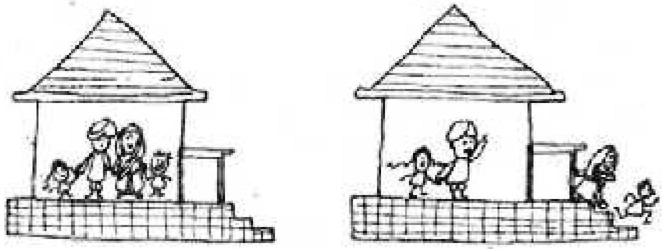

एक घर में 4 लोग थे। थोड़ी देर बाद 2 लोग बाहर चले गए। कितने बचे?

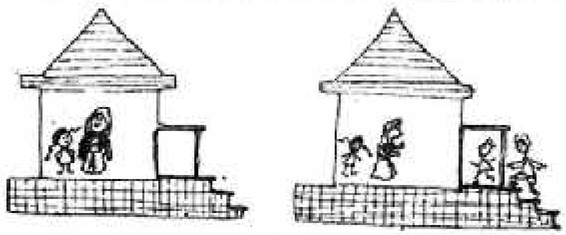

एक घर में 2 लोग थे। कुछ देर बाद 2 लोग बाहर से आ गए। कितने लोग हो गए?

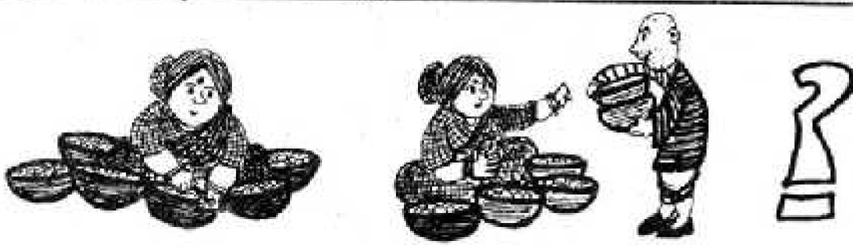

ललिता के पास 6 टोकरी गुल्ली थी। एक आदमी ने दो टोकरी ले ली। कितनी टोकरी बची

ललिता बाई के पास 4 टोकरी गुल्ली थी। लछमी ने 2 टोकरी और दे दी। ललिता बाई के पास कितने टोकरी गुल्ली हो गई?

शाहपुर से एक जीप में 8 लोग बैठे। तीन सवारी बरेठा उतर गई। कितनी सवारी बचीं? पाढर पर तीन सवारी और चढ़ीं। अब जीप में कितने लोग हो गए?

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन सी नई गतिविधियाँ बनाईं व कराईं (संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को कौन सी गतिविधियों में ज्यादा मज़ा आया? किसमें दिक्कत आई?

पृष्ठ 64

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र है। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियाँ भी सोचें व कराएँ
- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।
- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।
- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा कम करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ -

- संख्याए पढ़वाएँ खाली घर में कौन सी संख्या उस पर चर्चा, सही अंक कार्ड चुनवाएँ।
- तीलियों के 10-10 के बंडल बना लें। हर टोली को लगभग 10 बंडल और लगभग 50 खाली काड़ियाँ दे दें। जो खाने छूटे हैं, उनके 10-10 अंक कार्ड और बना लें और हर टोली को हर ऐसे अंक की 2-3 प्रतियाँ दे दें। हर टोली को एक-एक पासा या 6-6 चिए (फूटे हुए) दे दें।
- बच्चों को 4-4 की टोली में बांट दें।
- टोली का हर बच्चा अपनी बारी से चाल चलें। यदि उसकी चाल भरे खाने पर आए तो बच्चे को उतनी काड़ियाँ उठानी है। सही उठाने पर उसकी गोटी वहीं रहेगी। नहीं तो दो घर पीछे। यदि दो घर पीछे का घर भरा है तो उतनी काड़ियाँ, उठाना।
- यदि खाली घर पर गोटी पड़े तो सही अंक कार्ड चुन कर रखना है।
- नए घर पर पहुंचने पर पुरानी काड़ियाँ अंक कार्ड वापस डाल दें और नई संख्या के हिसाब से उठाएँ।
- इस प्रकार जिस घर में उस बच्चे की गोटी है, उसके पास उतनी काड़ियाँ, अंक कार्ड होने चाहिए।
- कई बार खेल-खेल लेने के बाद खालीजगह में सही अंक लिख दें।

***नोट :-** यह 50 तक की संख्याओं का पहला पन्ना है। इस पर संख्या पढने, गिनने आदि के अभ्यास करें।*
- काड़ियों के उपयोग से बड़ी संख्याओं को दहाई व इकाई के (43 को 40+3) के रुप में समझने के पर्याप्त मौके दें।

इस पन्ने पर आपने कौन सी गतिविधियाँ कराईं-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन सी नई गतिविधियाँ बनाईं व कराईं (संक्षिप्त विवरण)

____

____

आपको व बच्चों को कौन सी गतिविधियों में ज्यादा मज़ा आया? किनमें दिक्कत आई?

____

____

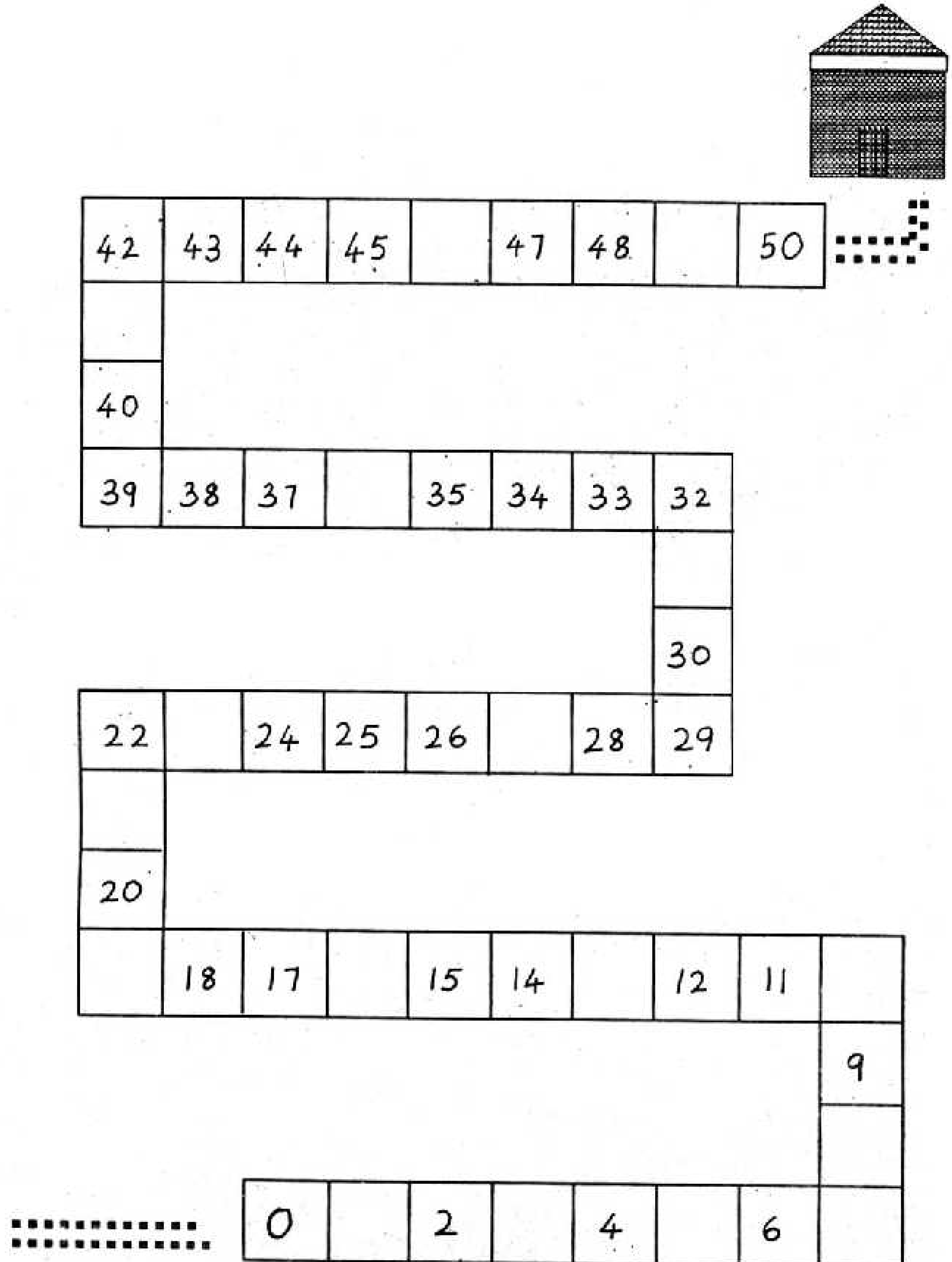
42
43
44
45
47
48
50
40
39
38
37
35
34
33
32
30
22
24
25
26
28
29
20
18
17
15
14
12
11
9
0
2
4
6

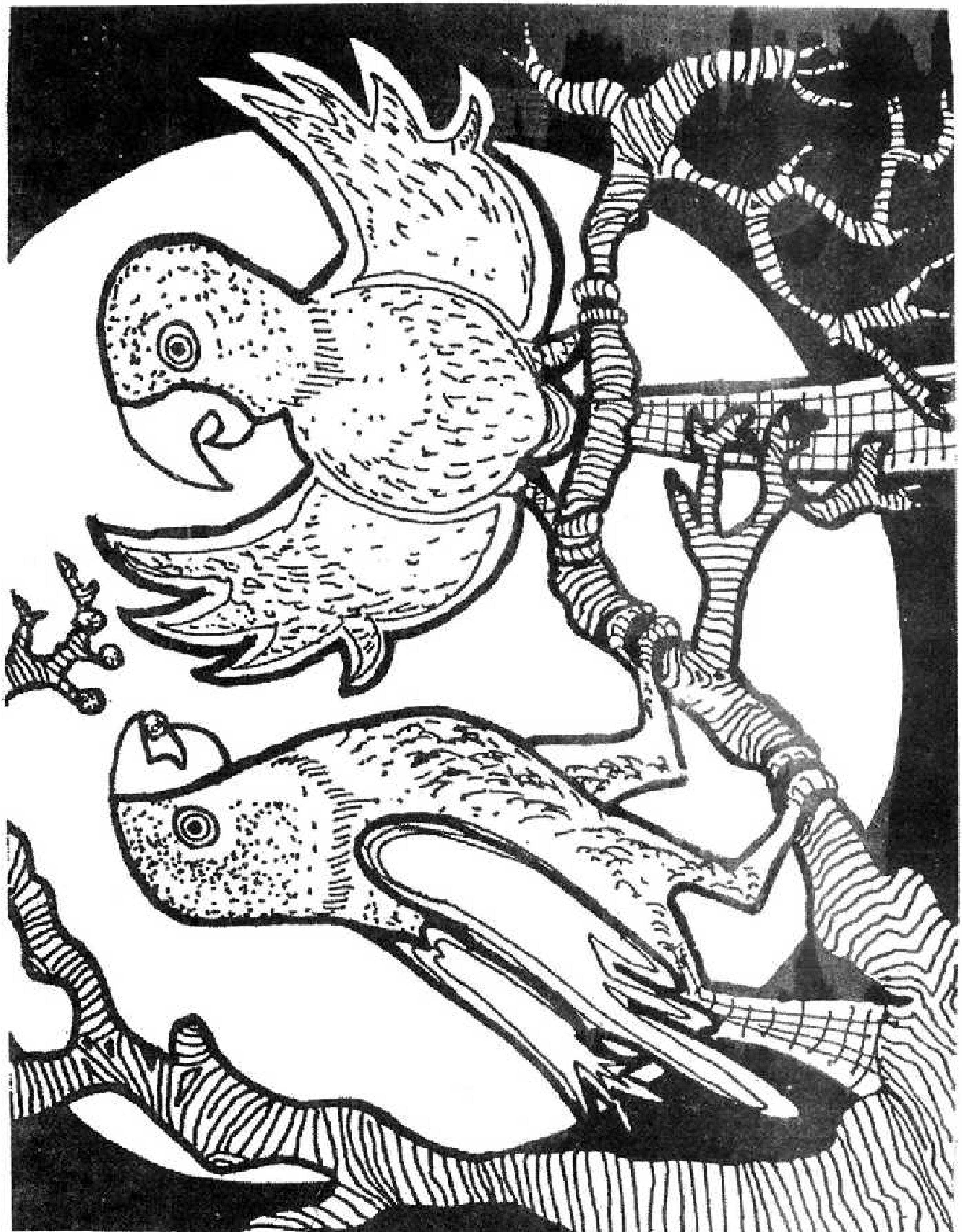

पृष्ठ 65

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र है। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियां भी सोचें व कराएँ।
- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियां करके वापस इस पन्ने पर लौटें।
- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।
- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा कम करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ -

- चित्र पर चर्चा. क्या-क्या है? चांद कहाँ है? कौन से पक्षी है? कहाँ बैठे हैं ? क्या खा रहे हैं?.....दोनों में क्या बात हो रही होगी.... आदि। कितने पक्षी, कितने फल कितने पैर कितने पर?.....आदि।
- पक्षियों के बीच बातचीत के कुछ वाक्य श्यामपट पर लिख कर पढ़वाना। खाली कार्डो पर वाक्य के शब्द लिखकर बच्चे उनसे वाक्य बनाएँ।
- चित्र पर कहानी - अलग-अलग समय पर अलग-अलग कहानी कहें। बच्चों को कहानी कहने दें।
- तोता, पेड़ के शब्द कार्ड ढूंढना।
- तोतों के बीच बातचीत का अभिनय।

नोट :- चित्र पर दो तरह से चर्चा कराएँ- चित्र में क्या है क्या हो रहा है? और दोनों पक्षियों में बातचीत क्या हो रही होगी?

- चित्र में जगह की समझ और काल्पनिकता दोनों का पुट महत्वपूर्ण है।

इस पन्ने पर आपने कौन सी गतिविधियाँ कराई-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन सी नई गतिविधियाँ बनाईं व कराईं (संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को कौन सी गतिविधियों में ज्यादा मज़ा आया? किनमें दिक्कत आई?

मैं भी

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र है। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियां भी सोचें व कराएँ।
- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।
- ठोस वस्तुओं व कार्डो का अधिक से अधिक उपयोग करें।
- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा कम करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ -

- चित्रों पर चर्चा।
- कहानी सुनना, सुनाना।
- उंगली रखकर पढ़ना।
- " मै भी" जैसे वाक्यांशों की पहचान । ***बोला, बोली, चूजा, बत्तख*** आदि की भी पहचान।
- चित्रों को वाक्यों के साथ पहचानना जैसे ***"मैं ने तितली पकड़ी"*** - कहाँ है.....
- कहानी स्वयँ पढ़ने की कोशिश करें।
- पात्र बनकर अभिनय करें।
- कहानी का अंत सोचें, कहानी आगे बढ़ाएं।
- पृष्ठ 60 से 62 के अभ्यास करे । शब्द वाक्य पहचान के साथ साथ अक्षर व मात्रा पहचान । इनमे नए शब्द व वाक्य बनाना ।

नोट :- इस चित्र कहानी में पढ़ने की सहूलियत (बार-बार उन्हीं शब्दों, वाक्यांशों की पुनरावृत्ति) है। अत: इसे पढ़ना सीखने के लिए अच्छी तरह उपयोग किया जा सकता है।
- इस में दूसरी बात क्रम की और तर्क की है। इसी आधार पर कहानी आगे बढ़ाने का काम भी हो सकता है।

इस पन्ने पर आपने कौन सी गतिविधियाँ कराईं-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएं	समय	सामग्री

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन सी नई गतिविधियाँ बनाईं व कराईं (संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को कौन सी गतिविधियों में ज्यादा मज़ा आया? किसमें दिक्कत आई?

मैं भी

एक अंडे में से बत्तख निकली।
मैं आ गई – वह बोली।

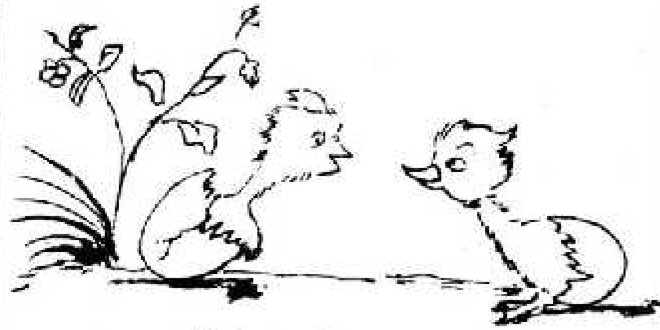

दूसरे अंडे में से चूज़ा निकला।
मैं भी – वह बोला।

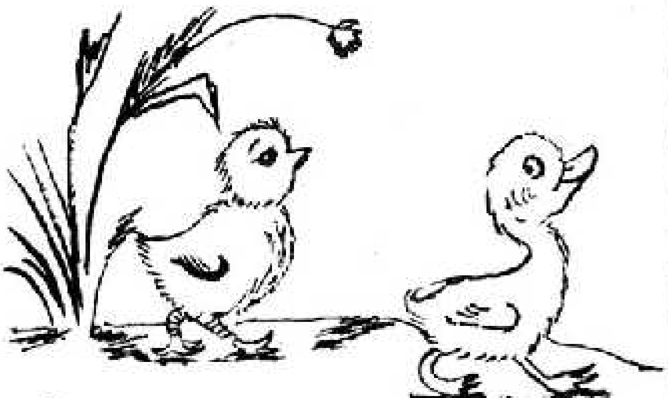

मैं घूमने जा रही हूँ – बत्तख बोली।
मैं भी – बोला चूज़ा।

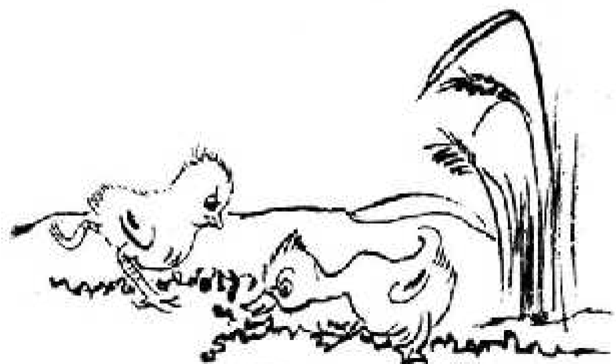

मैं गड्ढा खोद रही हूँ – बत्तख बोली।
मैं भी – बोला चूज़ा।

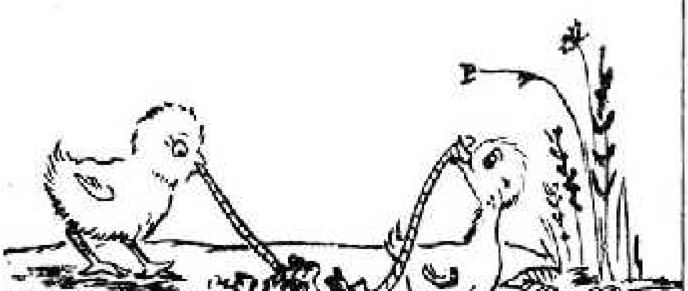

मुझे एक केंचुआ मिला – बत्तख बोली।
मुझे भी – बोला चूज़ा।

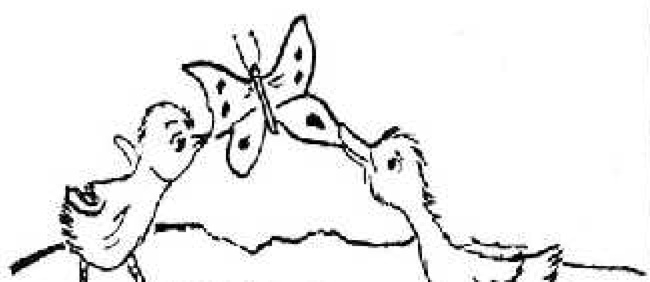

मैं ने तितली पकड़ी – बत्तख बोली।
मैं ने भी – बोला चूज़ा।

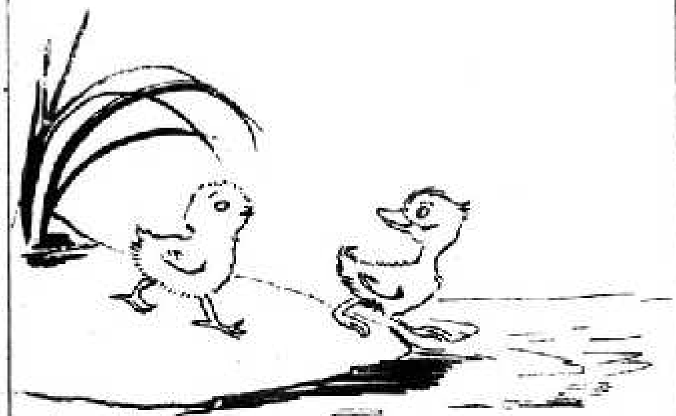

मैं तैरना चाहती हूँ - बत्तख बोली।
मैं भी - बोला चूज़ा।

देखो, मैं तैर रही हूँ - बत्तख बोली।

मैं भी - बोला चूज़ा।

बचाओ !

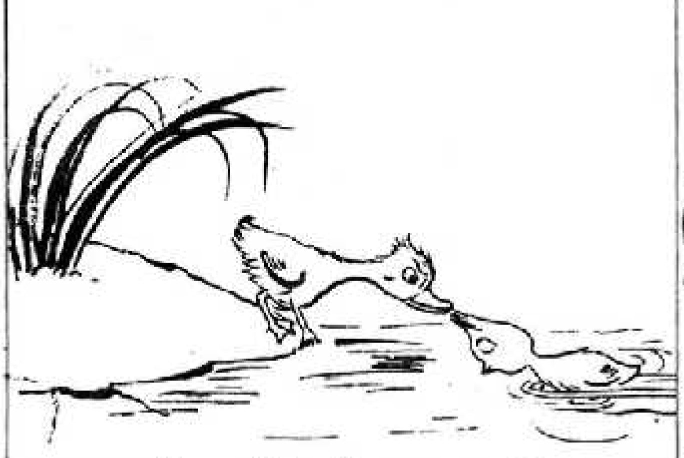

बत्तख ने चूज़े को बाहर निकाला।

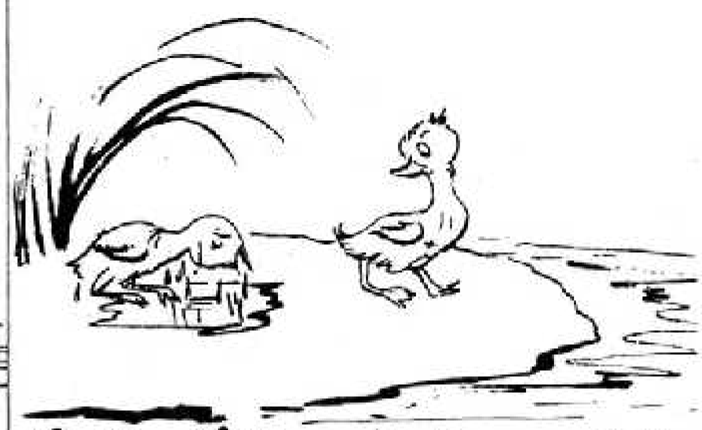

मैं फिर तैरने जा रही हूँ - बत्तख बोली।
मैं नहीं - बोला चूज़ा।

पृष्ठ 68

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र है। इसे बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियाँ भी सोचें व कराएँ।
- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियां करके वापस इस पन्ने पर लौटें।
- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।
- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा कम करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ -

- चित्रों पर चर्चा ।
- चित्रों पर कहानी एक मेंढक था वह जा रहा था उसे एक चूजा चिड़िया मिला इस प्रकार पात्र जुड़ते जाएँ, घटनाएँ जुड़ते जाएँ । बच्चे सही चित्र पर उंगली रखे। आखिरी चित्र मेंढक के पानी में कूदने का है कहानी आगे बढ़ाएँ।
- मेंढक, चूहा चींटा आदि लिखना, पढ़ना।
- हर चित्र में गिनना कितने हैं?

पृष्ठ 65 से 68 के लिए कुछ और गतिविधियाँ

- जब चित्र पर चर्चा और कहानियां कई बार हो चुकी हों और अधिकांश बच्चे कहानी का क्रम पकड़ लेते हो, तब दोनों पन्ने छेद हुए तरफ से फड़वा लें। फिर पृष्ठ 66 और पृष्ठ 67 पर दी गई लाईनों पर दोनों पृष्ठों को मुड़वाकर 6-6 भागों में कटवा लें या कोई सीधी चीज रखकर फड़वा लें। इस काम में बड़े बच्चों की मदद् भी ली जा सकती है।

जब दोनों पन्नों के टुकड़े हो जाएँ तो हरेक उसे सही क्रम में जमाने का काम करे। काम में मदद् करने के लिए शिक्षक कहानी सुनाते जाएँ और बच्चे उपयुक्त चित्र उठाते जाएं। एक बार में पृष्ठ 65 या पृष्ठ 66, 67 या पृष्ठ 68 जमवाएँ ।

इस पन्ने पर आपने कौन सी गतिविधियाँ कराईं-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन सी नई गतिविधियाँ बनाईं व कराईं (संक्षिप्त विवरण)

____

____

____

आपको व बच्चों को कौन सी गतिविधियों में ज्यादा मज़ा आया? किनमें दिक्कत आई?

____

____

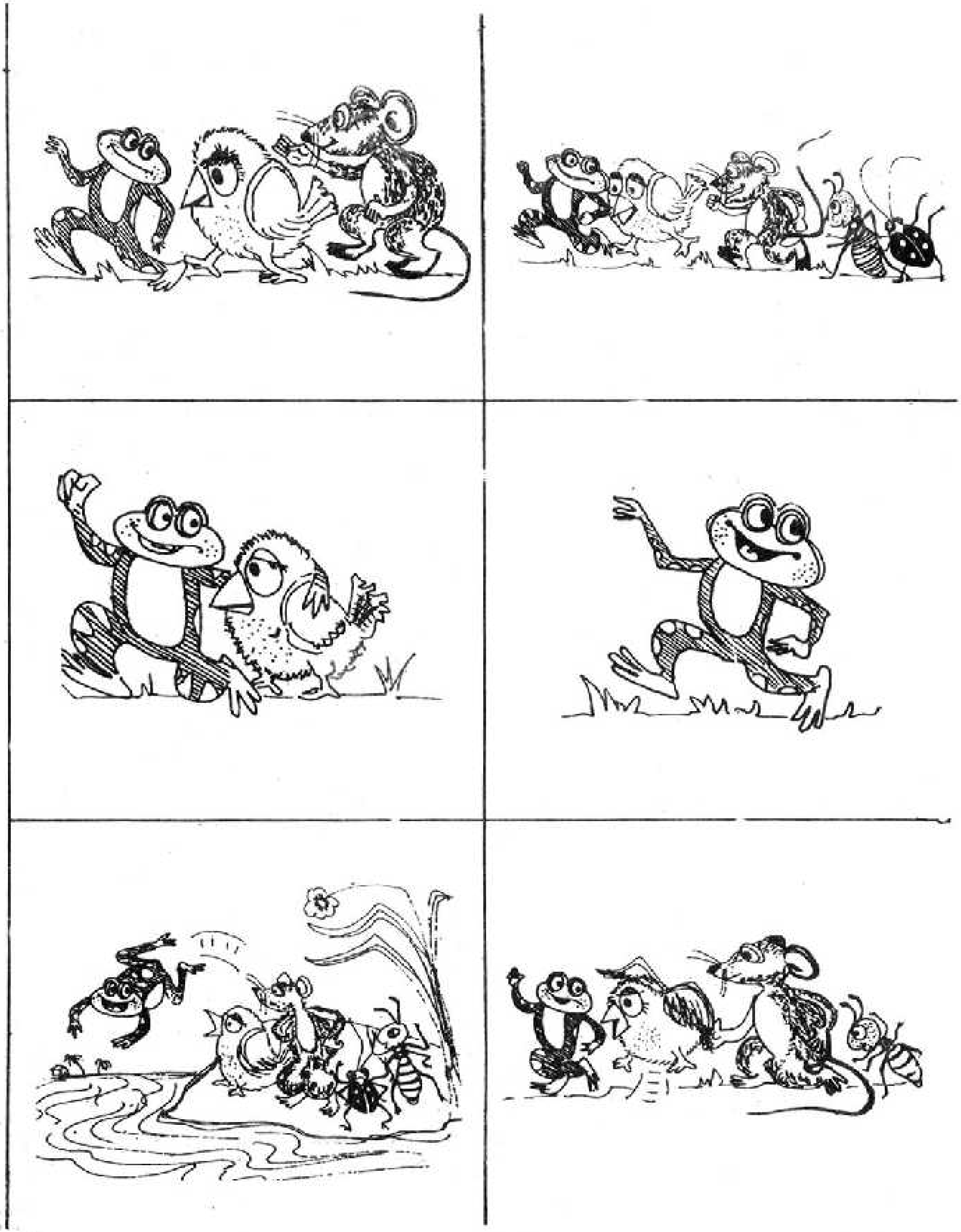

प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम (नवाचार)पाठ्यक्रम - कक्षा पहली

पहला चरण

1. बच्चे शिक्षक के निर्देशों के अनुसार काम कर सके - घेरे में, समूह में, लाईन में बैठना, चीजें लाना, रखना, इस्तेमाल करना।

2. ध्यान से सुनें और बेझिझक अपनी बात कहे सकें : तरह तरह की आवाजों की नकल करें, नई आवाज़ें निकालें। कहानी-कविता सुनें बोलें। किसी घटना या बात का वर्णन दें। चित्रों को देखें, उन पर बातें करें, क्रियात्मक चित्रों पर कहानी या वाक्य बनाएँ बताएँ।

3. शारीरिक नियंत्रण का विकास कर सकें - स्वतंत्र चित्र बना सके सोची हुई आकृति मिट्टी से बनाना, जमीन पर खींची लाईन पर चलना, व्यायाम, रस्सी कूद, मैदानी खेल।

4 ठोस वस्तुओं (बीज, कंकड, पत्ती, कागज आदि) को इकट्ठा कर के आकार, रंग, संख्या, आदि के आधार पर छाँट सकें, जमा सकें व उनके बारे में बातचीत कर सकें।

5. विभिन्न वस्तुओं व समूहो में अन्तर समानता आदि बातों का अवलोकन करें, बताएँ।

6.आकृति पहचान : विभिन्न आकृतियाँ पहचानें,-जैसे गोल, चौकोर, आदि गीली मिट्टी, कागज, ईंट आदि से विभिन्न आकृतियाँ बनाएँ। एक सी आकृति मिलाएँ व अलग आकृति अलग कर पाएँ- शब्द, अक्षर,व अंक कार्ड से भी।

7. पढ़ना पूर्व की प्रक्रियाएँ करें - गाई गई कविता या सुनी गई कहानी तख्ते पर लिखे हों और शिक्षक उंगली रखकर पढ़ता जाए तो बच्चे उन्हें साथ में गाएँ, बोलें। कविता का पहला व आखिरी शब्द पहचानें।बच्चों ने चित्रकार्ड के जो नाम बताएँ हों, शि क उन्हें तख्ते पर लिखे, बच्चे पहचाने।

8. लिखने पूर्व की तैयारी : हाथ संतुलित करके निश्चित क्रय में आकृतियाँ बनाएँ- स्लेट पर, मिट्टी में आदि।

पहले चरण में ज़ोर बच्चे की झिझक तोड़ने व गतिविधयों में उसकी रुचि बनाने पर है। दूसरे चरण से ज़ोर पहले चरण की बातों के साथ साथ भाषा व गणित के कौशलों से संबंधित गतिविधियों की शुरूआत पर है।

<u>दूसरा चरण</u>

1.सुनने, बोलने के अभ्यास करें - ध्वनियाँ पहचाने, नई ध्वनियाँ बनाएँ, तुकबन्दी वाले शब्द बनाएँ, हाव भाव के साथ खुल कर कई तरह की कविताएं गाएं - ध्वनि से संबंधित, विवरणात्मक, घटना पर

आधारित, अवधारणाओं पर आधारित कविताएं आदि सुनें व गाएं। कहानियों व चित्रों पर ध्यान में, चर्चा करें। रोलप्ले करे - लोगों, जानवरों आदि की नकल या रसोई घर, बजार रेलगाड़ी का रोलप्ले आदि।

2. लम्बाई व आकार आदि के आध।र पर चीज़ों को क्रम में जमाएँ, क्रम वाली कहानी सुनें, समझें, सप्ताह के दिनों के नाम क्रम में बोलें, केवल नाम याद करने तक की अपेक्षा रखें।

3. बराबर की अवधारणा समझें - कागज़ को दो बराबार टुकड़ों में फाड़ें, बराबर वस्तुएँ छाँट सकें आदि।

4. शारीरिक नियंत्रण के अभ्यास करें।

4. ऊपर नीचे, आगे पीछे, इधर उधर, अन्दर बाहर की अवधारणाओं का अभ्यास करें।

5. दो वस्तुओं या चित्रो में बारीक अवलोकन कर के अन्तर व समानताएँ बताएँ।

6. गिनने के अभ्यास करें व ठोस वस्तुओं के ढेर से असमान वस्तु छांटकर अलग रख सकें; एक से एक संगीत के अभ्यास करे; एक और की अवधारणा के अभ्यास करें; कंकड़, बीज आदि चीजों की 1 से 10 वस्तुएँ गिन सकें, ठोस वस्तुओ की सहायता से जोड़ना घटाना शुरू करें।0 को कुछ नही के रूप मे पहचानें।

7. 0 से 9 तक अंक पहचाने व बिंदी कार्ड की सहायता से सही अंक को सही संख्या से मिला सकें।

8..शब्द व अक्षर पहचान के अभ्यास करें- चित्र-शब्दकार्ड व अक्षर कार्ड द्वारा, कहानी कविता द्वारा, चर्चाओं के शब्दों को तखते पर लिखा देखने के द्वारा व उनकी नकल करने के द्वारा।

9. कुछ अक्षर पहचाने व उनसे शब्द बना सके।

10. लिखने के अभ्यास करे- कहानी, कविता, चित्र, चर्चा में उभरे शब्दों या वाक्यों को तख्ते पर से देखकर नकल उतारें, उनमें अक्षर पहचानें। आकृति व पैटर्न की नकल उतारे व फॉर्म ड्राईंग करें, कागज़ पर पेन्सिल चलाने का अभ्यास करे., स्वतंत्र चित्र बनाएँ।

तीसरा चरण

1. सुनने बोलने के अभ्यास करें- टोलियों में बच्चे कार्ड व डाईस से कई खेल खुद से संचालित कर के खेलें। अधिकांश बच्चे कहानियाँ कविताएँ खुद सुनाएँ, कहानी कविताओं को सुनने के बाद क्या कब कितना जैसे सवालों के जवाब दे सकें।

2. शारीरिक नियंत्रण के अभ्यास करें - टीम में सहयोग की भावना के साथ खेलें।

3. अवलोकन व अन्तर समानता - दो गुणों के आधार पर चीज़ों का समूहीकरण करें। चित्रों मे अन्तर - समानता बता सके।

4. जगह की समझ बनाएँ- चीजों की क्रम में जमाएँ, पैटर्न बनाए व बने हुए पैटर्न को आगे बढ़ाएं, बारीक अन्तर के साथ आकृतियाँ पहचाने दाएं बाएं, ऊपर नीचे, पास दूर, इधर उधर की अवधारणाओं पर आधारित गतिविधियां जल्दी जल्दी कर सकें। अमानक इकाइयों में लम्बाई व आयतन नापें ।

5. गिनने के अभ्यास करें- ठोस वस्तुओं को गिनें, कहीं गई संख्या के ढेर बनाएँ, अधिक व कम के क्रम में

जमाएँ, 'एक और' की अवधारणा का अभ्यास करें, ठोस वस्तुओं, चित्रो व अंको के साथ एक अंक के साधारण जोड़ व घटा करें।

6. 50 तक गिन सके। 50 तक अंक पहचान व लिख सकें। 20 तक किसी भी संख्या से एक अधिक व एक कम बता सके, दहाई व इकाई पहचानें।

7. सिक्कों, नोटों को पहचानें।

8. पढ़ने लिखने के अभ्यास करें- शब्दों को ध्वनि में तोड़ सकें (अक्षर व मात्राओं में)। अक्षर व मात्रा को जोड़कर कुछ नए शब्द बनाएँ व उन्हें पढ़ें। पुस्तकालय की किताबों को देखें व उनमें शब्द पहचानने की कोशिश करें। कहानी सुनकर, समझकर उन पर चित्र बनाएँ, परिचित शब्दों को तख्ते पर से देखकर लिखें। परिचित छोटे शब्दों को सुनकर लिखें। अक्षरों की ध्वनियो को सुनकर उन्हें लिख सकें।

हमारा मानना है कि सीखने-सिखाने में अपरिवर्तनीय व सार्वभौमिक क्रमबद्धता नहीं होती। हमारी जिम्मेदारी उपयुक्त माहौल बनाने की और रोचक गतिविधि करने की है। उससे बच्चा क्या और कितना सीख पाता है ,उसमें निश्चितता नहीं है। इस कक्षा के अंत तक आते-आते यह आवश्यक हो जाता है कि बच्चों को स्कूल एक सार्थक सिखाने योग्य ढांचा लगे। वे स्कूल आना चाहें और सीखना चाहें।

यह भी आवश्यक है कि उन्हें लगे कि वे सीख सकते हैं। यह उतना ही महत्वपूर्ण है जितना यह कि वे गिनना जानते हैं, अक्षर., शब्द वाक्य पढ़ सकते हैं। हम यह भी कहना चाहेंगे कि हमारी राय में यह आवश्यक नहीं कि सभी बच्चे एक स्तर हासिल कर लें। इस कक्षा में बच्चों को रोकना मात्र इसी बात पर निर्भर कर सकता है कि शिक्षक माने कि उनका आगे की कक्षा में पढ़ने मे इतनी कठिनाई होगी कि उसके आत्मविश्वास पर नकारात्मक असर पड़ेगा ।

बच्चो को कक्षा एक मे नही रोकने का यह मतलब नही कि मूल्यांकन न किया जाए। कक्षा एक मे सतत् आंकलन की आवश्यकता है। इस आंकलन का उद्देश्य भी स्पष्ट है- यह जानना कि विभिन्न बच्चे सीखने की किस स्थिति मे है,और उनके साथ किस तरह की गतिविधियाँ करने की ज़रूरत है। आंकलन का सब से अच्छा तरीका है - गतिविधि के दौरान आंकलन बिन्दु नोट करना। साथ मे कुछ प्रश्न भी पूछे जा सकते है , जिनका उत्तर बच्चे एक या दो शब्द लिखकर भी दे सकते है।

कवर पृष्ठ एवं पीछे का अन्दर का कवर

गतिविधियाँ

- कवर पर कुछ कहानियों के चित्र हैं। बच्चों को चित्रों पर बातचीत करने दें।
- चित्रों में बारीक अन्तर पहचानना जैसे पहले कवर पर पहले चित्र में बीच में एक चिड़िया और दोनों तरफ दो बिल्लियाँ बैठी हैं। दूसरे चित्र में लगभग वही है पर दोनों बिल्लियाँ चिड़िया पर झपट रही हैं। इस तरह के बारीक अन्तर समझ कर उन पर बातचीत करना और कहानी समझना।
- कहानी में क्रम समझना।
- कहानी में आए पात्रों के चित्र कार्ड व शब्द कार्ड ढूंढना, शब्द बनाना, लिखना।
- पिछले अन्दर के कवर पर कुछ जानवर और पक्षी के चित्र है; जिन्हें अंकों के बिन्दु क्रमवार मिलाकर पूरा करना है। कुछ चित्र कम अंकों से बनते हैं। इन्हें पहले पूरा कराएँ।
- चित्र पूरा करने के बाद, उन पर चर्चा। पात्रों की विशेषताओं पर चर्चा- बच्चों से बातचीत करके पात्रों के व्यक्तित्व उभारें। जैसे मुर्गा अकड़ू है। सोचता है कि उसके बिना किसी का काम नहीं चल सकता या किसी भी जानवर की आवाज़ निकाल सकता है।
- इन पात्रों के साथ कई तरह की कहानियाँ बनाना।
- रोज़ अलग अलग कहानी हो सकती है - पात्र वही रहें। कहानी जितनी कल्पनात्मक और रोचक हो उतना अच्छा है।

नोट: - कवर पृष्ठ भी पन्नों की तरह उपयोग के लिए हैं।

- कहानियों में कल्पनात्मकता विकसित करना ज़रूरी है।

- बच्चों में कहानी कहने की क्षमता, तरह-तरह की कहानियाँ सुनकर ही आएगी। इसलिए इस तरह की कई गतिविधियाँ कराएँ।

इस पन्ने पर आपने कौन सी गतिविधियाँ कराईं-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन सी नई गतिविधियाँ बनाईं व कराईं (संक्षिप्त विवरण

आपको व बच्चों को कौन सी गतिविधियों में ज्यादा मज़ा आया? किसमें दिक्कत आई?

एकलव्य
चक्कर रोड मालाखेड़ी
होशंगाबाद (म.प्र.) 461001
फोन (07574)

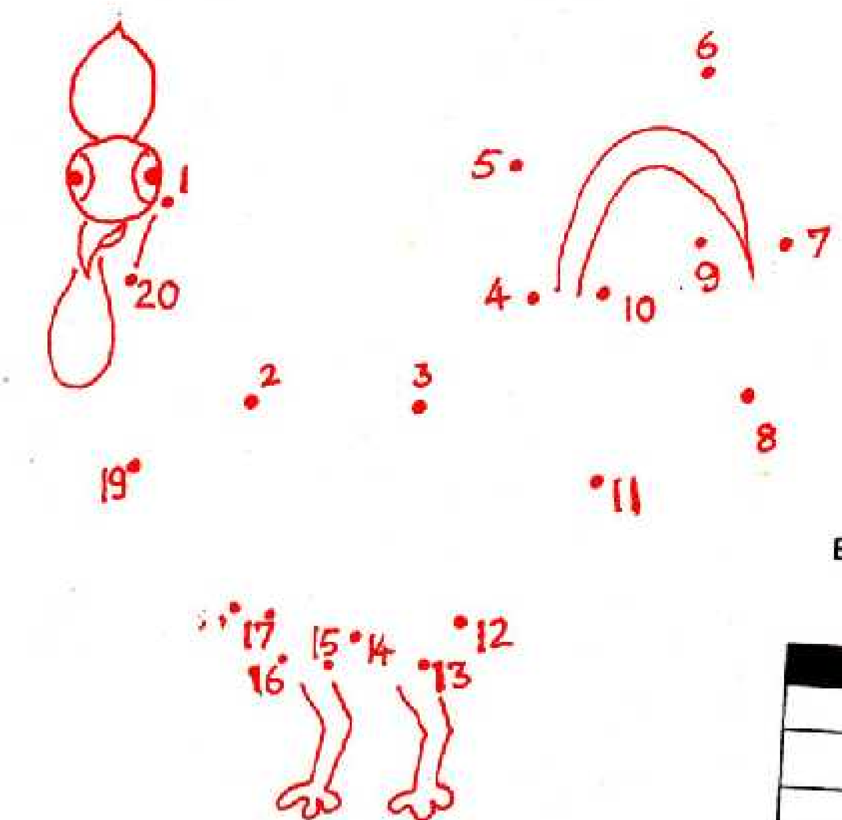

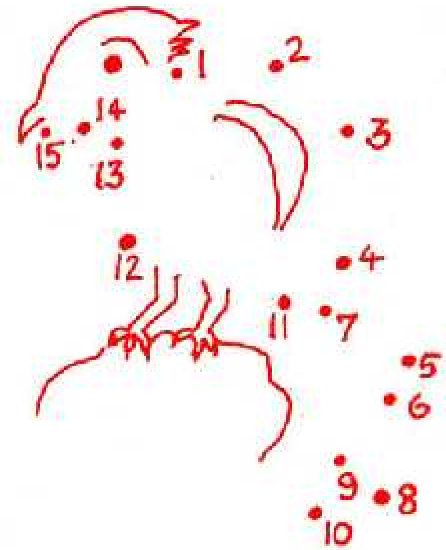

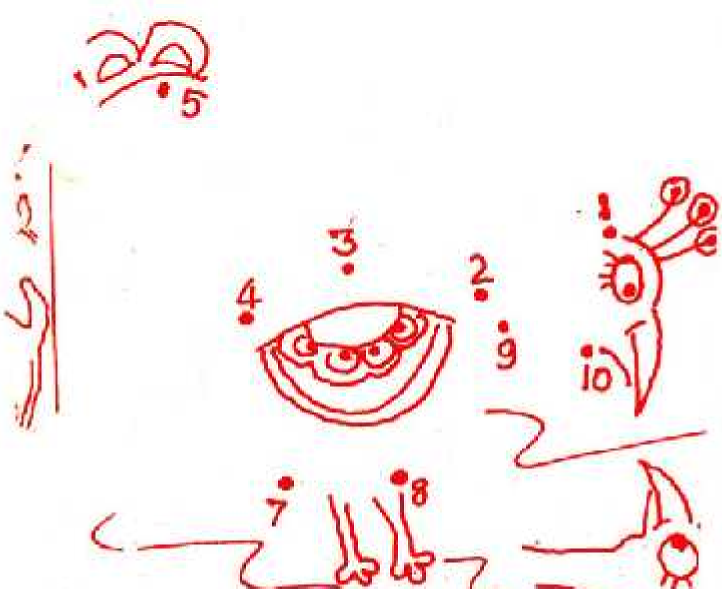

EKLAVYA LIBRARY, HOSHANGABAD
Ph. 277267, 277268
email : hoshangabad.library@eklavya.in

DUE DATE	DUE DATE
19 MAY 2009	

निर्धारित दिनांक तक पुस्तक जमा न करने पर विलम्ब शुल्क देय होगा।